नियुक्त पत्र वितरण : 07
सीएम योगी बोले..

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल... 11

वर्ष - 01, अंक - 157 | गाजियाबाद / मंगलवार 09 सितम्बर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

दुनिया का इकलौता मंदिर जहां जिंदा लोग खुद करते हैं अपना श्राद्ध

● अनोखा है मंदिर, अनोखी है वजह, इस मंदिर का नाम जनार्दन गया है

गया (एजेंसी)। पितृपक्ष की शुरुआत हो चुकी है, पितृपक्ष में हिंदू धर्म से जुड़े लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध करते हैं। पितृपक्ष हर साल भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक चलता है, इस खास काल में पूर्वजों के श्राद्ध और पिंडदान का विशेष महत्व है। माना जाता है, इस समय किया गया श्राद्ध पितरों की आत्मा को शांति और मोक्ष प्रदान प्रदान करता है। आमतौर पर ये कर्म मृतकों के लिए होता है, लेकिन क्या आपने सुना है कोई व्यक्ति जीवित रहकर अपना श्राद्ध करें। बिहार में एक ऐसा ही अद्भुत मंदिर है, जहां आत्मश्राद्ध यानी जीते जी खुद का पिंडदान

करते हैं। माना जाता है गया जी में पिंडदान करने के बाद पितृऋण से मुक्ति मिलती है, भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता ने भी त्रेता युग में यहां की फल्गु नदी के किनारे राजा दशरथ की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और पिंडदान किया था, यही कारण है आज भी गया जी को पितृश्राद्ध का सबसे बड़ा तीर्थस्थल मानते हैं। गया जी में करीबन 54 पिंडदेवी और 53 पवित्र स्थल होते हैं, जैसे पितरों का पिंडदान होता है, लेकिन जनार्दन मंदिर वेदी पूरी दुनिया में इकलौता ऐसा मंदिर है, जहां जीवित व्यक्ति अपना ही श्राद्ध करते हैं। ये मंदिर भस्मकूट पर्वत पर मां मंगला गौरी मंदिर के उत्तर में मौजूद है। माना जाता है यहां भगवान विष्णु खुद जनार्दन स्वामी के रूप में पिंड ग्रहण करते हैं। आमतौर पर यहां वे लोग आत्मश्राद्ध करने के लिए आते हैं, जिन लोगों की संतान नहीं है या परिवार में उनके बाद पिंडदान करने वाला कोई नहीं है या फिर संत-वैराग्य भाव से घर-परिवार से दूर हो गए हैं वे लोग अपना पिंडदान करने के लिए यहां आते हैं।

आत्मश्राद्ध तीन दिन में पूरा होता है, पहले गया जी तीर्थस्थल आने पर वैष्णव सिद्धि का संकल्प लेते हैं और पापों का प्रायश्चित करते हैं। इसके बाद भगवान जनार्दन स्वामी के मंदिर में पूरे विधि विधान के सतह पूजा-

अर्चा और जाप होता है। फिर दही और चावल से बने 3 पिंड भगवान को अर्पित होते हैं। खास बात ये है, इसमें तिल का इस्तेमाल नहीं होता। जबकि मृतकों को श्राद्ध में तिल जरूरी माना जाता है।

कर्नाटक के मांड्या में गणेश विसर्जन में पथराव

8 लोग घायल, 20 आरोपी गिरफ्तार, लगा कर्फ्यू

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मांड्या में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान झड़पों में 8 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने हिंसा में शामिल 20 हिरासत में लिया है। शांति कायम कारने के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। मांड्या पुलिस के अनुसार, यह विवाद उस वक्त पर हुआ जब मद्दुर के सिद्धार्थ नगर 5वें क्रॉस से जुलूस निकल रहा था। तब लोगों ने उस पर पथराव किया, जिसके बाद दूसरे समूह ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मांड्या की यह घटना रविवार रात की है। गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान दो समूहों द्वारा कथित तौर पर पथराव किया गया।

कुलगाम में सेना की आतंकियों से मुठभेड़

2 आतंकी मारे गए, एक पहलगाम हमले के बाद जारी लिस्ट में था

कुलगाम (एजेंसी)। सेना ने कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान 2 आतंकियों को मार गिराया है। सोमवार सुबह गुड्डर के जंगलों में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। सेना ने इसे ऑपरेशन गुड्डर नाम दिया है। इस दौरान एक एसओ समेत 2 जवान घायल हुए हैं। मारे गए एक आतंकी की पहचान शोपियां के रहने वाले आमिर अहमद डार के रूप में हुई है। वह लश्कर–ए–तैयबा से जुड़ा था और सितंबर 2023 से एक्टिव था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से जारी 14 आतंकवादियों की लिस्ट में यह भी शामिल था। पुलिस, सेना की एक जॉइंट टीम ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके में सर्चिंग शुरू की थी। जंगल में लश्कर के 3 से ज्यादा आतंकी छिपे थे।

यूपी के हर यूनिवर्सिटी-कॉलेज की होगी जांच

छात्रों को वापस मिलेगी फर्जी कोर्सेस की फीस, योगी का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सभी यूनिवर्सिटीज और कॉलेज की जांच को लेकर आदेश दिए गए हैं। एजेंसी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस, प्रशासनिक और शिक्षा अधिकारियों की खास टीमें बनाने के निर्देश दिए गए हैं। यह टीमें कॉलेजों की मान्यता और एडमीशन को लेकर जांच करेंगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्वीकृत पाठ्यक्रम ही यूनिवर्सिटी–कॉलेज में चल रहे हैं और छात्रों के साथ कोई धोखाधड़ी नहीं हो रही है। सीएम योगी के आदेश अनुसार अगर कोई बिना मान्यता वाला प्रोग्राम चल रहा होगा तो कार्रवाई की जाएगी।

भारत बनाएगा अमेरिका-रूस इजराइल जैसी स्पेशल फोर्स

ये दुश्मन के घर में भी घुसकर मारेगी, जॉइंट वॉर थ्योरी का ब्लूप्रिंट तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैन्य बलों की एलीट कमांडो फोर्स का संयुक्त युद्ध सिद्धांत बनाया गया है। यह साझा दस्तावेज सेना की स्पेशल फोर्स, वायु सेना की गरुड़ कमांडो फोर्स और नौसेना के मार्कोस कमांडो के लिए बनाया गया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई इस कवायद में तीनों सेनाओं की एलीट फोर्स की तैयारी का हर पहलू स्पष्ट किया गया है। मसलन, अगर किसी देश या उसकी शह में पलने वाले आतंकी, भारत विरोधी कार्रवाई करते हैं तो उनके खिलाफ क्या होगा। यही नहीं, युद्ध होने पर ये कमांडो

क्या करेंगे और शांतिकाल में भूमिका क्या होगी, यह भी स्पष्ट किया गया है। इसका मकसद, दुश्मन के सामरिक महत्व के टारगेट्स को भीतर घुसकर वार करने की क्षमता विकसित करना है। साथ ही, दुश्मन के उन कीमती ठिकानों पर हमला बोलने की रणनीति बनी है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था चरमरा जाए और उसका युद्ध छेड़ने का हौंसला भी टूट जाए। अमेरिका की डेल्टा फोर्स और नेवी सील्स, स्पेत्सनाज और इजराइल की सयरेट मतकाल दुनिया की सबसे खतरनाक स्पेशल फोर्सेज हैं। इनके ऑपरेशन दुश्मन के घर में घुसकर सटीक वार के लिए मशहूर हैं। डेल्टा फोर्स- यह अमेरिका की आर्मी स्पेशल ऑपरेशन्स यूनिट है। 1977 में बनी। मुख्य काम- आतंकवाद-रोधी, होस्टेज रेस्क्यू, कवर्ट ऑपरेशन, हाई-वैल्यू टारगेट्स को पकड़ना/मारना। सदस्य ज्यादातर अमेरिका के हैं।

बिहार चुनाव से पहले नीतिश कुमार का बड़ा दांव

पटना (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने राज्य के आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं को दीवाली वाला गिफ्ट दे दिया है। नीतिश सरकार ने बिहार की आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाओं का मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया है। बिहार में पहले आंगनबाड़ी सेविका का

मानदेय 7,000 रुपये और आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रुपये था। माना जा रहा है कि नीतिश कुमार ने आंगनबाड़ा सेविका और सहायिका के मानदेव में बढ़ोतरी कर उन्हें खुश करने का काम किया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7,000 होगा।

15 सितंबर को बिहार के पूर्णिया जाएंगे प्रधनमंत्री मोदी

● प्रधानमंत्री की जनसभा को लेकर एनडीए ने झोंकी ताकत ● मंत्री रेणु देवी ने प्रचार रथ रवाना किया, भाजपा भी ऐक्टिव

पूर्णिया (एजेंसी)। पूर्णिया में 15 सितंबर को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने शहर के आर एन साह चौक से प्रचार रथ को रवाना किया गया। पूर्व उप मुख्यमंत्री सह बिहार सरकार में पशुपालन मंत्री रेणु देवी खुद हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। मौके पर भाजपा विधायक विजय खेमका के अलावा भाजपा, जदयू, हम, लोजपा रामविलास रामविलास के अलावा आरएलएम के जिलाध्यक्ष समेत सभी घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे। मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे

लिए भारत माता की जय, भाजपा जिंदाबाद और पीएम नरेंद्र मोदी के जिंदाबाद के नारे लगाए। मौके पर मंत्री रेणु देवी मौजूद रहीं।

नेपाल में ओली सरकार के खिलाफ सड़क पर युवा

● संसद में घुसे प्रदर्शनकारी, 18 की मौत, सेना ने की फायरिंग ● सोशल मीडिया बैन-भ्रष्टाचार के खिलाफ युवा कर रहे विरोध

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान 18 लोगों की मौत हो गई। एजेंसी के मुताबिक, नेपाल पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। 100 से ज्यादा युवा घायल भी हुए। इस प्रदर्शन की अगुआई जेन-जेड यानी 18 से 30 साल के युवा कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर बैन और सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ 12 हजार से ज्यादा युवा प्रदर्शनकारी सोमवार सुबह संसद भवन परिसर में घुस गए थे, जिसके बाद सेना ने कई

राउंड फायरिंग की। नेपाल के इतिहास में संसद में घुसपैठ का यह पहला मामला है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने संसद के गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा कर लिया। इसके बाद संसद भवन, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पीएम आवास के पास के इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। काठमांडू प्रशासन ने तोड़फोड़ करने वाले को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। नेपाल सरकार ने 3 सितंबर को 26 साइट्स पर बैन लगा दिया।

मेहुल चोकसी को ऑर्थर जेल में साफ टॉयलेट, पानी मिलेगा

● केंद्र ने बेल्जियम को 14 सुविधाओं की लिस्ट सौंपी, 13000 करोड़ फ्रॉड का आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब नेशनल बैंक के 13,850 करोड़ के फ्रॉड के आरोपी और भगोड़ा बिजनेसमैन को बेल्जियम से भारत लाने की कोशिश जारी हैं। केंद्र ने बेल्जियम सरकार को एक लेटर में बताया कि चोकसी को मुंबई के आर्थर रोड जेल के बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा। वहां एक कोठरी में 6 लोगों के रहने की क्षमता है। लेटर में कहा गया कि अगर चोकसी को बेल्जियम से भारत लाए जाता है, तो उसके साथ मानवीय व्यवहार किया जाएगा। उसे 14 से ज्यादा सुविधाएं देने का भरोसा दिया है। हालांकि, केंद्र ने चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए यह पत्र कब लिखा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण की अपील पर, चोकसी को 12 अप्रैल को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था।

ऑनलाइन गेमिंग एक्ट | सरकार की मांग पर फैसला

सुप्रीम कोर्ट में होगी सभी याचिकाओं की सुनवाई

● दिल्ली, कर्नाटक और एमपी हाईकोर्ट में केस चल रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट के खिलाफ अलग-अलग हाईकोर्ट में दायर की गई सभी याचिकाओं की सुनवाई अब सुप्रीम कोर्ट में ही होगी। केंद्र सरकार की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार की सुनवाई में यह आदेश दिया। दरअसल, केंद्र सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को लेकर बनाए गए प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं को

एक साथ सुनने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। यह कानून रियल-मनी गेम्स (पैसे दांव पर लगाकर खेले जाने वाले गेम्स) पर पूरी तरह पाबंदी लगाता है।

जिसके खिलाफ कर्नाटक, दिल्ली और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थीं, जिनकी सुनवाई अब सुप्रीम कोर्ट में ही होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी हाईकोर्ट में लंबित ऐसी कोई भी याचिका भी ट्रांसफर मानी जाएगी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि मामले से जुड़े सभी हाईकोर्ट को निर्देश दिया जाता है कि वे 1 हफ्ते के अंदर दायर याचिकाओं के साथ पूरे रिकॉर्ड्स ट्रांसफर करें। समय बचाने के लिए यह ट्रांसफर डिजिटल रूप से किया जाए। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि इन याचिकाओं को एक साथ सुप्रीम कोर्ट या किसी एक हाई कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए, ताकि अलग-अलग फैसले आने से बचा जा सके। 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुआई वाली बेंच के सामने इस मामले का जिक्र हुआ था। कोर्ट ने इसे 8 सितंबर को सुनवाई के लिए लिस्टेड करने का आदेश दिया था।

आधार पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं

एससी ने चुनाव आयोग से कहा-इसे 12वां दस्तावेज माना जाए

पटना (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट किया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि

चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे। केवल वास्तविक नागरिकों को ही वोट देने की अनुमति होगी और जो लोग फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दावा कर रहे हैं, उन्हें मतदाता सूची से बाहर रखा जाएगा। कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह पहचान के प्रमाण के लिए आधार को दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करे। कोर्ट ने साफ किया कि पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र के अलावा 11 दस्तावेजों में से किसी अन्य दस्तावेज को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। सिब्बल ने प्रस्ताव रखा कि आधार को 12वां दस्तावेज घोषित किया जाए।

उपराष्ट्रपति चुनाव आज इस बार मुकाबला करीबी

चुनाव में शामिल नहीं होगी नवीन पटनायक की पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति के लिए कल मंगलवार को मतदान होगा। उसी दिन शाम तक नतीजे घोषित होंगे। इसके साथ ही देश को 50 दिन बाद जगदीप धनखड़ की जगह नया उपराष्ट्रपति

मिलेगा। 21 जुलाई को धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने के चलते चुनाव हो रहा है। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। आंकडों में एनडीए को स्पष्ट बढत है।

हैदरपुर नहर में डूबे दो मासूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिले के शालीमार बाग इलाके में रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में हैदरपुर नहर में नहाने गए दो बच्चों की डूब जाने से मौत हो गयी। मृतकों की पहचान 9 वर्षीय अनीकेत और 13 वर्षीय कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक रविवार शाम करीब चार बजे दोनों बच्चे नहर के पास खेलने गए थे। इसी दौरान वे फिसलकर नहर के पानी में डूब गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस बीच उत्तर पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने सोमवार को बताया कि जांच में पता चला है कि अनीकेत झुग्गी नंबर 1036 में आयुर्वेदिक अस्पताल के पास रहता था। उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है और वह अपने पिता एवं दो बड़े भाइयों के साथ रहता था। वहीं कृष्ण कुमार झुग्गी नंबर 640 में अपने पिता, बड़े भाई, एक छोटे भाई और एक बहन के साथ रहता था। उसकी मां की भी पहले ही मृत्यु हो चुकी है। दोनों बच्चों के पिता मज़दूरी करते हैं और घटना के समय काम पर गए हुए थे। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद आगे की जांच जारी रहेगी।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट डाउन, लोक अदालत से पहले चालक परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) की ओर से 13 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होने जा रही है ताकि पुराने और लंबित चालानों का त्वरित निपटारा हो सके। लेकिन लोक अदालत लगने से पहले ही सोमवार को दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट सुबह से ही डाउन रही, जिससे लोग अपने चालान डाउनलोड नहीं कर पा रहे थे। परेशान लोगों ने इसे लेकर एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए शिकायत की और कहा कि चालान का निपटारा कैसे होगा जब पहले दिन ही चालान डाउनलोड ही नहीं हो रहे हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक वेबसाइट डाउन रही। उन्होंने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस पर वेबसाइट सुचारू रूप से उपलब्ध नहीं कराने और नागरिकों की परेशानी बढ़ाने का आरोप लगाया। एक वाहन चालक ने लिखा कि लोक अदालत के लिए तैयारी की थी, लेकिन पहले दिन ही वेबसाइट डाउन रहने से चालान डाउनलोड नहीं कर सका। अब आगे के दो दिन में चालान डाउनलोड होना मुश्किल लग रहा है। लोक अदालत में शामिल होने के लिए वाहन चालकों को पहले से ही आठ, नौ व 10 सितंबर को अपने चालान डाउनलोड करने को कहा गया है। डीएसएलएसए ने एक दिन में 60 हजार चालान डाउनलोड करने की सीमा रखी है। लोक अदालत का आयोजन पटियाला हाउस, कड़कड़डूमा कोर्ट, राउज एवेन्यू, तीस हजारी, द्वारका, साकेत और रोहिणी कोर्ट में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक किया जा रहा है। पिछली बार मई में आयोजित लोक अदालत में 1,53,437 चालान निपटाए जा चुके हैं। इस बार भी अधिकारियों ने इसे सुचारू और सरल बनाने का वादा किया है। इस लोक अदालत में निजी वाहनों के लिए अधिकतम दो चालान और पांच नोटिस व व्यावसायिक वाहनों के लिए दो चालान निपटाने की सुविधा दी जा रही है। इसके लिए वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (आरसी), चालक का पहचान पत्र और चालान की कॉपी अनिवार्य है।

इंडिया गेट के पास हिट एंड रन, दिल्ली पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गेट घूमने के बाद कार में सवार होकर जा रहे एक परिवार को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी कार चालक कार समेत मौके से फरार हो गया। हादसे में कार मालिक की 54 वर्षीय सास सरोज मेहता गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलने पर पीसीआर कर्मियों ने घायल महिला को इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, फरार आरोपी चालक का अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल, नॉर्थ एवेन्यू पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार कार चालक का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 32 वर्षीय सौरभ सैनी अपने परिवार के साथ श्याम अपार्टमेंट, नवादा उत्तम नगर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 6 सितंबर को वह अपनी पत्नी शिवानी महतो, बेटी तेजवसनी, ससुर परशुराम महतो और सास सरोज महतो के साथ इंडिया गेट घूमने आए थे। वे इंडिया गेट घूमने के बाद लौट रहे थे। कार सौरभ सैनी चला रहे थे। रात 11:15 बजे जैसे ही वह पंडित पंत मार्ग–महादेव रोड बिशम्बर दास मार्ग क्रॉसिंग के पास पहुँचीं, महादेव रोड की ओर से आ रही एक तेज़ रफ़्तार कार ने उनकी कार के बाईं ओर टक्कर मार दी। उस तरफ उनकी सास सरोज महतो बैठी थीं। टक्कर मारने के बाद, कार चालक बिशम्बर दास मार्ग की ओर भाग गया। वे कार का नंबर भी नोट नहीं कर पाए। उनकी सास गंभीर रूप से घायल हो गईं। तुरंत पीसीआर कॉल की गई। जिसके बाद पुलिस ने महिला को इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ उनका इलाज चल रहा है।

उत्तर रेलवे का रेलवे स्टेशनों पर फ्रंटलाइन कर्मचारियों के लिए प्राथमिक और सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर रेलवे मंडल अस्पताल ने इससे पहले दिल्ली मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 5.5.25 से 9.5.25 तक पांच दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा और सी.पी.आर. प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। प्रशिक्षण सत्र 2.9.2025 से पुनः शुरू कर दिए गए हैं। प्रशिक्षण सत्र आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, करनाल, पानीपत, जींद और रोहतक सहित प्रमुख स्टेशनों पर आयोजित किए गए है।

दिल्ली मंडल के चिकित्सकों और एनेस्थेटिस्टों सहित डॉक्टरों की एक समर्पित टीम ने सत्रों का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य आर.पी.एफ., वाणिज्य, परिचालन रेलकर्मियों के साथ–साथ आउटसोर्स कर्मी जैसे सहायकों (पोर्टरों) और हाउसकीपिंग को आवश्यक जीवन रक्षक कौशल के साथ सशक्त बनाना था। फोकस के प्रमुख क्षेत्रों में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सी.पी.आर.),

मानव उत्थान सेवा समिति और मैक्स हॉस्पिटल ने आयोजित किया निशुल्क चिकित्सा शिविर, 200 लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानव उत्थान सेवा समिति और मैक्स हॉस्पिटल, शालीमार बाग के संयुक्त तत्वावधान में श्री हंस सत्संग भवन, पंजाबी बाग में एक विशाल निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 200 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें रक्तचाप, शुगर, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण जांचें शामिल थीं। इस पहल का उद्देश्य लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था।

संतों और डॉक्टरों ने किया मार्गदर्शन

शिविर का शुभारंभ समाजसेवी श्री सुयश जी महाराज और माता श्री मोहिना जी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हरनीश सिंह भाटिया ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हृदय रोग के मामले शुगर और कैंसर के मरीजों से भी अधिक देखने को मिल रहे हैं। इसका मुख्य कारण फास्ट फूड का अत्यधिक सेवन है। उन्होंने लोगों को पिज्जा, बर्गर, कोल्ड ड्रिंक और चिप्स जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह दी। डॉ. भाटिया ने यह भी कहा कि मांसाहार, धूम्रपान और तंबाकू जैसे नशे से दूर रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनसे हृदय रोग की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने और तनावमुक्त रहने की सलाह दी।

स्वास्थ्य और सेवा का संदेश

इस मौके पर, माता श्री मोहिना जी ने कहा कि भले ही समिति के शिष्य मांसाहार और नशे से दूर रहते हैं, लेकिन वे तनावग्रस्त रहकर अपने स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने सभी से अनुभवी डॉक्टरों द्वारा दी गई जानकारियों का पालन करने का आग्रह किया, ताकि सभी स्वस्थ रहें और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। पोषण विशेषज्ञ डॉ. सविता यादव ने भी पोषण जागरूकता पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। नसमिति के वरिष्ठ महात्मा सत्यबोधानंद जी ने बताया कि सद्गुरुदेव श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से पूरे भारत में इस प्रकार के समाजसेवी कार्य आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के सफल आयोजन में सहयोग करने के लिए समिति के सचिव श्री आनंदी प्रसाद जी ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मंच पर डॉ. प्राची मौर्य और डॉ. अंजलि अग्रवाल सहित कई अन्य चिकित्सक भी मौजूद थे। कार्यक्रम का सफल संचालन शंकर शर्मा ने किया।

गाजीपुर डेयरी फार्म पर चला बुलडोजर, 15 अवैध दुकानें और इमारतें ध्वस्त

–दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजीपुर डेयरी फार्म स्थित गोपाल कृष्ण मंदिर परिसर पर सोमवार को दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड का बुलडोजर चला। परिसर में बनी 15 अवैध दुकानें और एक दो मंजिला इमारत को जमींदोज कर दिया गया। पुलिस और अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में छह घंटे तक कार्रवाई चली।

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। करीब दो हजार वर्ग मीटर में अवैध निर्माण था। अवैध दुकानों में पशुओं की दवाइयां और भोजन, भवन निर्माण सामग्री बेची जा रही थी। सोमवार सुबह ही बोर्ड की टीम अन्य विभागों के साथ मौके पर पहुंच गई। लोगों को प्रदर्शन करने से रोकने के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया था। बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अवैध निर्माण की शिकायत मिली थी। उस पर कार्रवाई की गई है।

कार्यकारी अभियंता मुकेश पाल से पूछा गया कि जब अतिक्रमण हो रहा था तो बोर्ड के अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की। शिकायत का इंतजार क्यों किया गया। इस पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इस मामले में शिकायतकर्ता और गाजीपुर निवासी मनोज भाटी ने बोर्ड, जिला प्रशासन, एलजी ऑफिस और पुलिस से शिकायत की थी कि मंदिर परिसर में बनी दुकानों में जानवरों के लिए मांस सामग्री बेची जा रही है।

वह सामग्री मंदिर में बने भवनों में भी रखी हुई है। आरोप लगाया गया था कि मंदिर समिति अवैध दुकानों और भवनों का किराया वसूल रही है। कुछ दुकानें बेच भी दी गई हैं। इसे लेकर वह 30 मई 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट गए थे। कोर्ट ने बोर्ड को कार्रवाई करने के आदेश दिए थे।

आरोप है कि बोर्ड के अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। मंदिर समिति पिछले अगस्त में इस फैसले के विरोध में कोर्ट गई थी। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि एक हफ्ते के अंदर अवैध निर्माण हटाना होगा। एक हफ्ते का समय दिया गया था। जिसके बाद बोर्ड ने सोमवार को कार्रवाई की।

जानवरों के लिए दवा मिलने में हो रही है दिक्कत

मंदिर के सामने दिल्ली सरकार का पशु चिकित्सालय है। इस अस्पताल में डॉक्टर तो हैं, लेकिन दवाइयाँ नहीं हैं। यहाँ के डॉक्टर मंदिर के पास वाले मेडिकल स्टोर से सादे पर्चे पर दवाइयाँ लिख देते थे। सोमवार को दुकानें तोड़े जाने के कारण मेडिकल स्टोर बंद रहे। ऐसे में अस्पताल आए पशुपालकों को दवाइयों के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एशिया कप में हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को एशिया कप 2025 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की ऐतिहासिक जीत पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि ये पल आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बनेगा। वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि एशिया कप 2025 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की ऐतिहासिक विजय पूरे देश के लिए गर्व का पल है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न सिर्फ खेल–जगत में भारत की नई ऊंचाइयों को दर्शाती है, बल्कि हर युवा खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनेगी। सचदेवा ने कहा कि इस स्वर्णिम सफलता के लिए भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सफलता आपके कठोर परिश्रम, अनुशासन, सामूहिक समर्पण एवं राष्ट्रभावना का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपने कौशल, धैर्य और टीम भावना से देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छूते रहें और देश को और गौरवान्वित करें। उल्लेखनीय है कि यह भारत की चौथी एशिया कप जीत है। इससे पहले टीम ने 2003, 2007 और 2017 में खिताब जीते थे।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला : प्राथमिकी रद कराने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे लालू यादव, दावा–सीबीआई जांच अवैध

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) की प्राथमिकी रद करने की मांग को लेकर पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। लालू यादव ने तर्क दिया है कि प्राथमिकी बिना किसी आवश्यक अनुमति के की गई थी और सीबीआई जांच अवैध है। मामले की संक्षिप्त सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति रविन्द्र डुडेजा की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि मंजूरी न मिलने की बात अगर स्वीकार भी कर ली जाए, तो यह केवल पीसी एक्ट के तहत अपराधों पर लागू होगी, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) पर नहीं।

क्या है जमीन के बदले नौकरी घोटाला?

दरअसल, जमीन के बदले नौकरी घोटाले में आरोप लगाया गया है कि तत्कालीन रेल मंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के दबाव में ऐसे लोगों को ग्रुप–डी की नौकरियां दी गईं, जो अपना नाम तक नहीं लिख सकते थे। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष सीबीआई ने दलील दी कि चयनित अभ्यर्थियों ने या तो लालू यादव, उनके परिजनों या उनसे जुड़े लोगों के नाम पर जमीन तोहफे में दीं या कम कीमत पर बेची थीं। जांच के आधार पर सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक डीपी सिंह ने बताया था कि नौकरी पाने वाले सभी अभ्यर्थी बिहार के बेहद गरीब तबके से थे। उनके पास जो दस्तावेज थे, वे फर्जी स्कूलों से जारी हुए थे, जिन्हें इसी मकसद से खोला गया था।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने गांव दयाल भट्टी में लगाया मुफ्त मेडिकल कैंप, अब अन्य गांवों में भी मिलेगी स्वास्थ्य सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने अजनाला के गांव दयाल भट्टी में एक मुफ्त मेडिकल कैंप का आयोजन किया है। यह कैंप एसकेएस अस्पताल के सहयोग से लगाया गया, जहां डॉक्टरों ने मरीजों की निशुल्क जांच की और उन्हें दवाइयां उपलब्ध कराईं। यह डीएसजीएमसी द्वारा लगाया गया तीसरा ऐसा मेडिकल कैंप है, जो बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रयासों का हिस्सा है।

कैंप में दी जा रही हैं मुफ्त सेवाएं

कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने इस पहल के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन कैंपों में केवल मुफ्त जांच और दवाइयां ही नहीं, बल्कि खून और पेशाब से संबंधित बीमारियों के टेस्ट भी निशुल्क किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कमेटी की मेडिकल टीमें इन क्षेत्रों में तब तक अपनी सेवाएं देती रहेंगी जब तक कि इलाका पूरी तरह से बीमारियों से मुक्त नहीं हो जाता।

अन्य गांवों में भी लगेंगे कैंप

अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दो स्थानों पर मुफ्त मेडिकल कैंप लगाए जा चुके हैं और दयाल भट्टी तीसरा गांव है। आने वाले समय में गुलाब और गग्गोमाल जैसे नजदीकी गांवों में भी इसी तरह के मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। इस मौके पर सरदार जगदीप सिंह काहलों के साथ दिल्ली कमेटी के सदस्य भूपिंदर सिंह गिन्नी, राजिंदर सिंह खियाला और पंजाब में धर्म प्रचार चेयरमैन मनजीत सिंह भोमा भी मौजूद थे। यह प्रयास आपदा के समय में स्थानीय लोगों को तत्काल स्वास्थ्य सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड में जैन मेले का आयोजन 12 सितम्बर से

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित सीबीडी ग्राउंड में जैन युवा क्लब रजि. द्वारा जैन मेले का आयोजन 12 सितम्बर से 16 सितम्बर 2025 तक किया जाएगा। जैन युवा क्लब के मेला संयोजक गौरव जैन ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार मेला 12 सितम्बर से शुरू होगा जो 16 सितम्बर 2025 तक चलेगा, 5 दिन तक उत्सव का माहौल रहेगा। इस मेले को सफल बनाने के लिए संयोजक गौरव जैन व मेला मंत्री दीपक जैन सहित जैन युवा क्लब के अन्य गणमान्य लोग पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैन मेले के पहले दिल जैन प्रतिभा सम्मान व डांडिया नाईट, दूसरे दिन श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान व माँ पद्मावती आराधना, तीसरे दिन भव्यातिभव्य कार्यक्रम, चौथे दिन रेणुका पंवार का लाइव शो तथा आखिरी दिन विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। मेला मंत्री दीपक जैन ने बताया की सीबीडी ग्राउंड में सैकड़ों गाडियों के पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी साथ ही सैकड़ों लोगों के बैठने की व्यवस्था भी रहेगी, वहीं मेले का भी आयोजन किया जाएगा। मेला मैदान में जगह जगह एलईडी स्क्रील लगाई जाएगी, जिससे लोग मेले में होने वाले कार्यक्रम देख सकेगें। जैन मेले विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया भी किया जाएगा। इसमें कई प्रकार के स्टॉल भी लगाए जाएंगे वहीं मेले में हर प्रकार के झूले होंगे, जो कि बच्चों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहेगें।

यमुना नदी को स्वच्छ व निर्मल बनाना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 सितंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली की रेखा सरकार ने देश की राजधानी को सही मायनों में 'विकसित दिल्ली' बनाने के लिए एक और महत्वपूर्ण पहल की है। दिल्ली की तीन बड़ी चुनौतियों जैसे यमुना का प्रदूषण, कूड़े के पहाड़ व वायु प्रदूषण को प्रभावी रूप से खत्म करने के लिए उद्योग व कॉरपोरेट जगत को भी जोड़ा जाएगा। सरकार का मानना है कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के संदर्भ में सरकार और उद्योग की साझेदारी के अंतर्गत किए गए कई सफल प्रयासों की ही कड़ी है। मुख्मंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का कहना है कि यमुना नदी को स्वच्छ व निर्मल बनाना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।

इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर आज राजनिवास में दि 'यमुना और दिल्ली का पुनर्जीवन- एक सीएसआर संवाद' का आयोजन किया गया। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। संवाद में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अतिरिक्त शीर्ष उद्योग संघों के प्रतिनिधि, भारतीय उद्योग, कॉरपोरेट जगत, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रमुख भी शामिल हुए। संवाद में दिल्ली जल बोर्ड की ओर से उन क्षेत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जहां उद्योग जगत के साथ साझेदारी स्थापित की जा सकती है।

संवाद में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि नई सरकार को विरासत में मिली तीन बड़ी समस्याएं-यमुना नदी का प्रदूषण, ठोस कचरे के पहाड़ और वायु प्रदूषण, दिल्ली की मुख्य चुनौतियाँ हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय राजधानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बदनामी दिलाई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम भी दिखने लगे हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि इस दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे जब समाज के हर वर्ग, विशेषकर कॉरपोरेट क्षेत्र, सीएसआर के माध्यम से अपनी भूमिका निभाएं। संवाद में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी उपरोक्त तीन विरासत में मिली समस्याओं का उल्लेख किया और कहा कि समस्याओं से निपटने के लिए उद्योग जगत से अपेक्षित सहयोग मुख्य रूप से सीवेज ट्रीटमेंट की तकनीक एवं प्रौद्योगिकी और ऐसी कार्य-संस्कृति का विकास है, जिससे यमुना नदी का प्रदूषण स्थायी रूप से समाप्त हो सकता है। श्रीमती गुप्ता ने सुझाव दिया कि उद्योग अपने सीएसआर उपक्रमों के अंतर्गत एक 'कॉर्पस फंड' स्थापित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड उद्योगों को ऐसी परियोजनाओं की सूची उपलब्ध कराएगा, जिनमें वे अपने सीएसआर फंड का सीधा उपयोग कर सकें। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना था कि यमुना को निर्मल व स्वच्छ रखना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार उसे फिर से पुराने रूप में लौटाना चाहती हैं, जिसकी इच्छा दिल्ली के लोग भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन सरकार, उद्योग और समाज एक साथ काम करें तो किसी भी समस्या का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पूरी नीयत और ईमानदारी से दिल्ली को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें परियोजनाएं अगले 50 वर्षों तक पर्यावरण की रक्षा करती रहें। बैठक में उद्योग जगत से अपील की गई कि वे नालों को गोद लें और उनके किनारे छोटे-छोटे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाएं। इससे यमुना में जाने वाले प्रदूषण को काफी हद तक रोका जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने हाल ही में यमुना बाढ़ क्षेत्र में विकसित किए गए बनसेरा, असीता, वाटिका आदि हरित क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां इच्छा होती है, वहां रास्ता भी निकलता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार राजधानी की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव कदम उठाना शुरू कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उद्योग जगत जब अपने सीएसआर उपक्रमों के अंतर्गत वृक्षारोपण भी करे ताकि दिल्ली का पर्यावरण मजबूत हो। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के संदर्भ में सरकार और उद्योग की साझेदारी के अंतर्गत किए गए कई सफल प्रयासों की ही कड़ी है। संवाद में जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि चाहे कार्य कितना भी कठिन क्यों न हो, सरकार निर्धारित समय सीमा के भीतर यमुना की सफाई सुनिश्चित करेगी और विश्वास दिलाया कि दशकों बाद अब आगामी चुनावों में यमुना की सफाई राजनीतिक मुद्दा नहीं बनेगी।

मेले का आयोजन 12 सितम्बर से

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित सीबीडी ग्राउंड में जैन युवा क्लब रजि. द्वारा जैन मेले का आयोजन 12 सितम्बर से 16 सितम्बर 2025 तक किया जाएगा। जैन युवा क्लब के मेला संयोजक गौरव जैन ने कहा कि हर बार की

बच्चों के अपहरण व तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने बच्चों के अपहरण और तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के 10 सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों से छोटे बच्चों का अपहरण कर उन्हें पैसों के लिए आगे बेच देता था। स्पेशल स्टाफ की त्वरित कार्रवाई से सिर्फ़ 48 घंटे में सराय काले खां से अगवा 6 माह के बच्चे को आगरा से बरामद किया गया। इसके अलावा 5 अन्य बच्चों को भी अलग-अलग जगहों से मुक्त कराया गया।

दक्षिण-पूर्वी जिले के डीसीपी डॉ. हेमंत तिवारी ने नई दिल्ली स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि पकड़े गए आरोपितों की पहचान पिनहाट (आगरा) निवासी वीरभान (30) मुख्य आरोपित, कालिचरण (45) वीरभान का ससुर, अपहरण में शामिल, डॉ. कमलेश कुमार (33) - के.के हॉस्पिटल आगरा का मालिक, सुंदर सिंह (35) इसके ऊपर पहले भी आपराधिक मामले दर्ज है, आगरा निवासी कृष्णा शर्मा (28), आगरा निवासी प्रीति शर्मा (30), ऋतु त्रिपाठी (40) पहले भी तस्करी के मामले में शामिल रही है, लखनऊ निवासी ज्योत्सना (39), आगरा निवासी रचीता उर्फ रुबीना अग्रवाल (42) और फिरोजाबाद निवासी निखिल कुमार (22) के रूप में हुई है।

डीसीपी ने बताया कि 22 अगस्त 2025 को उप्र निवासी सुरेश अपने परिवार के साथ आईएसबीटी सराय काले खां पहुंचे थे। वे पत्नी और चार बच्चों के साथ प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर सो रहे थे। देर रात करीब 11 बजे उन्होंने पाया कि उनका 6 माह का बच्चा गायब है। इस पर थाना सनलाइट कॉलोनी में मामला दर्ज हुआ। जांच के दौरान बच्चों की बिक्री और तस्करी से जुड़े गंभीर तथ्य सामने आए। जिसके बाद स्पेशल स्टाफ को जिम्मा सौंपा गया। इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह डागर, एसआई चंचल, एसआई कृति, एसआई कविता, दीपक, शुभम चौधरी, मुनेश समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। टीम का नेतृत्व एडिशनल डीसीपी-एश्वर्या शर्मा कर रही थीं। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आरोपितों की पहचान हुई और तकनीकी निगरानी से पुलिस ने मुख्य आरोपित वीरभान को उप्र के पिनहाट से दबोचा। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए और गिरोह के अन्य सदस्य को दबोचा गया।

ऑपरेशन की बड़ी उपलब्धियां

आरोपित वीरभान ने कबूल किया कि उसने अपने ससुर कालिचरण के साथ मिलकर बच्चा उठाया और उसे डॉक्टर कमलेश कुमार (मालिक केके हॉस्पिटल, आगरा) के पास ले गए। पुलिस टीम ने डॉक्टर कमलेश को भी जाल में फंसाकर गिरफ्तार किया। डॉक्टर ने बच्चे को सुंदर नामक व्यक्ति को बेचे जाने की बात कबूली। इसके बाद पुलिस ने सुंदर को राजस्थान सीमा से दबोच लिया। आगे सुंदर की निशानदेही पर आगरा निवासी कृष्णा शर्मा और प्रीति शर्मा से अगवा बच्चा बरामद किया गया। आगे की पूछताछ में अन्य बिचौलियों व परिवारों तक पुलिस पहुंची और कुल पांच और बच्चों को अलग-अलग जगहों से छुड़ाया गया।

बचाए गए बच्चे6 माह का बच्चा - सराय काले खां से अगवा, आगरा से बरामद, 1 माह बच्चा - नैनीताल से बरामद, 2 माह का बच्चा - आगरा से बरामद, 2 माह का बच्चा - रचीता उर्फ रुबीना के कब्जे से बरामद, 10 दिन का बच्चा - आगरा से बरामद और 1 साल की बच्ची - फतेहाबाद (उप्र) से बरामद।

18 करोड़ की लागत से गाजियाबाद का बदलेगा स्वरूप, यूपी गेट एंट्री और प्रमुख चौराहों पर होगा भव्य सौंदर्यकरण

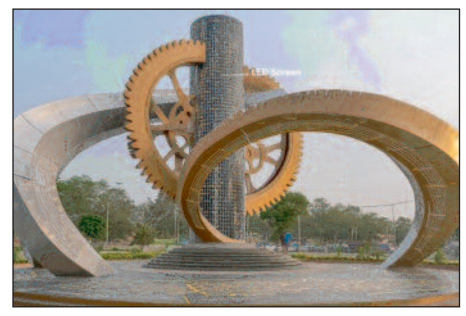

गाजियाबाद (शिखर समाचार) नगर निगम ने शहर को नई पहचान दिलाने और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से यूपी गेट एंट्री और शहर के प्रमुख चौराहों का सौंदर्यकरण किया जाएगा। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की अगुवाई में तैयार इस महत्वाकांक्षी योजना को अमल में लाने के लिए निर्माण विभाग को हरी झंडी दे दी गई है। योजना के तहत यूपी गेट से प्रवेश करने वाले आगंतुकों के स्वागत के लिए एक विशाल और भव्य गेट बनाया जाएगा, जो शहर की नई पहचान बनेगा। इसके अलावा तीगड़ी गोल चक्कर, हिंडन एलिवेटेड चौराहा सहित कई प्रमुख चौराहों पर आधुनिक डिजाइन, कलात्मक आकृतियां और आकर्षक सजावट देखने को मिलेगी। इन स्थानों को न केवल खूबसूरत स्वरूप दिया जाएगा, बल्कि वहां का माहौल भी ऐसा बनाया जाएगा कि लोग गाजियाबाद की पहचान के रूप में इन्हें याद रखें। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि नगर निगम अब सिर्फ स्वच्छता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सुंदरता को भी प्राथमिकता दे रहा है। गाजियाबाद को ग्रेटर गाजियाबाद के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले चरण में पांच से छह स्थानों का चयन किया गया है, जहां विशेषज्ञ आर्किटेक्ट्स की निगरानी में सौंदर्यकरण का कार्य होगा। चौराहों पर स्थापित की जाने वाली विशेष आकृतियां और संरचनाएं शहर के आकर्षण का केंद्र बनेंगी और गाजियाबाद को अलग पहचान देंगी। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि इस योजना से न केवल शहर की खूबसूरती में इजाफा होगा, बल्कि यहां आने वाले लोगों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद अब धीरे-धीरे आधुनिक स्वरूप की ओर बढ़ रहा है, और यह परियोजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी के अनुसार इन डिजाइनिंग का कार्य अंतिम चरण में है और जल्द ही मॉडल प्रस्तुत किए जाएंगे। चिह्नित चौराहों पर सौंदर्यकरण की कार्रवाई जल्द शुरू होगी, ताकि तय समयसीमा में कार्य पूर्ण कर गाजियाबाद को नया स्वरूप दिया जा सके।

गढ़ में बाढ़ पीड़ितों के लिए सरकारी संगठनों संग सामाजिक संस्थाएं भी बनीं सहारा

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गंगा खादर क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए जहां प्रशासन सक्रिय है, वहीं कई सामाजिक संगठन और किसान संगठनों ने भी राहत कार्यों में हाथ बढ़ाया है। करीब एक माह से गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण गढ़ गंगा खादर के एक दर्जन गांवों में चिंता का माहौल था। स्थिति जब गंभीर होकर बाढ़ में तब्दील हुई, तो प्रशासन ने मोर्चा संभालते हुए राहत व बचाव कार्य शुरू किया। जिलाधिकारी अभिषेक पांडे स्वयं टीम लेकर प्रभावित क्षेत्र पहुंचे और पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराई। उनके साथ एडीएम संदीप कुमार, एसडीएम, तहसीलदार समेत प्रशासनिक अमला लगातार दौरे कर ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने में जुटा है। क्षेत्रीय विधायक हरेन्द्र तेवतिया ने भी मौके पर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की और आवश्यक सहयोग दिया। किसान संगठनों में भाकियू टिकैत से जुड़े जीते चौहान, भाकियू संघर्ष अराजनैतिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरनजीत गुर्जर सहित कई सामाजिक व अराजनैतिक संगठन सक्रिय रूप से आगे आए हैं। गांवों में जब जलस्तर कुछ समय के लिए कम हुआ तो लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन जल्द ही पानी दोबारा गांवों व जंगलों में फैलने से लोग परेशान हो गए। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि धीरे-धीरे गंगा का जलस्तर घटने से उन्हें स्थायी राहत मिलेगी।

सरावनी शिव मंदिर को मिलेगा नया स्वरूप, शासन ने दी एक करोड़ की मंजूरी

हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़ ब्लाक के ग्राम सरावनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर अब भव्यता की नई मिसाल बनने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने मंदिर परिसर के सौंदर्यकरण के लिए एक करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। यह प्रस्ताव राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंजूरी प्रदान की। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि शिव मंदिर के सौंदर्यकरण की यह पहल न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगी बल्कि हापुड़ जनपद की धार्मिक धरोहर को नई पहचान भी दिलाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री और पर्यटन मंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार की यह सोच हमारी परंपरा और संस्कृति को संवारने का कार्य करेगी। गांव में इस निर्णय की खबर फैलते ही लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण अजय ने बताया कि वर्षों से मंदिर में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। अब जब शासन ने इतना बड़ा बजट स्वीकृत किया है तो श्रद्धालुओं को निश्चय ही बेहतर व्यवस्थाएं मिलेंगी। वहीं, ग्रामवासी सुनीता ने इसे गांव के लिए गर्व का विषय बताते हुए कहा कि शिव मंदिर हमारे आस्था का केंद्र है, और सरकार का यह कदम हमारी संस्कृति के प्रति सम्मान का परिचायक है। राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप स्वयं मंदिर स्थल पहुंचे और निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि सौंदर्यकरण के बाद यहां का वातावरण और अधिक आकर्षक व श्रद्धालुओं के अनुकूल बन सके। उनका कहना था कि इस परियोजना से हापुड़ की धार्मिक पहचान को एक नई मजबूती मिलेगी और आने वाले समय में यह स्थान दूर-दराज से आने वाले भक्तों का भी प्रमुख केंद्र बनेगा।

सूदखोरों की ज्यादती से टूटे युवक ने गंगा किनारे दी जिंदगी खत्म करने की कोशिश, पुलिस बनी संबल

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। कर्जदारों की धमकियों और लगातार हो रहे उत्पीड़न से त्रस्त एक युवक ने सोमवार को ब्रजघाट गंगातट पर आत्महत्या का प्रयास किया। मगर गंगा की लहरों के हवाले होने से पहले ही पुलिस की सूझबूझ और समझाइश ने उसकी जिंदगी बचा ली। जानकारी के अनुसार हापुड़ शहर का रहने वाला एक युवक पिछले कई दिनों से सूदखोरों की कठोर वसूली और दबाव झेल रहा था। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने हताश होकर अपनी जान देने का मन बना लिया और चुपचाप ब्रजघाट के गंगा तट पर जा बैठा। वह गुमसुम और निराशावादी अंदाज में बैठा था, तभी चौकी प्रभारी इंद्रकांत यादव अपने साथी पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंचे। युवक की स्थिति और चेहरे की मायूसी देख कर पुलिसकर्मियों ने उससे बातचीत शुरू की। धीरे-धीरे जब युवक ने अपना दर्द साझा किया तो उसने साफ कहा कि सूदखोरों की प्रताड़ना ने उसकी जिंदगी को नर्क बना दिया है। लगातार दबाव और धमकियों से वह इतना टूट गया कि मरने की सोचने पर मजबूर हो गया। पुलिस टीम ने धैर्यपूर्वक उसे समझाया, भरोसा दिलाया और हिम्मत बंधाई कि उसकी समस्या का समाधान होगा, जीवन छोड़ना कोई विकल्प नहीं है। इसके बाद पुलिस ने युवक के परिजनों और रिश्तेदारों को बुलवाकर उसे सुरक्षित उनके सुपुर्द कर दिया। युवक को सकुशल वापस पाकर परिजन भावुक हो उठे और पुलिस की मानवीय संवेदनशीलता की खुलकर सराहना की। यह घटना एक बार फिर यह संदेश छोड़ गई कि आर्थिक कठिनाइयां और कर्ज का बोझ भले ही कितना भी गहरा क्यों न हो, समाधान बातचीत और सहयोग से ही निकल सकता है, आत्महत्या कभी रास्ता नहीं।

जलभराव से बेहाल महिलाओं का विरोध : देव नंदिनी फ्लाईओवर पर चक्का जाम, सड़कें घंटों जाम में फंसीं

हापुड़ (शिखर समाचार) हापुड़ की सड़कें सोमवार दोपहर जलभराव के खिलाफ आक्रोशित महिलाओं की नाराजगी का गवाह बन गईं। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के देव नंदिनी फ्लाईओवर के पास, गढ़ रोड पर जलभराव से परेशान महिलाओं ने सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। इस कारण आसपास की सड़कों पर घंटों ट्रैफिक जाम का दृश्य देखने को मिला। मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी बड़ी मशक्कत के बाद ही महिलाओं को समझा पाए और जाम खुलवाया। स्थानीय लोगों के अनुसार गढ़ रोड और आसपास के मौहल्लों में सालों से बारिश के पानी का निकास नहीं होने के कारण जलभराव की समस्या बनी हुई है। नाला निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन उससे पहले बरसात के पानी से राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बच्चों और बुजुर्गों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। आसपास के घरों की नींव भी कमजोर होती जा रही है। ग्रामीणों और मौहल्लेवासियों का कहना है कि प्रशासन बार-बार आश्वासन देता रहा है, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। सोमवार को महिलाओं ने अब अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरना ही उचित समझा। उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जलभराव के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस और प्रशासन ने कई घंटों की कोशिशों के बाद जाम खुलवाया, लेकिन लोगों का आक्रोश अभी भी बरकरार है।

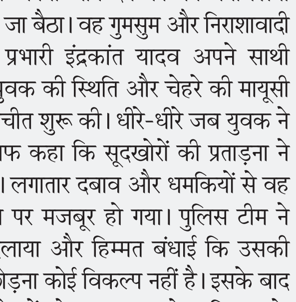

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की सख़्ती : अनाधिकृत कालोनियों में रजिस्ट्री पर लगेगा प्रतिबंध, नियम तोड़ने वाले बिल्डरों पर होगी कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने सोमवार को प्रवर्तन अनुभाग के अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। बैठक में अनाधिकृत कालोनियों, निजी बिल्डरों की ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं और अन्य विकास कार्यों पर कड़े निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान यह तय किया गया कि अनाधिकृत कालोनियों में अब रजिस्ट्री रोकने के लिए निबंधक को पत्र भेजकर सहयोग लिया जाएगा। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग, नगर निगम और अन्य संबंधित संस्थाओं को भी पत्र प्रेषित किए जाएंगे।

निजी बिल्डरों के प्रोजेक्ट्स की समीक्षा में पाया गया कि कई विकासकताओं ने निर्धारित संख्या के अनुसार ईडब्लूएस और एलआईजी भवनों का निर्माण नहीं किया है। ऐसे बिल्डरों पर शिकंजा कसने और सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पुलिस अभिरक्षा में सील की गई इमारतों पर भी कड़ी निगरानी रखने और पुलिस विभाग से समन्वय कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। प्राधिकरण में आईजीआरएस का दायित्व देख रहे ओएसडी को रोजाना कम से कम पाँच आईजीआरएस मामलों की गुणवत्ता जाँच करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन के हस्तांतरण से जुड़े एमओयू पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं रोडवेज बस अड्डे के आधुनिकीकरण पर काम कर रही निजी फर्म के साथ रेवेन्यू शेयरिंग का अध्ययन कर शासन को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि जब निजी फर्म बस अड्डे के साथ-साथ वाणिज्यिक भवन का निर्माण कर आर्थिक लाभ कमाएगी, तो विकास प्राधिकरण की वित्तीय हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज में जनरेटिव एआई पर केंद्रित छह दिवसीय अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)
तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान को नई दिशा देने के उद्देश्य से अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज (एकेजीईसी) में सोमवार 8 सितम्बर से छह दिवसीय अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आगाज हुआ। इस विशेष कार्यशाला का विषय जनरेटिव एआई फॉर होलिस्टिक हेल्थकेयरः स्मार्ट एनालिटिक्स फॉर ह्यूमन्स एंड क्रॉप्स रखा गया है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बदलती दुनिया और इसके चिकित्सा तथा कृषि क्षेत्र में नवोन्मेषी उपयोग से अवगत कराया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. (डॉ.) अमिता देव, सलाहकार, एकेजीईसी के निर्देशन में हुआ। उद्घाटन सत्र में देश-विदेश से जुड़े नामचीन विशेषज्ञों और विद्वानों ने अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. कुमार राजामनी ने कहा कि जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को न केवल अधिक सुलभ बनाएगा बल्कि कृषि क्षेत्र को भी नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने इसे मानव कल्याण की एक बड़ी संभावित शक्ति करार दिया। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. जसविंदर सिंह ने चिकित्सा विज्ञान और कृषि दोनों ही क्षेत्रों में जनरेटिव एआई की प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह तकनीक खेती से लेकर इलाज तक, हर स्तर पर दक्षता और गुणवत्ता को बढ़ाने में सक्षम है। वहीं कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अनु चौधरी ने सभी प्रतिभागियों और फैकल्टी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता पर जोर दिया और कहा कि ऐसे आयोजन ही भविष्य की शैक्षणिक और शोधपरक दिशा तय करते हैं।

निदेशक और महानिदेशक ने भी अपने संबोधन में इस प्रकार की अकादमिक गतिविधियों को निरंतर आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा एआईसीटीई प्रायोजित अटल अकादमी के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रो. इंदरजीत कौर, संयोजक अटल फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, ने प्रस्तुत किया।

उद्घाटन दिवस पर कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापकों, प्रोफेसर-इन-चार्ज और विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। प्रतिभागियों के लिए यह पहला सत्र न केवल बौद्धिक दृष्टि से समृद्ध रहा बल्कि भविष्य की तकनीकी संभावनाओं को नजदीक से समझने का भी एक अनूठा अवसर प्रदान कर गया।

लोनी को मिलेगी जाम, जलभराव और गड्ढ़ों से राहत, भूमाफियाओं पर चलेगा प्रशासन का डंडा जिलाधिकारी ने बनाई सख्त कार्ययोजना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)
लोनी क्षेत्र की बरसों पुरानी परेशानियों जाम, सड़कों पर जलभराव और जगह-जगह गड्ढ़ों से निजात दिलाने के लिए अब प्रशासन ने मोर्चा संभाल लिया है। सम्पूर्ण समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने तहसील लोनी में अधिकारियों संग बैठक कर यह साफ कर दिया कि अब इन समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा, बल्कि एक महीने के अंदर ठोस सुधार दिखाई देने चाहिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जाम की समस्या पर कहा कि आने वाले दो महीनों में दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे शुरू होने वाला है। इसके शुरू होते ही लोनी की बड़ी समस्या, यानी घंटों तक लगने वाला जाम, काफी हद तक समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा दिल्ली सहारनपुर रोड पर लंबे समय से चल रही जलभराव की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम, ईओ लोनी, एनएचआईए, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम की संयुक्त टीम गठित कर एक महीने में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए गए। गड्ढ़ामुक्त सड़क अभियान को भी तत्काल प्रभाव से गति देने के निर्देश मिले।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि लोनी को स्वच्छ और जाममुक्त बनाने में प्रशासन के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और आम जनता की भी बराबर जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस विभाग को यातायात व्यवस्था को मजबूत करने, पालिका को सफाई पर विशेष ध्यान देने और अधिकारियों को जनता को जागरूक करने के निर्देश दिए। उनका कहना था कि समस्या सिर्फ स्थानीय लोगों की नहीं, बल्कि हम सबकी है। इसे टालने के बजाय हल करने के लिए सबको मिलकर काम करना होगा। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने बदरपुर समेत बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण कर राहत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री और आवासीय सुविधा समय पर उपलब्ध कराई जाए। सबसे कड़ा रुख जिलाधिकारी ने भूमाफियाओं पर दिखाया। उन्होंने कहा कि यमुना किनारे डूब क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग करने वाले और गरीबों को गुमराह कर बसाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। एडीएम एफ/आर, एसडीएम लोनी, एसीपी, जीडीए और तहसीलदार की संयुक्त टीम गठित कर एक महीने तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान ऐसे भूमाफियाओं पर मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निरीक्षण और बैठक में जिलाधिकारी के साथ एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम लोनी दीपक सिंघनवाल, एसीपी लोनी, अधिशासी अभियंता के.के. मिश्रा और जिला सूचना अधिकारी वाई पी सिंह सहित तमाम विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

हापुड़ की शिक्षिका जयश्री बनीं चयनकर्ता, बैझेड़ा खुर्द की दो छात्राएँ भी राज्यस्तर पर पहुंचीं

हापुड़ (शिखर समाचार) खेल जगत में जनपद हापुड़ ने एक नई पहचान दर्ज कराई है। बरेली में नौ से 11 सितंबर तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में जनपद की व्यायाम शिक्षिका जयश्री को चयनकर्ता के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रतियोगिता के लिए धौलाना विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय बैझेड़ा खुर्द की कक्षा आठ की दो छात्राएँ शालू और वंशिका भी चयनित हुई हैं। शिक्षिका जयश्री को चयनकर्ता बनाए जाने से जिले के खेलप्रेमियों में हर्ष की लहर है। यह पहला अवसर है जब बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े किसी व्यायाम शिक्षक को स्कूल गेम्स फेडरेशन के मंच पर निर्णायक भूमिका निभाने का अवसर मिला है। जयश्री ने लगातार मेहनत और समर्पण के साथ न केवल अपने विद्यालय में बच्चों को प्रशिक्षण दिया बल्कि उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने में भी मार्गदर्शन किया। शालू और वंशिका की इस उपलब्धि से बैझेड़ा खुर्द का नाम रोशन हुआ है। ग्रामीण क्षेत्र के साधारण विद्यालय से निकलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहुँचने वाली इन छात्राओं ने यह साबित किया है कि प्रतिभा को केवल अवसर और दिशा की जरूरत होती है। विद्यालय का पूरा स्टाफ दोनों छात्राओं की सफलता से गदगद है और उन्हें आशीर्वाद व शुभकामनाएँ दे रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षिका जयश्री के साथ-साथ चयनित छात्राओं को भी बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि जनपद हापुड़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में जिले के और भी छात्र-छात्राएँ खेल जगत में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे।

गौतमबुद्धनगर में संपूर्ण समाधान दिवस : 160 फरियादें दर्ज, 8 शिकायतें मौके पर ही सुलझीं

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शासन की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है और इसी दिशा में सोमवार को गौतमबुद्धनगर जिले की तीनों तहसीलों जेवर, दादरी और सदर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। अलग-अलग स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 160 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 08 शिकायतों को अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से निस्तारित कर दिया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को कार्यवाही हेतु भेजा गया। जिलाधिकारी मेधा रूपम के निर्देश पर जेवर तहसील में समाधान दिवस की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने की। यहां ग्रामीणों और कस्बे के लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। कुल 72 शिकायतें पंजीकृत हुईं, जिनमें से 03 का निस्तारण अधिकारियों ने मौके पर ही कर दिया।

दादरी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का संचालन अपर जिलाधिकारी भू-अपराज्ञात बच्चू सिंह की देखरेख में हुआ। इस दौरान 85 शिकायतें सामने आईं। इनमें 05 मामलों का तुरंत हल निकाल दिया गया। शेष मामलों पर विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वहीं सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यहां 03 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनका समाधान करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने समाधान दिवस में उपस्थित जनता से कहा कि शासन की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। संपूर्ण समाधान दिवस इसी उद्देश्य से आयोजित किए जाते हैं, ताकि शिकायतकर्ता को सीधे मंच पर अपनी बात रखने और त्वरित राहत पाने का अवसर मिल सके।

शिक्षक दिवस समारोह में पल्लवी निम्मी को मिला विशेष सम्मान, शिक्षा जगत में खुशी की लहर

मुरादनगर (शिखर समाचार) शिक्षक दिवस जैसे प्रेरणादायी अवसर पर मेरठ के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में पल्लवी निम्मी को उनके उत्कृष्ट शिक्षण कार्य और नवाचारपूर्ण प्रयोगों के लिए सम्मानित किया गया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में हुए इस गरिमामयी आयोजन में उन्हें प्रमाणपत्र एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में नई दृष्टि और रचनात्मक कार्यशैली के लिए पहचान बना चुकीं पल्लवी निम्मी ने इस सम्मान को अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की नींव तभी मजबूत हो सकती है जब शिक्षक पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ नवीन पद्धतियों को अपनाते हुए शिक्षा प्रदान करें। उनके शब्दों में यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बच्चों की प्रगति और शिक्षा की नई दिशा को समर्पित है। सम्मान की इस घड़ी में पल्लवी निम्मी ने शिक्षा जगत में निरंतर नए प्रयोग करने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के संकल्प को और दृढ़ किया। समारोह के दौरान उपस्थित शिक्षाविदों और अधिकारियों ने भी उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिक्षक ही आने वाली पीढ़ियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। भाजपा नेता ब्रजेश्वर निम्मी की पुत्री पल्लवी निम्मी की इस उपलब्धि से परिवार, समाज और शिक्षा क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई है। लोग इस सम्मान को एक प्रेरणास्त्रोत मानते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं।

लखनऊः योगी ने दिव्यांग को इलेक्ट्रॉनिक स्टिक दी

बीमार महिला से बोले- इलाज के खर्च की चिंता सरकार करेगी, जवान की पीड़ा सुनी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ में जनता दर्शन में प्रदेशभर से आए पीड़ितों की फरियाद सुनीं। उन्हें त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। सुबह से शुरू हुए इस कार्यक्रम में 50 से अधिक लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री एक-एक कर सभी पीड़ितों के पास खुद गए। उनकी बात फरियाद सुनी और प्रार्थना पत्र लिया। गाजीपुर से आए दिव्यांग फरियादी उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक दी। बीमार महिला से कहा- 'अस्पताल से इलाज के खर्च का एस्टिमेट बनवाकर भेजवाएं। खर्च की चिंता सरकार करेगी।' फरियादों ने राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस, पारिवारिक विवाद और अवैध कब्जे जैसे विषयों की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर जनसेवक आमजन से व्यवहार ठीक रखे। किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। जनता दर्शन में गाजीपुर से दिव्यांग उधम यादव पहुंचे। उन्होंने पेंशन बढ़ाने, आयुष्मान कार्ड, हैंडपंप और आवास दिलाने को लेकर योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र दिया। योगी आदित्यनाथ ने सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अफसरों को निर्देश दिया। इस दौरान सीएम ने उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भी दी। स्टिक पाकर उधम यादव का चेहरा खिल गया। जनता दर्शन में सर्वाधिक मामले जमीन के विवाद से संबंधित आए। प्रयागराज से आए सीआरपीएफ के जवान ने भी जमीन से जुड़े मामले को लेकर सीएम को अपनी पीड़ा सुनाई। सीएम ने स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। शामली से भी एक महिला अपनी शिकायत लेकर आई। उसने बताया कि उनके पति असम में तैनात हैं। प्रयागराज में जमीन ली है, लेकिन कब्जा लेने में परेशानी आ रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका शिकायत पत्र लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में मंजू देवी त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि अपोलो में इलाज चल रहा है। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत है। सीएम ने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद मरीज को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। आप भी अस्पताल से एस्टिमेट बनवाकर भिजवाएं। आपके इलाज में खर्च की चिंता सरकार करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा-पुचकारा। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेर अपनत्व का एहसास कराया। कुछ बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली। सीएम योगी ने चॉकलेट-टॉफी दी। पढ़-लिखकर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य बनाने का आशीर्वाद दिया।

भारत में प्राचीन काल से है सर्वे भवन्तु, सर्वे सुखीनः की परिपाटीः दुर्गेश राय

-संस्कार के लिए संस्कार शाला अच्छा प्रयासः राजेश दूबे
-नौनिहालों के लिए संस्कार पाठशाला अच्छी पहलः गोबर्द्धन गोंड
-संस्कार पाठशाला के शिक्षकों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

संवाददाता

कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सर्वत्र शिक्षा समिति द्वारा चलाए जा रहे संस्कार पाठशाला के शिक्षकों को भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय और अतिथियों ने शैक्षणिक सामग्री वितरित किए। सोमवार को आयोजित कीट वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री राय ने कहा कि प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु, सर्वे सुखीनः की परिपाटी रही है और वसुधैव कुटुंबकम में ही पूरी मानवता समाहित है। इसी को ध्यान में रखकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश व प्रदेश को विकसित भारत बनाने का संकल्प ले विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। श्री राय ने गांव गांव पाठशाला अभियान की सराहना की। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा के प्रतिनिधि राजेश दूबे ने कहा कि बच्चों में संस्कार के लिए संस्कार शाला अच्छा प्रयास है। किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड ने कहा कि नौनिहालों के सुनहरे भविष्य के लिए अच्छी पहल है। बच्चों धर्म ग्रंथों, महा पुरुषों की जीवनी, गीतों, कहानियों से मध्यम से अच्छे संस्कार दें। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। आरपीसीओ गोरखपुर मंडल मनोज कुमार मद्धेशिया, डीपीसीओ गोरखपुर उदित वर्मा, डीपीसीओ महाराजगंज संजय सिंह, डीपीसीओ कुशीनगर रामकेवल शर्मा, डीपीसीओ देवरिया आशुतोष प्रजापति, ने अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण कर और बुके देकर किया। अध्यक्षता प्रेमचंद कुशवाहा और संचालन राम जी शर्मा ने किया। इस दौरान विक्रम भारती, तेज प्रताप शर्मा, संजय शर्मा, धीरज, सुरेश, डॉ राजकिशोर,सुनीता भारती, पूनम भारती सहित बीसी और संस्कार शिक्षक मौजूद थे।

गंगा बैराज तटबंध पर खतरा गहराया, मेरठ-पौड़ी हाईवे बस-ट्रक के लिए बंद, अलर्ट जारी

बिजनौर। गंगा बैराज का तटबंध टूटने की कगार पर है। रिसाव बढ़ने के चलते मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे को बस और ट्रक के लिए बंद कर दिया गया है।

फिलहाल कार और बाइक निकल रही हैं, लेकिन पुलिस ने साफ कर दिया है कि हालात बिगड़ते ही यह मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। तटबंध को बचाने के लिए रातभर मेहनत करने वाले मजदूर अब थक चुके हैं। पेड़ और कट्टे पास में पड़े हैं, लेकिन उन्हें टूटे हुए हिस्से तक पहुंचाने का रास्ता नहीं बचा है। जेसीबी और अन्य मशीनें भी खड़ी रह गई हैं। अब यह मान लिया गया है कि तटबंध का टूटना लगभग तय है।हालात की गंभीरता को देखते हुए आसपास के गांवों में चिंता बढ़ गई है।

तटबंध टूटने पर कई गांव सीधे जद में आ सकते हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से प्रभावित गांवों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की कोई ठोस रणनीति अभी तक सामने नहीं आई है।

बरेली में मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का विवादित बयान, कहाः धीरेंद्र शास्त्री हजरत-ए-आदम की औलाद

बरेली। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का कहना है कि भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है, जबकि धीरेंद्र शास्त्री कुछ अलग ही लह में बह रहे हैं। मौलाना ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री का कहना है कि भारत में नकली मुसलमान रहते हैं। विदेशों में असली मुसलमान हैं। नकली और असली की पहचान कैसे और किस तरह की, यह उन्हें बताना चाहिए। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे पहले इंसान हजरत-ए-आदम आए थे। दुनिया में चाहे किसी भी मजहब के मानने वाले लोग हों, वह हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। धीरेंद्र शास्त्री भी हजरत-ए-आदम की औलाद हैं। हजरत-ए-आदम मुसलमान थे। अब उनकी औलादों को क्या कहेंगे और धीरेंद्र शास्त्री को क्या कहा जाएगा? शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि यह फर्क करना है कि असली और नकली कौन है। जो नकली होता है, वही फर्क करता है। वह शोर मचाकर ढोल बजाकर फर्क करता है। असली लोग खामोश रहते हैं। धीरेंद्र शास्त्री कैसे तय करते हैं कि असली और नकली कौन है। भारत में जितने भी मुसलमान हैं, वह शरीयत और इस्लाम के वसूलों पर सख्ती से अमल करते हैं। विदेश के मुसलमान इतनी शरीयत की पाबंदी नहीं करते हैं। यह बात धीरेंद्र शात्री को चुभती है और उनके दिलो-दिमाग को खटकती है।

दिलावरा में भगवान परशुराम की मूर्ति का भव्य अनावरण, समाज में एकता और चेतना का संदेश

मेरठ (शिखर समाचार)। ग्राम पंचायत दिलावरा में रविवार को एक ऐतिहासिक अवसर आया जब हर्ष शर्मा उर्फ नानू पंडित के नेतृत्व में भगवान परशुराम जी की प्रतिष्ठित मूर्ति का अनावरण किया गया। इस धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम में विधायक उमेश शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन की विधि जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन विमल शर्मा ने संपन्न कराई, जबकि मंच संचालन का दायित्व विजय शर्मा ने बखूबी निभाया।

भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी ने कार्यक्रम में मुख्य भाषण देते हुए भगवान परशुराम के जीवन, उनके 56 पवित्र स्थलों और शस्त्र-शास्त्र में उनके अद्वितीय ज्ञान के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित लोगों को यह संदेश भी दिया कि समाज में उनके आदर्शों और कर्मों को अपनाकर हम सामाजिक चेतना और धार्मिक मूल्यों को मजबूत कर सकते हैं। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा, पूर्व राज्यमंत्री सुनील भराला, मनिंदर पाल सिंह, कपिल शर्मा, भूदेव शर्मा, कार्तिकेय शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हिस्सा लिया और समाज को जागरूक करने के महत्व पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की संख्या हजारों में थी और राजस्थान एवं हरियाणा से भी बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। आयोजन समिति के सदस्य सोनू शर्मा, गौरव शर्मा, काजू शर्मा, रवि बैसला, कृष्ण शर्मा, सौरभ शर्मा और नितिन मारकपूरिया ने सभी अतिथियों का पारंपरिक पटका पहनाकर स्वागत किया। इस पहल ने कार्यक्रम में एक उत्सवपूर्ण और सामूहिकता भरा माहौल बनाया।

मुख्य अतिथि विधायक उमेश शर्मा ने अपने संबोधन में ब्राह्मण समाज और अन्य समुदायों से आग्रह किया कि वे आपसी सहयोग, एकता और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ समाज के विकास में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम के आदर्श आज भी हमें धर्म, शस्त्र और संस्कार के प्रति जागरूक करते हैं। आयोजन का समापन सामाजिक भाईचारे और धार्मिक चेतना के संदेश के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने आयोजकों को बधाई दी और इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में चेतना, एकता और प्रेरणा का संचार करते हैं।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित सेवा पखवाड़ा में जनता से संपर्क करेंगे भाजपाई

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू होकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती तक भाजपा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जिले में सेवा पखवाड़ा आयोजित करेगी। सोमवार को रविन्द्र नगर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला कार्यशाला में जिला प्रभारी शकुंतला चौहान ने कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल है जो राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। भाजपा कार्यकताओं की पहचान जनसेवा और रचनात्मक कार्य से है। कहा कि सेवा पखवाड़ा के

दौरान भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर जनता से संवाद करेंगे और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व उपलब्धियों को बताएंगे। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय उपाध्यक्ष साकेत सिंह ने बताया कि 17 सितंबर को रक्तदान शिविर व स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित जीवनी की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रबुद्धजनों से संवाद, नमो मैराथन, 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल के चित्र पर पुष्पांजलि, वृक्षारोपण, उसके बाद दिव्यांगों को उपकरण वितरण, स्वच्छता अभियान, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, नमो पार्क व सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होगा। साथ ही लोकल फॉर वोकल अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए खादी और देशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। 2 अक्टूबर को विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने पार्टी नेताओं एवं पदाधिकारियों का दायित्व निर्धारित करते हुए सेवा पखवाड़े को सफल बनाने का आवाह्न किया। संचालन जिला महामंत्री व अभियान संयोजक सुदर्शन पाल ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ प्रेमचंद मिश्र, लल्लन मिश्र, जगदम्बा सिंह, नन्द किशोर मिश्र, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ बच्चा पाण्डेय नवीन,रामकोला विधायक विनय प्रकाश गोंड, फाजिलनगर विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, हाटा विधायक मोहन वर्मा, खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय, पूर्व विधायक दीपलाल भारती, किसान मोर्चा क्षेउपा हरिशंकर राय, ब्लाक प्रमुख अर्चना प्रदीप सिंह, धन्नजय तिवारी, सुधीर राव, नपं अध्यक्ष राजनेति कश्यप, जिला महामंत्री राणा प्रताप राव, जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार शुक्ल, मनोज जायसवाल, डॉ विनोद भारती, रमेश सिंह, सीता सिंह, जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, अतुल श्रीवास्तव, बाबू नन्दन सिंह, रामसागर कुशवाहा, सुरेन्द्र सिंह सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

स्कूल से लौट रहे छात्र के ऊपर से थार गुजरी

कुंज, घायल छात्र

लखनऊ। स्कूल से लौट रहे क्लास-2 के छात्र को तेज रफ्तार थार ने टक्कर मार दी। छात्र सड़क पर गिर गया। थार उसके ऊपर से गुजर गई। गनीमत रही कि छात्र थार के पहियों के नीचे नहीं आया, वर्ना बड़ा हादसा हो जाता। थार ड्राइवर मौके से गाड़ी सहित फरार हो गया। थार के नंबर के आधार पर पुलिस उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। घटना सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे हजरतगंज में साहू सिनेमा के सामने हुई। घटना में छात्र के पैर में चोट आई है। वह घटना से काफी डरा हुआ है। छात्र की पहचान क्लास-2 का छात्र कुंज के रूप में हुई। वह विष्णु नारायण इंटर कॉलेज में पढ़ता है वह स्कूल की छुट्टी होने के बाद पैदल ही घर जा रहा था। साहू सिनेमा के पास सड़क पार करने लगा। इस बीच तेज रफ्तार थार (UP 32 PW 6978) ने उसे टक्कर मार दी। वह सड़क पर गिर गया। थार उसके ऊपर से गुजर गई। थार का ग्राउंड क्लीयरेंस अधिक होने के कारण वह पहियों की चपेट में आने से बच गया। न ही थार में फंसा। आसपास के लोगों ने कुंज को सड़क से उठाया। वह डर के मारे थर-थर कांप रहा था। उसके पैर में चोट आई है। लोगों ने उसे जनपथ पुलिस चौकी पहुंचाया है। पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में आया है कि, थार ड्राइवर ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए छात्र पर गाड़ी चढ़ा दी। घटना के बाद बिना रुके फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। घटना के बाद थार ड्राइवर तेजी से हजरतगंज चौराहा होते हुए राजभवन की तरफ भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि थार में पीछे नंबर प्लेट नहीं लगी थी। आगे नंबर प्लेट लगी थी। राहगीरों ने उसका वीडियो बना लिया। उसे पुलिस को दिया है। पुलिस उसके आधार पर थार का विवरण खंगाल रही है। छात्र के पिता शैलेंद्र कुमार वाल्मीकि नगर निगम में सफाई कर्मी हैं।

घर में चल रही शादी की तैयारी, प्रेमी के साथ चली गई युवती, साथ में जेवरात के लिए रखे तीन लाख भी ले गई

अमरोहा। युवती प्रेमी के साथ घर से निकल गई। घर से जाते समय तीन लाख रुपये के जेवरात भी साथ ले गई। युवती के भाई की तहरीर पर प्रेमी व उसके तीन साथियों पर रिपोर्ट दर्ज हो गई है। पुलिस प्रेमी युगल की तलाश में जुट गई है। मामला शहर के एक मोहल्ले से जुड़ा है।यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने करीब दो महीने पूर्व अपनी छोटी बहन का रिश्ता बिरादरी के ही एक युवक के साथ तय किया था। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। परिजन शादी के लिए जेवरात व अन्य जरूरी सामान की खरीदारी कर रहे थे। युवती का प्रेम-प्रसंग पास के ही एक मोहल्ले में रहने वाले युवक से चल रहा था।परिजन युवती के प्रेम से पूरी तरह अंजान थे। घटना बीती एक सितंबर की रात करीब सवा दस बजे की है। परिजन शादी को लेकर अपने-अपने कामों में लगे हुए थे। इसी दौरान मौका पाकर युवती घर से चली गई। परिजनों ने युवती को मोहल्ले व रिश्तेदारियों में काफी तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। तलाशने के दौरान युवती के भाई को एक व्यक्ति ने बताया कि युवती को मोहल्ला छतरीबाग (कुरैशी) में रहने वाले आजिब के साथ जाते हुए देखा है। दोनों का काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। घर वापस लौटे परिजनों ने जब अलमारी की तलाशी ली तो उसमें रखे करीब तीन लाख रुपये की कीमत के जेवरात गायब थे। इससे उनके होश उड़ गए। शनिवार को इस मामले में नगर कोतवाली में तहरीर दी गई थी। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि मामले में आजिब, हसीब, राजा व शाने मिस्त्री के खिलाफ युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी करते हुए युवती को बरामद कर लिया जाएगा।

यूपीः प्रदेश में 28 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, लखनऊ में हुए बड़े स्तर पर बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 28 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है।राजीव सभरवाल को पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण एवं आधुनिकरण, लखनऊ नियुक्त किया गया है। ए. सतीश गणेश को अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। के. सत्यनारायण को अपर पुलिस महानिदेशक, नियम एवं प्रशासन लखनऊ नियुक्त किया गया है।इसके अलावा आलोक कुमार श्रीवास्तव को विशेष जांच प्रकोष्ठ, लखनऊ भेजा गया है जबकि विजय सिंह मीना को महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, लखनऊ का पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। चक्रपाणि त्रिपाठी को पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ नियुक्त किया गया है। रोहन पी. को अपर पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम, लखनऊ भेजा गया है। मनोज कुमार अवस्थी को पुलिस अधीक्षक, 12वीं बटालियन पीएसी, फतेहपुर नियुक्त किया गया है। शुभम पटेल को पुलिस अधीक्षक, पीएसी मुख्यालय, लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। मेघनाथ सिंह को सेनानायक, 5वीं बटालियन पीएसी, सहारनपुर भेजा गया है।

रामपुर में औषधि निरीक्षक ने मारा छापा, 17 लाख रुपये की अवैध दवाएं सीज

रामपुर। औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार ने पुलिस के साथ मिलकर मोरी गेट स्थित एक गोदाम में छापा मारा। छापे के दौरान 17.72 लाख रुपये मूल्य की अवैध दवाएं सीज की हैं। पुलिस ने दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया। तीसरा आरोपी पुलिस को देखकर भाग गया।तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। दवा का सैंपल जांच के लिए भेजा दिया है।

डीएम जोगिंदर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि मोरी गेट स्थित एक गोदाम में अवैध कफ सिरप रखे गए हैं। डीएम ने औषधि निरीक्षक को छापे मारने के निर्देश दिए। सोमवार सुबह औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दो लोगों को पकड़कर पूछताछ कि तो उसने गोदाम में रखी कन्डेक्टस टीआर 100 एमएल कफ सिरप की 11,893 बोतलें बरामद की। मुकेश कुमार ने बताया कि ये कफ सिरप एनडीपीएस एक्ट के तहत अवैध श्रेणी में आता है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 17.72 लाख रुपये है। पुलिस ने अब्दुल कादिर निवासी करीमपुर गरबी और एहसान नूरी निवासी परसुपुरा, टांडा को गिरफ्तार किया है। तीसरा अभियुक्त अनीश निवासी नूरी गेट भाग गया। इसके बाद औषधि निरीक्षक ने कोतवाली में तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। औषधि निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि पकड़ी गई दवाओं का एक नमूना जांच के लिए लिया गया है। जांच रिपोर्ट मिलने और विवेचना पूरी होने के बाद सक्षम न्यायालय में मामला दाखिल किया जाएगा।

गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन, विकास के नए आयामों की उठी चर्चा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित और प्रगतिशील राज्य के रूप में स्थापित करने के विजन को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से आज गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश @2047 संवाद कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल और विजन डॉक्यूमेंट 2047 की दिशा निर्देशों के अनुरूप आयोजित किया गया, ताकि राज्य की विकास यात्रा में जनभागीदारी और सुझावों को सीधे शामिल किया जा सके।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें जिलाधिकारी मेधा रूपम, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी और सेवानिवत्त आईएएस, आईएफएस, कृषि निदेशक एवं विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद जिलाधिकारी मेधा रूपम ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और इस संवाद का महत्व बताते हुए कहा कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 का उद्देश्य राज्य के हर नागरिक को विकास यात्रा का सक्रिय सहभागी बनाना और उनकी भागीदारी से उत्तर प्रदेश को 2047 तक शीर्ष विकसित राज्यों की श्रेणी में लाना है। छात्र, शिक्षक, व्यापारी, उद्यमी, कृषक और श्रमिक यही राज्य की असली ताकत हैं। संवाद के दौरान उपस्थित नागरिकों, संगठनों और लक्षित समूहों

ने अपने विचार और सुझाव साझा किए। जिलाधिकारी ने बताया कि लोग अपने बहुमूल्य सुझाव क्यूआर कोड के माध्यम से सीधे सरकार तक पहुँचाकर प्रदेश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से यमुना नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए आगे आने वाले उद्यमियों और व्यापारियों की सराहना की।

कार्यक्रम में वरिष्ठ सेवानिवत्त अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी उपलब्धियों और योजनाओं का ब्यौरा साझा किया तथा प्रतिभागियों के सवालों का स्पष्ट और सहज उत्तर दिया। इसके अलावा, आम नागरिकों से सुझाव लिए गए कि किस प्रकार उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्यों की अग्रणी सूची में लाया जा सकता है।

समापन अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी विशिष्ट अतिथियों को मोमेंटो और ओडीओपी उत्पाद भेंट स्वरूप प्रदान किए। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों, छात्रों, शिक्षकों, उद्यमियों, स्वयंसेवी संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। इस संवाद कार्यक्रम ने न केवल जनभागीदारी के नए आयाम स्थापित किए, बल्कि विकास और योजनाओं के संबंध में आम नागरिकों की सोच और सरकार की प्रतिबद्धता को भी एक साथ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। यह आयोजन स्पष्ट संदेश देता है कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में जनता की सक्रिय भागीदारी और सरकार की योजनाओं का समन्वय ही वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस कार्यक्रम ने यह भी स्थापित किया कि शासन और जनमानस का मिलन ही प्रदेश के भविष्य के निर्माण की असली नींव है।

लालकिले में जैन धार्मिक समारोह से करोड़ों के कलश चोरी, एक आरोपी गिरफ्तार, दो संदिग्ध हिरासत में

हापुड़/दिल्ली (शिखर समाचार) देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लालकिले में आयोजित जैन धर्म के भव्य समारोह में चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। 3 सितंबर को हुए इस कार्यक्रम के दौरान सोने और हीरे से जड़े तीन कलशों में से एक चोरी हो गया। इस मामले में बीती रात दिल्ली पुलिस ने हापुड़ देहात थाना क्षेत्र की वैशाली कॉलोनी से भूषण वर्मा को गिरफ्तार किया है। सोमवार को भी पुलिस दो अन्य संदिग्धों को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि यह चोरी केवल एक कलश तक सीमित नहीं थी, बल्कि कुल तीन कलशों की वारदात हुई थी। एक कलश बरामद होने के बाद शेष दो की तलाश जारी है। पुलिस ने लालकिले परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण कर संदिग्ध की पहचान की। फुटेज में देखा गया कि एक व्यक्ति धोती और चुन्नी पहनकर कलश को झोले में छिपाकर ले जा रहा था। इसी आधार

पर हापुड़ पुलिस और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

सूत्रों के अनुसार भूषण वर्मा जैन समुदाय से संबंधित नहीं है, लेकिन उसने धोती-कुर्ता और जैन धार्मिक परिधान पहनकर समारोह में भीड़ में घुलने-मिलने की रणनीति अपनाई थी, ताकि कोई शक न कर सके। चोरी 3 सितंबर को लाल किले परिसर के 15 अगस्त पार्क में आयोजित जैन धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुई। समारोह में लोकसभा अध्यक्ष सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। आरोपी कई दिनों तक धोती-कुर्ता पहनकर आयोजन

स्थल के आसपास मंडराता रहा और स्वागत समारोह में अफरा-तफरी का फायदा उठाकर कलश बैग में डालकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के घर पर दबिश दी, लेकिन घर पर उसकी पत्नी और पुत्र नहीं थे, केवल दो पुत्रियां घर पर थीं, जिनकी हालत बुरी थी। थाना हापुड़ देहात प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि आरोपी को दिल्ली पुलिस अपने साथ ले गई है और पूछताछ जारी है। पुलिस क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा ने बताया कि चोरी के संबंध में जांच अभी चल रही है और शेष दो कलश बरामद करने के लिए व्यापक छापेमारी जारी है।

मोदीनगर को मिला डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय का गौरव, उच्च शिक्षा में नई संभावनाओं का हुआ आगाज

हापुड़/मोदीनगर (शिखर समाचार) गाजियाबाद जनपद के मोदीनगर क्षेत्र में उच्च शिक्षा का परिदृश्य एक नया मोड़ ले चुका है। लंबे इंतजार के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने डॉ. के.एन. मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रस्ट को विश्वविद्यालय संचालन की औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस स्वीकृति के साथ ही डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय की स्थापना हो गई है, जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का नया केन्द्र मिलने जा रहा है।

गत 23 जुलाई 2025 को लखनऊ में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर (डॉ.) डी.के. मोदी को संचालन प्राधिकरण पत्र सौंपा। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) पी.एन. हृषीकेश सहित ट्रस्ट के न्यासी संजय गुप्ता, अतुल सिंह, कैप्टन राजीव सक्सेना, यू.एन. मिश्रा, मेघराज शर्मा और विभिन्न संस्थानों के निदेशक एवं

वरिष्ठ प्राध्यापक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पूरे परिसर में हर्ष और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) डी.के. मोदी ने इस अवसर को विश्वविद्यालय के सुनहरे भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक पड़ाव करार दिया। उन्होंने कहा कि 2025-26 शैक्षणिक सत्र से फामेर्सी, इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में अध्ययन कार्यक्रम आरंभ किए जाएंगे। उनका मानना है कि विश्वविद्यालय न केवल विद्यार्थियों को नवीनतम शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराएगा बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बनाएगा। कुलपति प्रो. (डॉ.) पी.एन. हृषीकेश ने विश्वविद्यालय की रूपरेखा और भावी योजनाओं को साझा करते हुए कहा कि संस्थान को विश्व पटल पर पहचान दिलाना उनका संकल्प है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्वविद्यालय ने आईबीएम जैसी अग्रणी कंपनी के साथ उद्योग-शिक्षा सहयोग स्थापित किया है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक और उद्योगोन्मुख कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। स्थानीय शिक्षा जगत से लेकर उद्योग जगत तक इस पहल को अत्यंत सराहनीय कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉ. के.एन. मोदी विश्वविद्यालय की स्थापना से न केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता और रोजगारपरकता को नया आयाम मिलेगा।

ग्रेटर नोएडा का बेटा बना बॉलीवुड का नया सितारा, संजय दत्त के साथ फिल्म बागी 4 में मिला बड़ा मौका

नोएडा (शिखर समाचार) गौतमबुद्ध नगर जिले के गाँव खैरपुर गुर्जर के निवासी युवा अभिनेता अभिषेक गुर्जर, जो कि सुभाष खारी के बेटे हैं, ने अपने अभिनय से गाँव और जिले का नाम रोशन कर दिया है। 5 सितम्बर को रिलीज हुई फिल्म ह्यबागी 4 में अभिषेक गुर्जर को दर्शकों ने पहली बार बड़े पर्दे पर देखा। इस फिल्म में उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर किया है। फिल्म में वह उनके लेफ्ट हैंड (सहयोगी) के किरदार में नजर आए। अभिषेक गुर्जर ने बातचीत के दौरान बताया कि बड़े पर्दे पर यह उनका पहला बड़ा ब्रेक है। इससे पहले वह कई मशहूर वेब सीरीज, टीवी विज्ञापनों और धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। इनमें MX Player पर रिलीज हुई मोहरे (10 जून की रात), बालाजी टेलीफिल्म्स के प्रोजेक्ट और लोकप्रिय टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस किरदार के लिए कई बड़े और अनुभवी अभिनेताओं ने भी ऑडिशन दिया था, लेकिन किस्मत और मेहनत के बल पर उन्हें यह महत्वपूर्ण रोल हासिल हुआ। अभिषेक ने यह भी बताया कि वह लगभग तीन साल पहले मुंबई अपने सपनों को पूरा करने के लिए आए थे, ताकि परिवार, गाँव और समाज का नाम रोशन कर सकें। फिल्म बागी 4 में संजय दत्त के साथ उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी सराहा है। अभिषेक ने बताया कि आने वाले समय में उनके पास कुछ बड़े और अच्छे प्रोजेक्ट हैं, जिन पर वह काम कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में वह मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने में सफल होंगे। गाँव और क्षेत्र के लोगों में भी उनके इस मुकाम को लेकर खुशी और गर्व की लहर है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह का लोनी आगमन पर भव्य स्वागत

लोनी (शिखर समाचार) भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह का लोनी पहुंचने पर कार्यकताओं ने ऐतिहासिक स्वागत किया। जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा पं. ललित शर्मा ने गढ़ी कटैया अंडरपास पर परंपरागत ढंग से उनका अभिनंदन किया। पगड़ी पहनाकर और तलवार भेंट कर स्वागत करते ही पूरा माहौल उत्साह और जोश से गूंज उठा।

पुष्पवर्षा से गूंजा वातावरण

कार्यकताओं और पार्षदों ने पुष्पवर्षा कर पंकज सिंह का अभिनंदन किया। इस अवसर पर पं. ललित शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं पार्षद कुलवीर चौहान द्वारा की गई हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी कार्यकर्ता स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि हमें लाखों युवाओं के प्रेरणास्त्रोत और संगठन के शिल्पी पंकज सिंह का स्वागत एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

नेताओं और कार्यकताओं की रही बड़ी मौजूदगी

स्वागत कार्यक्रम में पार्षद कुलवीर चौहान, पार्षद जयवीर बंसल, पार्षद रोहित चौहान, पार्षद टीटू ठाकुर, मंडल अध्यक्ष मनीष चौहान, भाजपा नेता विजय बहादुर सहित भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंकज सिंह ने जताया आभार

उत्साहपूर्ण स्वागत से अभिभूत पंकज सिंह ने लोनी की जनता और कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि कार्यकताओं का यह समर्पण और ऊर्जा भाजपा संगठन की असली ताकत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी कार्यकताओं और जनता की अपेक्षाओं पर वे पूरी तरह खरे उतरेंगे।

संगीत, सेवा, संस्कार और संकल्प का अनूठा संगम 'बागबान'

दिल्ली (शिखर समाचार) वरिष्ठ नागरिकों को समर्पित बी.एस. फाउंडेशन (डिवोशनल, म्यूज़िकल एवं सोशल सोसाइटी) द्वारा एक भव्य कार्यक्रम 'बागबान' का आयोजन किया गया। यह शाम पूर्ण रूप से समाज के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान और समर्पण अर्पित करने के लिए समर्पित रही।इस आयोजन की सूत्रधार एवं बी.एस. फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. बबीता शर्मा रहीं, जोकि एक जानी-मानी प्रोफेशनल सिंगर, समाजसेवी और समर्पित संगीतकार हैं, उन्होंने अपने जीवन को संगीत साधना और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित कर रखा है। डॉ. बबीता का विश्वास है कि संगीत आत्मा को शांति देता है और समाज में संस्कार एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। कार्यक्रम का संचालन करूनेश शर्मा ने किया, उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण शब्दों ने पूरे वातावरण को और भी सुहावना बना दिया, जिससे कार्यक्रम का हर क्षण एक विशेष अनुभव बन गया।

डॉ. बबीता शर्मा द्वारा स्थापित बी.एस. फाउंडेशन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने दिल्ली-नोएडा की अनेक महिलाओं को संगीत शिक्षा देकर उन्हें न केवल मंच प्रदान किया, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का मार्ग भी दिखाया। आज उनकी शिष्याएं बड़े मंचों पर अपनी प्रस्तुतियों से पहचान बना रही हैं, उनकी सामाजिक सेवाओं का दायरा बहुत व्यापक है गौशालाओं में गायों की सेवा करना, सर्दियों में उन्हें गरम कपड़े ओढ़ाना, गरीब और पिछड़े वर्ग के लिए मीटिंग्स आयोजित कर स्वास्थ्य, नशामुक्ति, बालिका शिक्षा और पारिवारिक मूल्यों पर जागरूकता फैलाना, तथा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का भार उठाना। डॉ. बबीता शर्मा ने इस अवसर पर संकल्प लिया कि वे अपने प्रयासों से बी.एस. फाउंडेशन को और ऊँचाइयों पर ले जाते हुए, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और वंचित वर्गों के लिए नई योजनाओं और अवसरों का सृजन करती रहेंगी। कार्यक्रम के दौरान बी.एस. फाउंडेशन ने समाजसेवा की मिसाल प्रस्तुत करते हुए दो महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान कीं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें, वहीं एक दिव्यांग नागरिक को व्हीलचेयर भेंट की गई।इस अवसर पर अतिथि के रूप में विमला बाथम (पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग), संजय बाली सांसद प्रतिनिधि, वी. के सूद उपस्थित रहे। साथ ही, टी.एन. गोविल, फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, मान सिंह चौहान अध्यक्ष शनि मंदिर समिति, ओम विश्रांति की संस्थापक ज्योति सक्सेना, त्रिलोक शर्मा, अशोक श्रीवास्तव रेखा शर्मा, पुष्कर शर्मा सहित नोएडा-दिल्ली की अनेक विशिष्ट हस्तियां और समाजसेवी भी इस आयोजन के साक्षी बने।

ड्यूटी से लौट रही महिला पर गांव में हमला, गंभीर रूप से घायल, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शाहपुर खुर्द गांव में ड्यूटी से घर लौट रही महिला के साथ सोमवार शाम हिंसक घटना घटित हुई, जिसमें आरोपी उसकी पिटाई कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पीड़िता को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार के अनुसार घटना 5 सितंबर की शाम हुई। पीड़िता जो सीमा परिवार के साथ रहती हैं, अपने ड्यूटी कार्य से लौटकर घर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान गांव के ही चंद्रपाल और गजे सिंह ने उन पर गाली-गलौच करना शुरू कर दिया। जब महिला ने विरोध किया, तो आरोपी और वहां पहले से मौजूद पूजा ने मिलकर महिला को जबरन घर के पास गली में ले जाकर बेरहमी से पिटाई की। लात-घूसों और मारपीट के कारण महिला जमीन पर गिरकर बेहोश हो गई। घटना के तुरंत बाद आरोपी फरार हो गए। पीड़िता होश में आने पर तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचित किया। आसपास के लोगों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई गई। तीन दिन के उपचार के बाद पीड़िता ने चंद्रपाल, गजे सिंह और पूजा के खिलाफ कोतवाली दादरी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि आरोपियों को जल्द पकड़ने के लिए टीम लगाई गई है और किसी भी सूरत में उन्हें बचने नहीं दिया जाएगा। शाहपुर खुर्द गांव में इस घटना ने समुदाय में हड़कंप मचा दिया है। स्थानीय लोग और पड़ोसी पीड़िता के उपचार के दौरान पुलिस की मदद में जुटे रहे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्धों से पूछताछ करने का काम शुरू कर दिया है। घटना ने एक बार फिर गांव में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि वह किसी भी प्रकार की ढील नहीं दिखाएगी और अपराधियों को कानून के सामने लाकर न्याय दिलाया जाएगा।

सब रजिस्ट्रार कार्यालय शिफ्टिंग के विरोध में अधिवक्ताओं ने तहसील में किया जमकर प्रदर्शन, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहे सभी चैंबर

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) तहसील दादरी के उपकोषागार में कार्यरत द्वितीय सब रजिस्ट्रार कार्यालय को किसान चौक पर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव के विरोध में तहसील अधिवक्ता समुदाय सड़कों पर उतर आया। सोमवार को बार एसोसिएशन के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चल रहे सभी चैंबर बंद कर दिए। अधिवक्ताओं ने नगर में नारेबाजी करते हुए जोरदार जुलूस निकाला और प्रशासन से स्पष्ट किया कि कार्यालय यथा स्थान पर ही रहना चाहिए। उनका कहना था कि अगर ग्रेटर नोएडा वेस्ट में सब रजिस्ट्रार कार्यालय को स्थानांतरित किया गया तो यह अधिवक्ताओं के साथ धोखा होगा, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोमवार को तहसील परिसर स्थित बार एसोसिएशन कार्यालय पर तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष महिपाल भाटी के नेतृत्व में अधिवक्ताओं की बैठक हुई। सभी उपस्थित अधिवक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि नया उपनिबंधक कार्यालय खोलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और द्वितीय कार्यालय यथास्थान ही स्थायी रूप से रहना चाहिए। अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर से जीटी रोड होते हुए मुख्य तिराहा तक जुलूस निकालते हुए नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक नीतियों के खिलाफ अपनी नाराजगी भी जताई और कहा कि यह कदम स्थानीय वकीलों और जनता के हितों के खिलाफ है। हड़ताल के चलते तहसील में रजिस्ट्री और अन्य न्यायालयों का कामकाज भी प्रभावित रहा। अधिवक्ताओं की इस कार्रवाई में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महिपाल सिंह भाटी, विकेंद्र भाटी, राजपाल नागर, बृजपाल भाटी, सतवीर सिंह, मणिंद्र मोहन शर्मा, विक्रांत शर्मा, सुनील गौतम, एहसान अली, मनोज भाटी, राजकुमार आर्य समेत कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे। अधिवक्ताओं का यह साफ संदेश था कि कार्यालय को वर्तमान स्थान से हटाना प्रशासन की नीतियों के खिलाफ है और इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि किसी भी प्रकार का नया कार्यालय खोलने का प्रस्ताव वापस लिया जाए और द्वितीय सब रजिस्ट्रार कार्यालय यथास्थान ही बरकरार रखा जाए।

भंगेल एलिवेटेड रोड के नीचे के काम को अबतक नहीं मिली नोएडा की स्वीकृति

नोएडा (शिखर समाचार) शहर को जल्द ही भंगेल एलिवेटेड रोड के रुप में एक नया रोड मिल जायेगा लेकिन उसके नीचे सालों से परेशान चल रहे ग्रामीण माकेटों जैसे बरोला , भंगेल , सलारपुर आदि को अभी और इंतजार करना पड़ेगा ,यह काम 2026 तक खिंचना तय है , नोएडा प्राधिकरण के दावों के उलट और इस तरह की खबरों के विपरीत जो कह रही थी की नीचे का कार्य शुरू हो गया है एक आरटीआई में कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आये हैं , शहर के समाजसेवी एवं नॉएडा विलेज रेसिडेंट्स एसोसिएशन

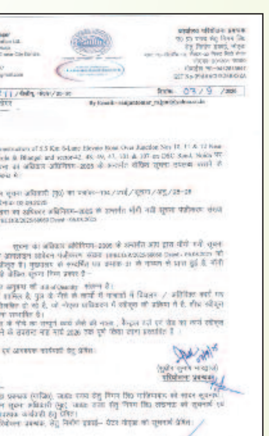

के अध्यक्ष डॉक्टर रंजन तोमर ने उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम में एक आरटीआई लगाकर कुछ सवाल पूछे थे।नॉएडा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के बीच करार में यह शर्त शामिल है के एलिवेटेड रोड के नीचे का कार्य सेतु निगम करके देगा , लेकिन बकौल निगम 'पुल के नीचे के कार्यों में मात्राओं का विचलन / अतिरिक्त कार्य मद परिलिक्षित हो रहे हैं , जो नॉएडा प्राधिकरण में स्वीकृत की प्रक्रिया में हैं , शीघ्र स्वीकृत होना संभावित है 'अर्थात अभी तक स्वीकृत नहीं हुए हैं।

मार्च 2026 तक पूर्ण होने की उम्मीद जतायी

निगम ने अपने जवाब में कहा है कि 'पुल के नीचे का सम्पूर्ण कार्य जैसे की नाला , सेंट्रल वर्ज एवं रोड का कार्य स्वीकृत होने के उपरांत माह मार्च 2026 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है।

सालों से परिस्तिथि ठीक होने की बात जोह रहे ग्रामीण माकेटों को इस खबर से झटका जरूर लगेगा , और अब नॉएडा प्राधिकरण को चाहिए की वह जल्द से जल्द इस स्वीकृति को देकर काम शुरू करवाने में लग जाए ,नोवरा द्वारा लगातार इस मुद्दे पर जोर दिया गया है , ऐसी उम्मीद अब भी काम ही नजर आ रही है की दी गई डेडलाइन तक भी नीचे का काम पूरा होगा।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

भारत में बेरोजगारी : आधुनिक युग की सबसे बड़ी चुनौती

भारत आज तेजी से आर्थिक और तकनीकी प्रगति कर रहा है, लेकिन इसके साथ ही बेरोजगारी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। 8 सितंबर 2025 के परिप्रेक्ष्य में यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसने सिर्फ. अर्थव्यवस्था को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरी छाप छोड़ी है। सरकारी आँकड़े अक्सर स्थिति को बेहतर दिखाते हैं, लेकिन स्वतंत्र संस्थानों के आंकड़े इस असमानता और गंभीरता को उजागर करते हैं। एक ओर जहाँ सरकारी रिपोर्ट के अनुसार बेरोजगारी दर लगभग 5.6 प्रतिशत है, वहीं स्वतंत्र सर्वेक्षण इसे 7 प्रतिशत तक बताते हैं। यह आंकड़ा विशेष रूप से युवाओं के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि भारत की युवा आबादी अधिकतर इसी वर्ग में आती है और उन्हें रोजगार के लिए उचित अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। युवाओं की बेरोजगारी केवल आर्थिक समस्या नहीं है, यह सामाजिक असमानता, मानसिक तनाव और अपराध की बढ़ती घटनाओं से भी जुड़ी हुई है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में बेरोजगारी दर ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 13.8 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 18.8 प्रतिशत पहुँच चुकी है। यह दशार्ता है कि शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद युवा रोजगार की उपलब्धता में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा भी रोजगार पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जिससे उनकी आशाओं और सपनों पर भारी असर पड़ रहा है। सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, जिनमें प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) और रोजगार-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (ELI) शामिल हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य लाखों नौकरियों का सृजन करना और युवा वर्ग को रोजगार उपलब्ध कराना है। तथापि, इन योजनाओं का वास्तविक प्रभाव तब तक सीमित रहेगा जब तक कि रोजगार सृजन की गति और गुणवत्ता में सुधार नहीं होता। केवल योजनाओं की घोषणा करना पर्याप्त नहीं है; उनका क्रियान्वयन और वास्तविक प्रभाव ही असली मापदंड होंगे।

औपचारिक क्षेत्र में नौकरियों का सृजन भी पर्याप्त नहीं हो रहा है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में केवल 12.9 मिलियन नई नौकरियाँ सृजित हुईं, जो पिछले वर्षों की तुलना में कम है। यह संकेत देता है कि औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हैं और तेजी से बढ़ती युवा आबादी के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर ठोस कदम उठाएँ ताकि रोजगार सृजन की गति बढ़ सके। बेरोजगारी केवल नौकरी न मिलने की समस्या नहीं है। यह आर्थिक असमानता, सामाजिक तनाव और देश की समग्र विकास प्रक्रिया पर भी असर डालती है। बेरोजगार युवा मानसिक दबाव और सामाजिक असुरक्षा का शिकार होते हैं, जिससे अपराध दर में वृद्धि, नशाखोरी और सामाजिक अस्थिरता जैसी समस्याएँ बढ़ सकती हैं। यही कारण है कि बेरोजगारी को सिर्फ.एक आर्थिक मुद्दा मानना पर्याप्त नहीं है, इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता का मुद्दा भी माना जाना चाहिए।

इस चुनौती का सामना करने के लिए शिक्षा प्रणाली और कौशल विकास कार्यक्रमों का रोजगार की मांग के अनुरूप होना आवश्यक है। युवा वर्ग को उन कौशलों में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए जिनकी वास्तव में बाजार में मांग है। इसके साथ ही उद्यमिता को प्रोत्साहित करना भी जरूरी है। यदि युवा अपनी सोच और प्रयास से स्वरोजगार के अवसर सृजित करें, तो बेरोजगारी की समस्या में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। इसके लिए सरकारी योजनाओं के साथ-साथ निजी क्षेत्र में निवेश और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करना होगा। बेरोजगारी केवल आज का मुद्दा नहीं है; यह भविष्य की पीढ़ियों के अवसरों को भी प्रभावित करता है। यदि आज सही कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में देश का युवा वर्ग निराशा और असंतोष का शिकार होगा। यह समय की मांग है कि सरकार, समाज और निजी क्षेत्र मिलकर इस चुनौती का सामना करें और युवा वर्ग को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दें।

~ मौलिक चिंतन ~

रिश्तों का चरित्र भी बड़ा विचित्र है, कभी संजीवनी बूटी की तरह पेश आते हैं और कभी 'अभिमन्यु' को घेर कर मार देते हैं!

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

पंजाब जल प्रलय : दुनिया के मददगारों को आज मदद की दरकार

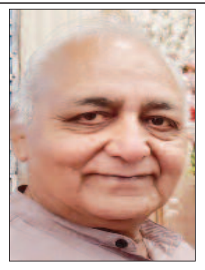

तनवीर जाफ़री

भारत का अन्न भंडार कहा जाने वाला देश की खाद्य आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य पंजाब इन दिनों जल प्रलय जैसे अति गंभीर संकट से जूझ रहा है। कुछ स्रोतों के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य भंडार में पंजाब लगभग 45% अनाज का योगदान करता है। इसमें देश के गेहूं उत्पादन में लगभग 22% और चावल उत्पादन में लगभग 12% का योगदान शामिल है। इसीलिए पंजाब देश की खाद्य आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके अलावा इसी पंजाब का किसान भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जरूरतमंदों की हर तरह की मदद करने के लिये पहली पंक्ति में खड़ा नजर आता है। चाहे वह युद्ध की विभीषिका से जूझने वाले लोग हों या भूकंप,सुनामी अथवा बाढ़ से प्रभावित लोग,शरणार्थियों की मदद करनी हो या कोरोना जैसे विश्वस्तरीय संकटकाल में लोगों को मुफ़्त भोजन व अन्य सुविधायें उपलब्ध कराना हो, पंजाब की यह कौम हमेशा सबसे आगे खड़ी नजर आई है। न यह धर्म देखते हैं न देश, न सीमा न जाति या भाषा। इन्हें प्रत्येक मानव की पीड़ा अपनी पीड़ा महसूस होती है और यह कौम तन मन धन से एकजुट होकर मदद करने को खड़ी हो जाती है। आज पूरे देश में न जाने कितने गुरुद्वारे दिन रत जरूरतमंदों को लंगर उपलब्ध कराते हैं। देश बार में स्वास्थ्य सम्बन्धी दर्जनों प्रयोगशालाएं व अस्पताल इनके सौजन्य से संचालित हो रहे हैं।

दुर्भाग्यवश आज हमारे देश का यही पंजाब प्राकृतिक प्रकोप से जूझ रहा है। इन दिनों जम्मू कश्मीर,हिमाचल प्रदेश व उत्तरांचल सहित केवल पंजाब में आई भीषण बाढ़ से राज्य के सभी 23 जिले प्रभावित हैं। राज्य में अब तक दर्जनों लोगों की मौत या उनके लापता होने के समाचार हैं। इस जल प्रलय से पंजाब के लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। करीब 2000 गांव जलमग्न हो गए हैं। अनुमान के अनुसार बाढ़ ने लगभग 18 लाख हेक्टेयर खेतों की फसलें बर्बाद कर दी हैं। बासमती फसल को तो भारी नुक़्सान हुआ है। अभी तक 600 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। सरकारी व अनेक गैर सरकारी स्वयंसेवी संगठनों द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रह है। हजारों बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगहों पर या राहत शिविरों में पहुँचाया जा चुका है।

इसी दौरान शौर्य समर्पण व बलिदान की इस धरती से बड़े ही ह्रदय विदारक दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हजारों गायें भैंसें तेज बहाव में बहकर लापता हो गई हैं। पूरी पूरी डेयरियां जल प्रलय का शिकार हो गयी हैं। लोगों के खेतों में वर्तमान फसल तो बर्बाद हुई ही है परन्तु ऐसी संभावना भी है कि खेतों में रेत की मोटी परत बैठ जाने के चलते अनिश्चितकाल के लिये इन खेतों की अपनी उर्वरक क्षमता भी समाप्त हो जाएगी। गोया इस जल प्रलय के चलते आने वाले वर्षों में देश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होने की संभावना है।

बहरहाल आज पीड़ा की इस घड़ी में पंजाब के किसानों के साथ पूरा देश खड़ा दिखाई दे रहा है। अक्षय कुमार,दिलजीत दोसांझ,रणदीप हुड्डा,सोनू सूद,प्रीटी जिंटा,करीना कपूर,विक्की कौशल,एमी विर्क,राज कुंद्रा,गुरु रंधावा,गिप्पी ग्रेवाल,करण औजला,सुनंदा शर्मा,शाहरुख खान , आलिया भट्ट, करण जौहर,हरभजन सिंह,मनकीरत औलख,बब्बू मान, रणजीत बावा,सोनम बाजवा ,संजय दत्त,अजय देवगन, कपिल शर्मा, बादशाह, सिद्धार्थ मल्होत्रा व अनन्या पांडे जैसे अनेक फिल्म व कला जगत से जुड़े लोगों ने बढ़चढ़कर या तो भारी भरकम रकम दान की है या पीड़ितों के लिये राहत शिविर स्थापित किये हैं,एम्बुलेंस दान की हैं अथवा उनके साथ अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसी तरह मदरसा जीनत उलूम,नारायणगढ़ मदरसा जमीयतुल उलूम, मेवात के मुस्लिम समुदाय के लोग व दर्जनों मस्जिदों से राहत भरे ट्रक पंजाब की ओर भेजे जा रहे हैं। ईरान ने भी भारत के पंजाब में आई भीषण बाढ़ पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक संदेश में कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से हुए व्यापक नुक़्सान और दर्द को देखकर मन दुखी है। दूतावास ने प्रभावित लोगों और राहत कार्यों में लगे सभी के लिए प्रार्थनाएं कीं तथा भगवान से सभी की रक्षा और आशीर्वाद की कामना की। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामनेई की ओर से भी पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की हिफाजत और सलामती के लिए दुआएं भेजी गई हैं। ईरान के इस बयान की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की गयी है।

आज पूरे देश के हर वर्ग व हर धर्म का व्यक्ति पंजाब के इन किसानों के साथ इसीलिये खड़ा है क्योंकि गुरुनानक देव जी महाराज द्वारा किये गये सच्चा सौदा के संस्कारों में परवरिश पाने वाला पंजाब का यह किसान भी बुरे वक़्त में पूरी दुनिया के साथ दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों में भी हमेशा खड़ा दिखाई दिया है। जहां कहीं धर्म देश या जाति देखकर लोगों की सहायता करने वाले संकीर्ण सोच के लोग मुसीबत में खड़े नहीं होते वहीँ पंजाब का यह समुदाय केवल मानवता को मद्देनजर रखकर हमेशा हर जगह हर एक पीड़ित के साथ खड़ा दिखाई दिया है। संकट की इस घड़ी में देश के कारपोरेट घरानों व उद्योगपतियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश के उन बड़े बड़े मठों व धर्मस्थलों को भी मदद के हाथ पंजाब के जल प्रलय प्रभावित लोगों की ओर बढ़ाना चाहिये जिनके भण्डार अकूत सोने चांदी व धन सम्पदा से भरे पड़े हैं। देश के धनाढ्य कथावाचकों व धर्माधिकारियों को भी खुलकर सामने आना चाहिये। देश की बड़ी दरगाहों व जमाअतों को भी संकट में पंजाब के साथ खड़े होना चाहिये। बेशक प्रकृतिक प्रकोप के चलते दुनिया के इन मददगारों को भी आज वक़्ती तौर पर मदद की दरकार जरूर है परन्तु विश्वास है कि मानवता व भाईचारे की मिसाल पेश करने व संकट में सबके साथ खड़ी नजर आने वाली यह कौम जल्द ही इस संकट से भी उबार जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्राकृतिक आपदा : बरपता कहर, बढ़ती दुश्वारियां

विनीत नारायण

भारत, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध भौगोलिक संरचना के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। लेकिन हर साल मानसून के आगमन के साथ यह देश प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आ जाता है। भारत में मानसून का मौसम जून से सितम्बर तक रहता है।

इस दौरान देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं अब आम हैं। हाल के महीनों में उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हुई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। हिमाचल प्रदेश में भी अगस्त, 2025 में भारी बारिश के कारण दर्जनों सड़कें बंद हो गई और कई लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने एक बार फिर सवाल उठाया है कि सरकारी तंत्र इन आपदाओं के प्रभाव को कम करने में क्यों विफल है? बादल फटने की घटनाएं, जिन्हें भारत मौसम विज्ञान विभाग 100 मिमी. प्रति घंटे से अधिक बारिश के रूप में परिभाषित करता है, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों में आम हैं। ये घटनाएं न केवल प्राकृतिक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों जैसे अनियोजित निर्माण, जंगलों की कटाई और नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप के कारण और भी घातक हो गई हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल में अपने बयान में कहा कि पहाड़ी राज्यों में होने वाले निर्माण और नुकसान के लिए 'घर में बैठकर तैयार की गई फर्जी डीपीआर बनाने वाले दोषी हैं। ये लोग बिना जमीनी हकीकत जाने डीपीआर बना देते हैं, जिससे ऐसे हादसे होते हैं।' यह बयान न केवल सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि विकास परियोजनाओं में पारदर्शिता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी कितनी घातक हो सकती है। डीपीआर, जो किसी भी योजना का आधार होती है, में भ्रष्टाचार और लापरवाही बरती जाती है, तो इसका परिणाम ऐसे हादसों और त्रासदियों के रूप में सामने आता है। इसे 'करप्शन ऑफ डिजाइन' कहा जाता है।

हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार को पहले से तैयारी की जरूरत है। फिर भी, हर साल न सिर्फ एक जैसी आपदाएं दोहराई जाती हैं, बल्कि राहत और बचाव कार्य में अव्यवस्था भी दिखाई देती है। दूसरा, जल निकासी प्रणालियों की कमी और रखरखाव की अनदेखी भी बड़ा मुद्दा है। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरी क्षेत्रों, जहां 2024 में 108 मिमी. बारिश ने भारी जलभराव पैदा किया, में नालों की सफाई और उचित जल निकासी की कमी साफ दिखाई दी। पहाड़ी क्षेत्रों में नदियों के किनारे अनियोजित निर्माण और अतिक्रमण ने प्राकृतिक जल प्रवाह को बाधित किया है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

तीसरा, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और जागरूकता की कमी भी बड़ी समस्या है। ऐसे में स्थानीय ज्ञान का उपयोग करके सड़क निर्माण हो तो शायद भूस्खलन में रोकथाम हो सके। लेकिन स्थानीय लोगों की सलाह को नजरअंदाज किया जाता है और परियोजनाएं केवल ठेकेदारों और अधिकारियों के हितों को ध्यान में रख कर बनाई जाती हैं। इन समस्याओं का समाधान तभी संभव है, जब सरकार और समाज मिल कर एक समग्र और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाएं। सबसे पहले, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा।

भूगर्भीय सर्वेक्षण, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन और स्थानीय विशेषज्ञों की राय को शामिल करना अनिवार्य होना चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए स्वतंत्र ऑडिट और निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने चाहिए। दूसरा, आपदा प्रबंधन के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना होगा। इसमें न केवल राहत और बचाव की तैयारी शामिल होनी चाहिए, बल्कि प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, जैसे बादल फटने की निगरानी, को भी मजबूत करना होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भूस्खलन और जलभराव की संभावना वाले स्थानों की पहचान के लिए किया जाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास को भी प्राथमिकता देनी होगी। जंगलों की कटाई को रोकना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना और अंधाधुंध निर्माण पर रोक लगाना जरूरी है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण को सख्ती से विनियमित करना होगा।

बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ की त्रासदियां केवल प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि मानवीय लापरवाही और भ्रष्टाचार का भी परिणाम हैं। अब समय है कि सरकार, समाज और विशेषज्ञ मिल कर ऐसी व्यवस्था बनाएं जो न केवल आपदाओं को रोके, बल्कि उनके प्रभाव को कम करने में भी सक्षम हो। टिकाऊ विकास, पारदर्शी प्रशासन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही इस दिशा में बढ़ने का रास्ता है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

'जनता बीमार, प्रशासन लाचार : डेंगू का वार'

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा में डेंगू का प्रकोप तेज है, लेकिन नगर निकायों के पास फॉगिंग मशीनों की भारी कमी है। प्रदेश के 87 निकायों में केवल 426 मशीनें उपलब्ध हैं, जो आवश्यकतानुसार बेहद कम हैं। मशीनों की कमी के कारण न तो शहरों में और न ही ग्रामीण इलाकों में नियमित फॉगिंग अभियान चल पाए हैं। 1200 से अधिक गाँव जलभराव से जूझ रहे हैं, जिससे खतरा और बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग और निकायों की लापरवाही से जनता पर बीमारी का संकट गहराता जा रहा है। ठोस कार्ययोजना और पर्याप्त संसाधन ही डेंगू से सुरक्षा का रास्ता हैं...

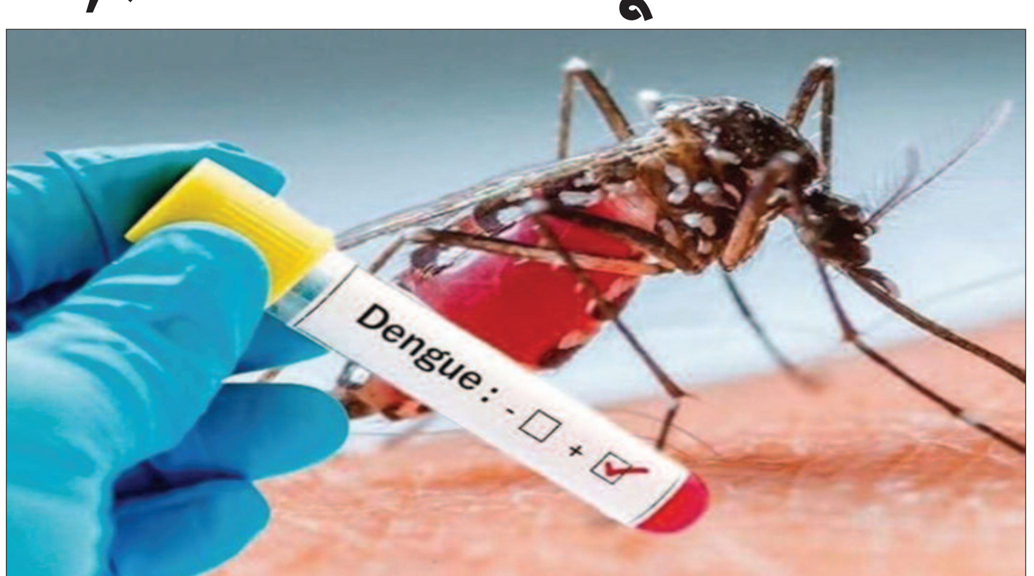

डेंगू का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर बैठ जाता है। हर साल मानसून के बाद बरसात के दिनों में जब मच्छरों का प्रकोप बढ़ता है, तो डेंगू के मामले तेजी से सामने आने लगते हैं। बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और प्लेटलेट्स की कमी से पीड़ित मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ने लगती है। सरकारें हर वर्ष दावा करती हैं कि मच्छरों की रोकथाम और फॉगिंग के इंतजाम पूरे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत बिल्कुल उलट होती है। हाल ही में सामने आई रिपोर्ट ने हरियाणा के स्वास्थ्य तंत्र और स्थानीय निकायों की तैयारियों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। प्रदेश के 87 नगर निकायों में डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों से निपटने के लिए मात्र 426 फॉगिंग मशीनें ही उपलब्ध हैं। यानी लगभग हर निकाय के हिस्से में औसतन पाँच मशीनें भी नहीं आतीं। जबकि स्थिति यह है कि एक मध्यम आकार के शहर में ही डेंगू पर काबू पाने के लिए 20-25 मशीनें आवश्यक मानी जाती हैं। ऐसे में पूरे प्रदेश के स्तर पर मशीनों की यह कमी सीधा संदेश देती है कि प्रशासनिक लापरवाही किस हद तक हावी है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जिसका सीधा इलाज एंटीबायोटिक दवाइयों से संभव नहीं है। यह मच्छरों से फैलने वाला वायरल संक्रमण है और रोगी के शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर ही उपचार टिका होता है। अधिकतर मामलों में डेंगू का वायरस शरीर की प्लेटलेट्स तेजी से घटा देता है। समय पर इलाज न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा हो सकती है। भारत में हर साल लाखों लोग डेंगू से प्रभावित होते हैं और हजारों मौतें भी होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी डेंगू को दुनिया के सबसे तेजी से फैलने वाले वायरल रोगों में गिनता है। इसलिए रोकथाम ही सबसे बड़ा हथियार है। मच्छरों को पनपने से रोकना, जलभराव हटाना और समय-समय पर फॉगिंग करना – यही डेंगू पर नियंत्रण के सबसे कारगर उपाय हैं। लेकिन जब यही इंतजाम कमजोर पड़ जाएं, तो बीमारी का फैलाव तेजी से होता है।

हरियाणा के नगर निकायों के पास फॉगिंग मशीनों की संख्या न सिर्फ कम है बल्कि जिन मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, उनमें से कई पुराने और खराब हालत में हैं। यह स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति राज्य सरकार और निकायों की उदासीनता को उजागर करती है। फॉगिंग का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि यह मच्छरों के जीवन चक्र को तोड़ती है। मच्छर के अंडे से निकलने और उनके वयस्क होने की प्रक्रिया पर फॉगिंग सीधा असर डालती है। यदि यह नियमित अंतराल पर हो तो मच्छरों की संख्या तेजी से कम हो सकती है। लेकिन जब मशीनें ही उपलब्ध न हों, तो फॉगिंग का अभियान केवल कागजों में रह जाता है।

यह समस्या सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है। प्रदेश के 1200 से अधिक गाँव जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। गाँवों में नालियों की सफाई और कचरे के निस्तारण की व्यवस्था कमजोर है। पंचायतों के पास न तो पर्याप्त बजट है और न ही तकनीकी संसाधन। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू और मलेरिया का प्रकोप और भी खतरनाक हो सकता है। सरकारी नीतियों में बार-बार शहरी क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएँ और रोकथाम अभियान बिल्कुल नाममात्र के रह जाते हैं।

इस स्थिति की सबसे बड़ी जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय निकायों पर आती है। हर साल डेंगू का मौसम आता है और हर बार प्रशासन अचानक हाथ-पैर मारता है। जबकि यह समस्या नई नहीं है। फॉगिंग मशीनें सालभर सक्रिय रहनी चाहिए और नियमित अंतराल पर उनका रखरखाव होना चाहिए। लेकिन निकायों के पास अक्सर यह तर्क होता है कि बजट की कमी है। सवाल यह उठता है कि जब स्वास्थ्य सेवाओं पर ही खर्च नहीं होगा तो विकास का दावा किस आधार पर किया जाएगा?

मशीनों की कमी और लापरवाही का सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। हर साल हजारों परिवार डेंगू से प्रभावित होते हैं। एक बार किसी घर का सदस्य डेंगू से बीमार हो जाए तो उस परिवार पर मानसिक, शारीरिक और आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। अस्पतालों में भर्ती का खर्च, दवाइयों और प्लेटलेट्स की कमी का संकट, लंबे समय तक काम और पढ़ाई से दूरी, बीमारी का डर और असुरक्षा–ये सभी पहलू जनता को झकझोरते हैं। खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं क्योंकि उनके पास महंगे इलाज का साधन नहीं होता।

सरकार और प्रशासन को चाहिए कि इस स्थिति से सबक लें। सबसे पहले फॉगिंग मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए और हर निकाय को पर्याप्त मशीनें दी जाएं। केवल आपातकालीन हालात में नहीं बल्कि पूरे वर्ष तय अंतराल पर फॉगिंग होनी चाहिए। पंचायतों को बजट और मशीनें उपलब्ध कराकर ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरनाशी अभियान चलाना आवश्यक है। जनता को भी जागरूक किया जाए कि घरों में पानी जमा न होने दें, कूलर व टंकियों को ढककर रखें। अस्पतालों में डेंगू टेस्ट, दवाइयों और प्लेटलेट्स की पर्याप्त व्यवस्था समय रहते की जाए।

डेंगू हर साल एक बार नहीं बल्कि अब स्थायी खतरे के रूप में सामने आ चुका है। बदलते मौसम, बढ़ते शहरीकरण और जलभराव की समस्याओं ने इसकी जड़ें और गहरी कर दी हैं। ऐसे में केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा। फॉगिंग मशीनों की कमी और प्रशासनिक उदासीनता न केवल लापरवाही है बल्कि लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ भी है। सरकार को चाहिए कि इस समस्या को आपदा प्रबंधन की तरह प्राथमिकता दे और हर निकाय को संसाधन उपलब्ध कराए। जनता भी अपनी जिम्मेदारी समझे और घर-आसपास पानी जमा न होने दे। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही डेंगू पर काबू पाया जा सकता है। आज जरूरत है एक ठोस कार्ययोजना की, वरना डेंगू हर साल नए रूप में दस्तक देता रहेगा और स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों को उजागर करता रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

आरोग्य मेले में मरीजों का हुआ उपचार

रायबरेली , एजेंसी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला हुआ।पीएचसी पूरे भैरो मिश्र में 32, अंबारा पश्चिम पीएचसी में 52, जगतपुर भिचकौरा पीएचसी में 39 व नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेहटा कला में 48 मरीजों ने पंजीकरण कराया।सभी रोगियों को जांच के बाद दवाएं दी गईं।सीएचसी अधीक्षक डॉ.अमल कुमार पटेल ने बताया कि जन आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को निशुल्क उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।डीह ब्लाक के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेतौरा में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन हुआ, जिसमें खांसी बुखार के मरीजों की संख्या अधिक रही।सीएचसी अधीक्षक डॉ. सत्यपाल सिंह ने मेले में आए मरीजों को मच्छरदानी का प्रयोग करने व घर के आसपास साफ–सफाई रखने की सलाह दी है।जगतपुर सीएचसी में 74 मरीजों ने उपचार कराया।सभी रोगियों को दवाओं का वितरण किया गया।

दिवाली से पहले मिलेगा प्रदेश के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ, वेतन से नहीं कटेगा एक भी पैसा

लखनऊ , एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस पर प्रदेश के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की है।यह सुविधा शिक्षकों को दिवाली से पहले मिलेगी।इसका लाभ 11 लाख शिक्षकों के साथ ही उनके 60 लाख से अधिक परिजनों को भी मिलेगा। शासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी पात्र शिक्षक को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ लेने के लिए कोई अंश नहीं देना होगा।यानी यह सुविधा पूरी तरह निशुल्क होगी। यह भी स्पष्ट किया है कि इस योजना का लाभ बेसिक में प्राथमिक व उच्च प्राथमिक के शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व रसोइया, माध्यमिक के अशासकीय सहायता प्राप्त व सेल्फ फाइनेंस विद्यालयों के शिक्षक, उच्च में अशासकीय सहायता प्राप्त व सेल्फ फाइनेंस महाविद्यालय के शिक्षकों व उनके परिजनों को मिलेगा।

8 घंटे बाद खुले राम मंदिर और हनुमानगढ़ी के कपाट, सरयू स्नान के बाद दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

अयोध्या , एजेंसी। चंद्र ग्रहण के चलते रविवार दोपहर 12ः30 बजे से बंद राम मंदिर और हनुमानगढ़ी समेत अयोध्या के अन्य मठ मंदिरों के पट 18 घंटे के बाद सोमवार सुबह मंगला आरती के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। चंद्र ग्रहण समाप्त होने के मौके पर रात दो बजे से ही सरयू के घाटों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।सरयू में स्नान कर श्रद्धालुओं का मठ मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए पहुंचने का सिलसिला जारी है।ग्रहण काल के मोक्ष के मौके पर स्नान और दान का विशेष महत्व है। रामनगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से व्यापक व्यवस्था की गई है। आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं के साथ अयोध्या के स्थानीय लोगों ने भी सरयू में आस्था की डुबकी लगाई। इसके पहले ग्रहण समाप्त होने पर मठ मंदिरों में विराजमान भगवान को भी सरयू जल से स्नान कराया गया।सरयू के जल से मंदिर परिसर का शुद्धीकरण किया गया।इसके बाद मंगला और श्रृंगार आरती हुई।

जमीनी विवाद में नमाज से लौट रहे बुजुर्ग पर ताबड़तोड़ फायरिंग, हालत नाजुक

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र में रविवार रात गोलियों की तड़तड़ाहट से अफरा–तफरी मच गई। मेवगढ़ी निवासी बुजुर्ग इलयास, जो हाल ही में हत्या के मामले से जेल से छूटकर आए थे, नमाज़ पढ़कर मस्जिद से घर लौट रहे थे।जैसे ही वे मस्जिद से बाहर निकले, बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।हेलमेट और नकाब लगाए बदमाश वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। इलयास को हाथ और सीने में गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इलयास का जमीन को लेकर तौहीद नामक व्यक्ति से विवाद चल रहा था।इसी रंजिश में बबलू और इरशाद नामक दो आरोपियों पर हमला करने का शक जताया गया है। फिलहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

बसपा में फिर से हावी हो रहा है परिवारवाद

मायावती पलटती रही हैं फैसले, इनकी होगी वापसी ?

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व नेशनल कोऑर्डिनेटर जयप्रकाश को आठ साल पहले पार्टी से निष्कासित किया गया था। वह कई बार सार्वजनिक रूप से बसपा सुप्रीमो मायावती से माफी भी मांग चुके हैं। पार्टी के हर कार्यक्रम से लेकर जनाधार बढ़ाने तक की मुहिम में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होते हैं। इसके बावजूद अभी तक उनकी पार्टी में वापसी नहीं हो सकी है। शनिवार को बसपा सुप्रीमो के समधी अशोक सिद्धार्थ की वापसी के बाद जयप्रकाश को भी पार्टी में शामिल करने की मांग होने लगी है।

बता दें कि जयप्रकाश तो बानगी मात्र हैं, बसपा में तमाम नेता वापसी की उम्मीद लगाए हैं। इनमें मुख्य रूप से बसपा और भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य हैं, जिनकी बसपा में वापसी की अटकलें लग रही हैं, लेकिन अभी बात नहीं बन सकी है। दरअसल, मायावती ने अपने फैसलों को पलटते हुए पहले भतीजे आकाश आनंद और फिर समधी अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी कराई है। माना जा रहा है कि आकाश का बसपा में कद बढ़ने के बाद उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ की वापसी का रास्ता साफ हुआ है।

बसपा के इतिहास पर नजर डालें तो मायावती पहले भी तमाम नेताओं को इसी तरह माफ करती रही हैं। कुछ दिन पहले नगीना के सांसद गिरीश चंद्र को भी पार्टी में वापस लिया गया था। वहीं अफजाल अंसारी, इंद्रजीत सरोज समेत तमाम नेताओं का बसपा में आना-जाना लगा रहा। हाल ही में बसपा सुप्रीमो ने पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मवीर अशोक और पूर्व एमएलसी एमएल तोमर को भी पार्टी में वापस लेने का फैसला लिया है, जो दर्शाता है कि निष्कासित नेताओं के लिए पार्टी के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं किए जाते हैं। हालांकि बीते एक दशक पर नजर डालें तो पार्टी के तमाम कद्दावर नेताओं ने बसपा का साथ छोड़ने के बाद वापसी नहीं की। इनमें से तमाम दूसरे दलों में जाने के बाद बड़े पदों पर आसीन हैं तो कई राजनीति में अब सक्रिय नहीं हैं।

परिवारवाद से ही नुकसान

बता दें कि बीते कुछ वर्षों में बसपा को परिवारवाद की वजह से खासा नुकसान सहना पड़ा है। अशोक सिद्धार्थ को गुटबाजी करने के आरोप में हटाया गया था। इससे मायावती के भाई आनंद कुमार को लेकर भी कई बार असमंजस की स्थिति रही, जिसकी वजह से उनकी जिम्मेदारियों में बदलाव किया जाता रहा। आकाश और अशोक को हटाने के दौरान मायावती ने कहा था कि आनंद कुमार ने मुझसे कहा है कि वह पार्टी हित में अपने बच्चों का रिश्ता गैर राजनीतिक परिवार से ही जोड़ेंगे। अशोक सिद्धार्थ की तरह अब आगे पार्टी को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो, इसका भरोसा आनंद ने दिलाया है। अशोक सिद्धार्थ का दबाव अपनी बेटी पर है। बेटी का दबाव आकाश पर है। आकाश के दबाव में आने से पार्टी को नुकसान हो सकता है।

नियुक्ति पत्र वितरण : सीएम योगी बोले– नौकरियों में निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया नये उत्तर प्रदेश की पहचान

लखनऊ , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब युवाओं को बिना किसी सिफारिश और बिना किसी लेनदेन के नियुक्ति पत्र मिलता है। उन्हें नौकरी के लिए किसी से सिफारिश नहीं करनी पड़ती है। युवा अपनी योग्यता और दक्षता के आधार पर नौकरी पा रहे हैं। ये सब तब हो पाता है जब एक जिम्मेदार सरकार हो। पहले जाति और धर्म देखकर नौकरियां दी जाती थीं। सिफारिश लगानी पड़ती थी और रिश्वत देनी पड़ती थी पर अब नियुक्ति प्रक्रिया समय से पूरी हो रही है। नौकरियों में पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया नए उत्तर प्रदेश की पहचान है।

उन्होंने कहा कि जब भर्ती पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से हो रही है और समय से हो रही है तो मेरी भी आपसे अपेक्षा है। वो ये है कि अपने कार्यस्थल पर किसी के साथ भेदभाव न करें जो कि गरीब, ग्रामीण या जरूरतमंद आता है पूरी प्रतिबद्धता के साथ उसकी समस्या का समाधान करें।

एक घंटे तक कराहते रहे श्रमिक, नहीं पहुंची एंबुलेंस

रायबरेली , एजेंसी। फायर स्टेशन के निकट रविवार शाम करीब पांच बजे निर्माणाधीन मकान के छज्जे का लिंटर गिरने से राजमिस्त्री रमेश प्रजापति और श्रमिक रामू व रज्जब अली 30 फुट की ऊंचाई से नीचे गिरे तो अफरातफरी मच गई। तीनों को सीएचसी पहुंचाने के लिए एंबुलेंस को फोन किया गया, लेकिन एंबुलेंस एक घंटे बाद मौके पर पहुंची। उसके बाद तीनों को सीएचसी जे जाया गया। वहां पर रमेश प्रजापति को मृत घोषित कर दिया गया। रामू और रज्जब अली को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रात करीब आठ बजे दोनों ने भी दम तोड़ दिया। इस घटना में एबुलेंस के देर से पहुंचने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि यदि एंबुलेंस समय से पहुंच जाती तो रामू और रज्जब की जान बच सकती थी। असल में जब तीनों लोग जमीन पर गिरे तो रमेश प्रजापति को होश नहीं था। शरीर में हरकत नहीं हो रही थी।

जबकि रामू और रज्जब अली कराह रहे थे। सीएचसी जब तीनों को लाया गया तो रमेश की मौत हो चुकी थी और रामू व रज्जब अली की हालत गंभीर हो गई थी। यही कारण था कि उन दोनों को चिकित्सकों ने तुरंत ही जिला अस्पताल रेफर कर

दिया था।जब घटना हुई तो भवन स्वामी योगेश यादव मौके पर नहीं थे। वह कहीं गए हुए थे। योगेश का मकान तीन माह से बन रहा है। रमेश प्रजापति, रामू और रज्जब अली ने चार दिन पहले ही काम करना शुरू किया था। तीनों के परिवार के लोग उस घड़ी को कोस रहे हैं, जब तीनों ने निर्माणाधीन मकान में काम करना शुरू किया था।

रमेश प्रजापति की मौत से उनके परिवार का रो-रोकर हाल बेहाल है। रमेश का बड़ा बेटा अमरेश बाहर है। वह गैर जनपद में काम करता है। छोटा बेटा विशाल और बेटी मानसी स्कूल में पढ़ते हैं। पिता की मौत से विशाल और मानसी बिलख-बिलख कर रो रहे थे। पत्नी माया देवी पति की मौत से बदहवास नजर आई।

प्रदेश में मौसम ने ली करवट, 11 सितंबर तक धूप और उमस करेगी परेशान; पर अभी कई नदियां बाढ़ से उफान पर

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश में कमी आने के बाद, कहीं कहीं छिटपुट बूंदाबांदी को छोड़कर कहीं भी भारी बारिश नहीं हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि चार दिन तक थोड़े ठहराव के बाद 11 सितंबर से प्रदेश के तराई इलाकों में दोबारा मानसूनी बारिश देखने को मिलेगी। पूर्वानुमान है कि दोबारा सक्रिय हुए मानसून के असर से कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज आदि में मध्यम से भारी बारिश होगी।

इधर बारिश में कमी आते ही यूपी में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है। रविवार को यूपी के 10 से ज्यादा जिलों में अधिकतम पारा 35 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि बीते कुछ दिनों से मध्य भारत की ओर विकसित अवदाब राजस्थान की ओर शिफ्ट हुआ है। 11 सितंबर से मानसूनी ट्रफ रेखा हिमालय की तलहटी होते हुए उत्तर की ओर खिसकेगी और तराई में मध्यम से भारी बारिश होगी।

राजधानी में रविवार को दिन भर धूप खिली रही। हवा में मौजूद नमी और धूप की

तपिश ने मिलकर उमस भरी गर्मी में इजाफा किया। तापमान में बढ़ोतरी व उमस से लोग देर शाम तक परेशान रहे।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक लखनऊ में अगले सात दिनों तक अच्छी बारिश के आसार नहीं हैं। पूरे सप्ताह मौसम लगभग शुष्क रहने वाला है। रविवार को दिन का अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की बढ़त के साथ 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 0.8 डिग्री की गिरावट के साथ 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना व अन्य नदियों का बढ़ा जलस्तर लोगों के लिए मुसीबत बन गया है। अलीगढ़, बरेली, हाथरस, मथुरा व अन्य कई जिलों में पानी आबादी में घुस गया है। प्रशासन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद कर रहा है।शाहजहांपुर में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बरेली मोड़ ओवरब्रिज के नीचे से लेकर मौजमपुर गांव तक करीब डेढ़ किमी दूरी तक पानी करीब दो फुट और तेज बहाव से बह रहा है। इससे वाहनों के आवागमन में दिक्कत हो रही है।

जनकपुरी महोत्सव 2025: 45 प्रवेश द्वारों से होगा भव्य स्वागत

प्रभु श्रीराम के आगमन से पहले हो रही तैयारी

आगरा , एजेंसी। श्रीजनकपुरी महोत्सव आयोजन समिति की ओर से कमला नगर में जनकपुरी महोत्सव को भव्य बनाने के लिए मिथिला नगरी में 45 प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जनकपुरी आकार लेने लगी है। जनक महल के साथ प्रवेश द्वारों को आकर्षक बनाने के लिए कारीगर दिन-रात जुटे हैं।

समिति के अध्यक्ष मुरारी प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि जनकपुरी महोत्सव में कमला नगर क्षेत्र के सभी मार्गों पर सुंदर सजावट के साथ भव्य एवं आकर्षक प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। जनकपुरी भ्रमण करने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खाद्य सामग्री सहित आवश्यक वस्तुओं की दुकानें भी लगाई जा रही हैं।

महामंत्री पार्षद प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि जनकपुरी महोत्सव को ऐतिहासिक रूप देने के लिए समिति कोई कमी नहीं रख रही है। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए पूरे कमला नगर में प्रभु श्रीराम और श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए 45 प्रवेश द्वार बनाए जा रहे है।

इसमें आठ बड़े इलेक्ट्रिक द्वार के साथ दो विशाल द्वार जनक महल मार्ग में तैयार किए जा रहे हैं। इसके अलावा पूरे कमला नगर में जगह-

जगह 20 प्रवेश द्वार छोटे और 15 प्रवेश द्वार बड़े बनाए जा रहे है।

सूतक लगने से दोपहर में उतारी प्रभु राम की आरतीः चंद्रग्रहण के कारण जनकपुरी महोत्सव समिति के कार्यालय पर प्रभु राम की प्रतिदिन शाम को होने वाली आरती रविवार को दोपहर में की गई। सभी पदाधिकारियों ने जय सियाराम के जयकारे लगाए और जनकपुरी को भव्य बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान अध्यक्ष मुरारी प्रसाद अग्रवाल ने नए पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। नए पदाधिकारियों में मंत्री सौरभ पाठक, मंजीत सिंह यादव, राहुल तिवारी और कार्तिक सेठ को चुना गया। वहीं उप मंत्री राहुल शाक्य और आकाश गौतम को बनाया गया। इस दौरान संरक्षक राकेश मंगल, संयोजक पार्षद पंकज अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, विधि प्रकोष्ठ संयोजक दीपक माहेश्वरी एडवोकेट, अनिल अग्रवाल एडवोकेट, विजय गोयल, हरीश शर्मा गुड्डू, मनीष बंसल, केके अग्रवाल, पवन अग्रवाल, बीपी शाक्य, संजीव शर्मा, दिनेश, पवन अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

प्राचार्य ने स्त्री रोग विभागाध्यक्ष से मांगा स्पष्टीकरण

फिरोजाबाद, एजेंसी। सौ शैय्या अस्पताल में प्रसूता को इलाज देने से इन्कार करने और उसे रैंप पर तड़पता छोड़ देने के मामले में अब प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. योगेश गोयल ने फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा है।

उन्होंने कहा कि एक प्रसूता के साथ इस तरह का व्यवहार निंदनीय है और इसकी जवाबदेही तय की जाएगी। विभागाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि वह पूरी घटना का विवरण उपलब्ध कराएं और यह स्पष्ट करें कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और स्टाफ ने तत्काल मदद क्यों नहीं दी।

गौरतलब है कि यह मामला शुक्रवार रात करीब दो बजे का है, जब नगला पान सहाय निवासी किशन लाल अपनी पत्नी शिखा को प्रसव पीड़ा होने पर सौ शैय्या अस्पताल लाए थे। स्टाफ ने उसकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए भर्ती से इनकार कर दिया और आगरा रेफर करने को कहा। महिला करीब एक घंटे तक गेट की रैंप पर पड़ी तड़पती रही, लेकिन किसी ने उसे अंदर नहीं लिया।

बाद में मामला सीएमएस डॉ. नवीन जैन तक पहुंचा तो उन्होंने हस्तक्षेप कर चिकित्सकों की टीम को बुलाया। सुबह करीब 4ः30 बजे महिला का सिजेरियन ऑपरेशन हुआ और उसने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।डॉ. नवीन जैन ने पहले दिन ही सफाई देते हुए कहा था कि महिला की स्थिति गंभीर थी, इसलिए उसे रेफर किया गया था। कुछ लोगों ने अस्पताल को बदनाम करने के इरादे से महिला को जमीन पर ही लिटा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे ही उन्हें जानकारी हुई, तुरंत कार्रवाई कर ऑपरेशन कराया गया। अब प्राचार्य डॉ. योगेश गोयल के हस्तक्षेप के बाद माना जा रहा है कि लापरवाही के जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय है।

देश की सुरक्षा के लिए खतरा है ऑनलाइन व्यवस्था : मुकुंद

औरैया, एजेंसी। उप्र उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने कहा कि पीएम का जीएसटी स्लैब कम करने का निर्णय स्वागत योग्य है। देश में ऑनलाइन व्यवस्था देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। इस पर सरकार को अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी अपनाओ पर जोर देने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष रविवार को शहर के एक गेस्ट हाउस में व्यापारी मिलन व सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विदेशी ऑनलाइन व्यवस्था का वॉक आउट होना चाहिए।

इसके लिए एक्ट लागू किया जाना चाहिए। ऑनलाइन व्यवस्था जहां देश को तोड़ने का काम कर रही है। वहीं देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा है। आने वाले समय में डाटा का ही युद्ध होगा। कहा कि हमें अमेरिका के टैरिफ से मुकाबला करना है। वर्तमान में अपना देश तरक्की कर रहा है। इससे अमेरिका समेत अन्य देश भारत के पीछे पड़े हुए हैं।

उन्होंने व्यापारियों का आह्वान किया कि वह स्वदेशी अपनाओ के तहत स्थानीय उत्पाद, स्थानीय व्यापार व स्थानीय चीजों पर जोर दें। कहा कि कुछ व्यापारियों ने उन्हें अपनी समस्याएं बताई हैं, इन्हें वह केंद्र व प्रदेश सरकार के समक्ष रखेंगे और हल कराएंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि

सदर विधायक गुड़िया कठेरिया ने कहा कि व्यापारियों की समस्या को प्रमुखता से दूर कराया जाएगा।

व्यापारियों द्वारा मंडी समिति पर ओवरब्रिज बनाए जाने की गई मांग पर उन्होंने कहा कि वह जल्दी मुख्यमंत्री से मिलकर कार्य पूर्ण करवाएंगी। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री डॉ. दिलीप सेठ ने भी संबोधित किया। समारोह में व्यापारियों, प्रबुद्धजनों व सामाजिक संगठनों के सदस्यों का भी सम्मान किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत : कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकिशोर मिश्रा, श्याम मोहन दुबे, सुनील पांडेय, जिलाध्यक्ष राजेश वाजपेई बबलू, महिला सभा जिलाध्यक्ष मनीषा अग्रवाल, स्वतंत्र अग्रवाल, अमर बिश्नोई, नगर अध्यक्ष सतीश वर्मा, रीतेश गुप्ता, दीपक पुरवार, शिवम पांडेय ने दयालपुर, खानपुर चौराहा, सुभाष चौक, संजय गेट, जेसीज चौराहा व जालौन चौराहा पर फूल मालाओं व पगड़ी पहनाकर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

किराए पर लेते थे वेबसाइड, तब चलता था काम : थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पहले तो कॉलगर्ल बुलाने की साइट को सीमित समय के लिए किराए पर लेते थे। वेबसाइड वालों को भुगतान कर उस साइड पर अपने नंबर अपलोड करा दिया करते थे। नंबरों के सहारे वेश्यावृत्ति करने वालीं महिलाएं व युवतियों तो संपर्क कर लेती थीं। इसके अलावा इन सुविधाओं का लाभ उठाने वाले लोग भी आरोपियों से संपर्क करते थे। आरोपी मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में इस रैकेट को चला रहे थे।

अंतरराज्यीय ऑनलाइन सेक्स रैकेट चलाने वाले दो शातिर गिरफ्तार

फिरोजाबाद , एजेंसी। थाना एका पुलिस ने अंतरराज्यीय ऑनलाइन सेक्स रैकेट चलाने वाले दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6 डेबिट कार्ड, 1 अदद क्रेडिट कार्ड, एक कार, तमंचा-कारतूस, छह मोबाइल व अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपी वेबसाइट को किराए पर लेकर देहव्यापार को चला रहे थे। पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया है।

एसपी ग्रामीण त्रिगुन बिसेन ने बताया कि अंतरराज्यीय ऑनलाइन सेक्स रैकेट चलाने वाले दो आरोपियों को एका पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को इसकी सूचना पिछले कई दिनों से मिल रहीं थीं। सूचना के आधार पर रविवार को थाना प्रभारी ने टीम के साथ छापामार कार्रवाई की। घेराबंदी करते हुए गांव सिंहपुर उड़ेसर निवासी गुलशन व रोहित को नगला धारु नहर पटरी से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि ऑनलाइन गूगल प्लेटफार्म पर वेबसाईट के माध्यम से ऑनलाइन कस्टमर को उनकी सुविधानुसार महिलाओं व लड़कियों की फोटो भेजकर रैकेट चला रहे हैं। कस्टमर से एडवांस डलवाकर लड़कियों को उनके बताए स्थान पर कार से पहुंचाने का काम करते हैं।

अमेरिकी शुल्क से कोलकाता की चमड़ा फैक्ट्रियों की रफ्तार पर लगा ब्रेक

- चमड़ा निर्यातकों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क का असर, ऑर्डर घटे, उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली ।

कोलकाता के बंताला स्थित एक चार मंजिला चमड़ा फैक्टरी में करीब 380 कर्मचारी हैं, जो ह्यूगो बॉस जैसे ब्रांड के लिए हैंडबैग और वॉलेट तैयार करते हैं। चमड़े के टुकड़े करीने से पंक्तियों में रखे हुए हैं और फैक्टरी में तेज़ी से काम हो रहा है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी आर्थिक चिंता छुपी है। क्रीसेंट एक्सपोर्ट्स के लिए अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, लेकिन हाल ही में अमेरिका ने भारत के कुछ उत्पादों पर 50 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ा दिया है। इसका सीधा असर ऑर्डर पर पड़ा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एम. अजहर ने बताया कि अमेरिका से आने वाले कई ऑर्डर रोक दिए गए हैं और उत्पादन की रफ्तार भी धीमी हो गई है। अमेरिका ने यह जवाबी शुल्क रूस से तेल खरीदने के चलते लगाया है, जिसमें अतिरिक्त 25 फीसद शुल्क 27 अगस्त से लागू हुआ। इस समय सीमा से पहले जितना माल तैयार था, उसे क्रीसेंट ने हवाई मार्ग से भेजा, जबकि सामान्यतः समुद्री मार्ग का इस्तेमाल होता है। कंपनी की लगभग 60 फीसदी बिक्री अमेरिका में होती है, जबकि शेष यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में। अन्य कंपनियां जैसे जेसी इंटरनेशनल भी इसी संकट से जूझ रही हैं। उनके अनुसार अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चुनौतीपूर्ण रहेगी।

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योगः 7 नैनोमीटर तकनीक के लिए तैयार हो रहा है देश

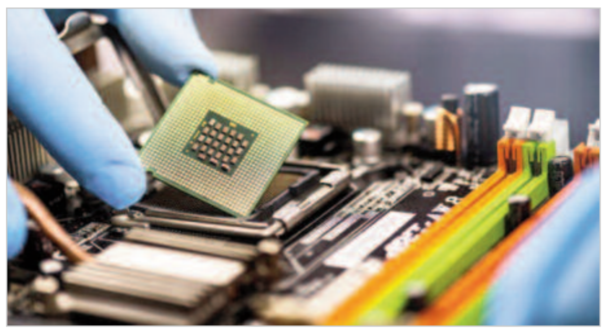

नई दिल्ली । भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग में 7 नैनोमीटर (7एनएम) और उससे उन्नत चिप निर्माण तकनीक हासिल करने के लिए अगले 5 से 7 वर्षों में एक स्पष्ट खाका तैयार किया है। सरकार की 15 साल की योजना का उद्देश्य भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक दिग्गज बनाना है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार तकनीक लाने और बातचीत के प्रयास जारी हैं। देश के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक टाटा समूह, 91,000 करोड़ रुपये के निवेश से पहला वेफर फैब्रिकेशन प्लांट स्थापित कर रहा है। इस प्लांट में 28 नैनोमीटर और उससे ऊपर की चिप्स का उत्पादन होगा, जो देश की सेमीकंडक्टर उत्पादन क्षमता के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। नैनोमीटर ट्रांजिस्टर के आकार को मापने की इकाई है। ट्रांजिस्टर जितना छोटा होगा, उतनी अधिक संख्या में वे चिप पर पैक किए जा सकेंगे। इससे चिप का प्रदर्शन बेहतर होगा, बिजली की खपत कम होगी और कार्यक्षमता बढ़ेगी। आईबीएम और बेल्जियम की आईएमईसी के साथ भारत सरकार की बातचीत चल रही है। आईबीएम ने 2023 में भारत के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत घरेलू अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक साझेदारी की है। आईबीएम ने दुनिया की पहली 2 नैनोमीटर चिप विकसित की है और जापानी कंसोर्टियम रैपिडस कॉरपोरेशन के साथ 2 एनएम तकनीक पर काम कर रहा है। आईएमईसी, जो टीएसएमसी, इंटेल और रैपिडस जैसी कंपनियों के साथ कार्यरत है, भारत को तकनीकी सहायता प्रदान करेगा।

उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई ने पेश किए नए मॉडल

नई दिल्ली ।

शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में उपभोक्ताओं की बदलती मांग को देखते हुए हुंडई मोटर इंडिया ने लगातार नए मॉडल और अपडेट पेश कर रही है। हुंडई इंडिया ने 1996 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और आज यह हर साल लाखों ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। कंपनी की रणनीति सिर्फ नई कारें लॉन्च करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझते हुए डिजाइन, तकनीक और किफायत पर भी ध्यान देती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण क्रेटा है, जिसने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में बेजोड़ लोकप्रियता हासिल की।

जानकार मानते हैं कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ते रुझान को देखते हुए हुंडई ने भी ईवी सेगमेंट पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कारों की रेंज में नए विकल्प पेश करने की तैयारी कर रही है। ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि भारतीय ग्राहकों का भरोसा और बाजार की तेजी ने हुंडई को आगे बढ़ाया है। साथ ही, कंपनी के डीलर नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी इसकी सफलता का अहम कारण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ सालों में जब इलेक्ट्रिक कारों की मांग और बढ़ेगी, तब हुंडई अपनी शुरुआती बढ़त को और मजबूत कर सकती है। फिलहाल, कंपनी का लक्ष्य हर सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराना है। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हुंडई मोटर इंडिया ने बीते वर्षों में मजबूत पकड़ बनाई है और आज कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता बन चुकी है।

खासतौर पर एसयूवी सेगमेंट में क्रेटा ने हुंडई को एक अलग पहचान दी है।

बालाजी वेफर्स में 10 फीसदी हिस्सा बेचेंगे प्रवर्तक

- डील की वैल्यूएशन 40,000 करोड़ रुपये तक

नई दिल्ली । गुजरात की प्रमुख स्नैक्स कंपनी बालाजी वेफर्स के संस्थापक विरानी बंधु अपनी लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहे हैं। कंपनी इस सौदे के लिए देश-विदेश की शीर्ष निजी इक्विटी फर्मों से बातचीत कर रही है। यह सौदा करीब 40,000 करोड़ रुपये (लगभग 5.3 अरब डॉलर) के मूल्यांकन पर हो सकता है। कंपनी का यह कदम देशभर में कारोबार के विस्तार और विकास के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। बालाजी वेफर्स के प्रवर्तक हल्दीराम के हालिया सफल सौदे से प्रेरित हैं। मार्च 2024 में हल्दीराम ने 10 अरब डॉलर के मूल्यांकन पर अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 1 अरब डॉलर जुटाए थे। इस कदम ने स्नैक्स और पैकेज्ड फूड सेक्टर में नया बेंचमार्क स्थापित किया है, जिससे बालाजी वेफर्स के मूल्यांकन और निवेश की संभावनाओं को बल मिला है। कंपनी परिवार द्वारा संचालित है, लेकिन विकास के अगले चरण के लिए पेशेवरों को बोर्ड में शामिल करने

पर भी विचार चल रहा है। इसके अलावा, बालाजी वेफर्स 5-6 साल के अंदर सार्वजनिक सूचीबद्धता (आईपीओ) का भी विचार कर रही है, ताकि कंपनी के लिए और व्यापक पूंजी जुटाई जा सके।

सेबी की बोर्ड बैठक में बड़े आईपीओ और मिल्स सुधारों पर फैसला संभावित

- फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का खुल सकता है मार्ग

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) 12 सितंबर को अपनी अहम बोर्ड बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधार प्रस्तावों पर निर्णय ले सकता है। यह बैठक चालू वित्त वर्ष की दूसरी और चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय के नेतृत्व में तीसरी होगी। पांडेय ने उचित नियमन पर लगातार जोर दिया है और इस बैठक में भी इसी दिशा में कई पहल की संभावना है। सेबी म्युचुअल फंड्स के लिए रेगुलेशन 24बी में छूट देने पर विचार कर रहा है। इसमें एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को विदेशी संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले नॉन-ब्रॉड-बेस्ड फंड्स को मैनेज और एडवाइज करने की अनुमति मिल सकती है। इससे फैमिली ऑफिस फंड्स के मैनेजमेंट और ग्लोबल फंड्स के वितरण का मार्ग खुल सकता है। इसके अलावा, म्युचुअल फंड स्कीम के वर्गीकरण की समीक्षा भी संभावित है, जिससे निवेशकों को बेहतर विकल्प मिल सकेंगे। बड़ी कंपनियों के लिए आईपीओ प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सेबी डिल्यूशन नियमों में ढील देने और 25 फीसदी मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समय सीमा बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह कदम बड़े आईपीओ लाने वाली कंपनियों जैसे रिलायंस जियो इन्फोकॉम के लिए लाभकारी होगा, जिनकी हाल ही में आईपीओ की चर्चा शुरू हुई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के नियमों को सरल बनाने के साथ-साथ मार्केट इंफास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस की गवर्नेंस को मजबूत करने के उपाय भी बैठक में प्रस्तावित हैं। इसमें कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति और उनकी जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन शामिल होगा।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो । अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत विकास दर्ज किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा, जो प्रारंभिक अनुमान 1.0 प्रतिशत से दोगुना से अधिक है। इस वृद्धि के पीछे ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार में बढ़ोतरी मुख्य कारण रही। तिमाही आधार पर जीडीपी में 0.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो शुरुआती 0.3 प्रतिशत के अनुमान से बेहतर है। विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग और निर्यात के कारण जापान की अर्थव्यवस्था ने इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी स्थिरता बनाए रखी है।

सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अब्बल, निर्यात में गुजरात आगे

मुंबई । सीमेंट उत्पादन में मध्य प्रदेश अग्रणी राज्य है। मध्य प्रदेश में 80 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। इसके बाद राजस्थान में 74 आंध्र प्रदेश में 70 कर्नाटक में 60 गुजरात में 55 एमटीपीए सीमेंट का उत्पादन होता है। सीमेंट निर्यात के मामले में गुजरात अग्रणी राज्य है। यहां से 10 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात तथा मध्य प्रदेश से 8 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेश में किया जाता है। गुजरात में पोर्ट होने से सीमेंट निर्यात में गुजरात को फायदा होता है। मध्य प्रदेश में कोई पोर्ट ना होने के कारण उत्पादन ज्यादा होने के बाद भी निर्यात कम होता है। राजस्थान से 6 आंध्र प्रदेश से 7 तथा कर्नाटक से 5 एमटीपीए सीमेंट का निर्यात विदेशों में किया जा रहा है। निर्यात के कारोबार में अंबुजा, सांघी,अल्ट्राटेक एसीसी, जेके सीमेंट डालमिया इत्यादि कंपनियों की भागीदारी सबसे ज्यादा है।

त्योहारों में ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने का अनुमान

मुंबई । त्योहारों के मौसम में शहरी परिवारों की खरीदारी के तरीकों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। लोकल सर्किल्स की रिपोर्ट के अनुसार इस बार ऑनलाइन और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले शहरी परिवारों की संख्या 115 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। जीएसटी दरों में कमी से खरीदारों की सकारात्मक धारणा और बढ़ी है, जिससे ऑनलाइन खरीदारी को और बढ़ावा मिल रहा है। कुल मिलाकर इस त्योहारी सीजन में खर्च का अनुमान 2.19 लाख करोड़ रुपये लगाया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 37 फीसदी शहरी परिवार इस दौरान 20,000 रुपये या उससे अधिक खर्च करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, ऑफलाइन खरीदारी अभी भी कई लोगों की पसंद बनी हुई है।

36000 करोड़ का मुनाफा कमाया ओएनजीसी ने

रूस से सस्ता तेल लेकर निर्यात कारोबार में उतरी कंपनी

मुंबई । आयल एवं नेचुरल गैस के खनन रिफाइनरी और निर्यात के कारोबार में ओएनजीसी ने 36226 करोड रुपए की कमाई की है। यह कमाई 2021-22 की तुलना में कम है। 2024-25 में कंपनी का मुनाफा 26 फ़ीसदी कम हुआ है। उसके बाद भी कंपनी ने 36000 करोड़ की कमाई की है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह के अनुसार रूस से सस्ती दरों में तेल आयात किया जा रहा है। ओएनजीसी कच्चा तेल खरीदकर सहायक कंपनियां मंगलौर रिफायनरी एंड केमिकल और हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के माध्यम से कारोबार कर रही है। 14 अगस्त 1956 को कंपनी की स्थापना हुई थी। यह सरकारी क्षेत्र की कंपनी है। कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग 71 फ़ीसदी की हिस्सेदारी इसी कंपनी की है। प्राकृतिक गैस का भी 70 से 84 फीसदी तक उत्पादन कंपनी कर रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में यह 3 लाख करोड रुपए मार्केट कैप वाली कंपनी है। 15 देश में इस कंपनी का कारोबार है।इस कंपनी में 26000 लोगों की टीम काम कर रही है।ओएनजीसी का शेयर 234 रुपए पर कारोबार कर रहा है। 52 हफ्तों का यह सबसे निचला स्तर है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान इस कंपनी का कारोबार तेजी के साथ बढा है। भारत की महारत्न कंपनियों की सूची में यह शामिल है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो शेयरों में खरीददारी से बाजार ऊपर आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 76.54 अंक बढ़कर 80,787.30 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.15 अंक ऊपर आकर 24,773.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी ऑटो 3.30 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.37 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.46 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

दूसरी ओर निफ्टी आईटी 0.94 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.21फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। आज लार्जकैप की जगह मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 285.95 अंक करीब 0.50 फीसदी की बढ़त के साथ 57,361.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 29.10 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 17,684.35 पर था।

सेंसेक्स पैक की बात करें तो आज टाटा मोटर्स, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, टीसीएस, पावर ग्रिड, फार्मा शेयर गिरे। आज बाजार तेजी से शुरु हुआ पर आईटी शेयरों में गिरावट के साथ ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया जिससे बाजार दबाव के कारण नीचे आने लगा और दिन के अंत में हल्की बढ़त पर बंद हुआ।

वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 200 अंकों की बढ़त के साथ 80,904 पर खुला, जबकि एनएसई निफ्टी 50 66 अंकों की तेजी के साथ 24,807 पर खुला। । पिछले हफ्ते विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने 5,667 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, लेकिन घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की 13,444 करोड़ रुपए की खरीदारी ने बाजार को मजबूती दी। एशियाई बाजारों में आज तेजी देखी जा रही है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.7 फीसदी ऊपर और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.21 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था। चीन का अगस्त ट्रेड डेटा भी आज जारी होगा। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में कमजोर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरा, डॉव जोन्स 0.48 फीसदी नीचे रहा, जबकि नैस्डैक कॉम्पोजिट 0.03 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

भारत में अगस्त 2024 में वाहनों की खुदरा बिक्री में मामूली वृद्धि

नई दिल्ली । अगस्त 2024 में भारत में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 19,64,547 इकाई रही, जो पिछले साल के इसी महीने 19,10,312 इकाई के मुकाबले 2.84 प्रतिशत अधिक है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार यह वृद्धि वाहन बाजार में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। पैसेंजर वाहनों की बिक्री अगस्त में 3,23,256 इकाई हुई, जो पिछले साल की तुलना में 0.93 प्रतिशत अधिक है। वहीं, दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 13,73,675 इकाई रही, जिसमें 2.18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। दोपहिया वाहन खंड में मांग बढ़ने का मुख्य कारण ओणम और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहारों का उत्सव रहा। हालांकि, उत्तर भारत में भारी बारिश और बाढ़ के कारण ग्रामीण इलाकों में मांग प्रभावित हुई। कमर्शियल वाहनों की बिक्री में अगस्त में 8.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 75,592 इकाई रही। इसके विपरीत, तिपहिया वाहनों की बिक्री में 2.26 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,03,105 इकाई पर रह गई। फाडा ने बताया कि ऐतिहासिक 'जीएसटी 2.0' सुधारों के कारण ग्राहक कीमतों में कमी की उम्मीद के साथ खरीदारी को सितंबर तक टाल रहे हैं। हालांकि, बाजार की समग्र धारणा स्थिर बनी हुई है और डीलरों को त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद है। फाडा के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि अगस्त में त्योहारों ने बाजार में उत्साह बढ़ाया है, लेकिन जीएसटी सुधारों की वजह से कुछ मांग में देरी हुई है। उन्होंने वाहनों पर हालिया जीएसटी कटौती का स्वागत किया और आगामी महीनों में बिक्री में तेजी आने की संभावना जताई।

ऑडी इंडिया ने कारों के भाव 2.6 से 7.8 लाख तक घटाए

नई दिल्ली । र्मनी की लग्जरी कार निर्माता ऑडी ने भारत में अपने मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक की कटौती की घोषणा की है। यह बदलाव 'जीएसटी 2.0' लागू होने के बाद किया गया है। ई कीमतों के तहत ऑडी की लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 की कीमत 43.07 लाख रुपये हो गई है, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। वहीं क्यू8 एसयूवी की कीमत 1.1 करोड़ रुपये से शुरू होगी, जो पहले 1.18 करोड़ थी। क्यू5, क्यू7 और सेडान मॉडल ए4 व ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है। कंपनी ने बताया कि ग्राहक मॉडल के अनुसार 2.6 लाख रुपये से 7.8 लाख रुपये तक का लाभ उठा सकेंगे। इससे भारतीय लग्जरी कार बाजार में ग्राहकों को बेहतर विकल्प मिलेंगे।

बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक को इंतजार के बाद मिलेगी अकूत दौलत

-एक बिटकॉइन की कीमत 2.1 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी

नई दिल्ली।

बिटकॉइन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है। इसकी मार्केट कैपिटल 2.2 ट्रिलियन डॉलर है, जो इस समय सर्कुलेशन में मौजूद सभी कॉइन और टोकन की कुल वैल्यू के आधे से भी ज्यादा है। सभी कॉइन की कुल मार्केट कैपिटल करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर है। इस समय बिटकॉइन का रेट करीब 1.10 लाख डॉलर है, जो भारतीय करेंसी में करीब 97 लाख रुपए के बराबर बनता है। आप सोच रहे होंगे कि इतनी महंगी क्रिप्टोकरेंसी के रेट और क्या बढ़ेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल बिटकॉइन ट्रेजरी कंपनी माइक्रोस्ट्रेटजी के को-फाउंडर माइकल सैलर ने कहा था कि 2045 तक एक बिटकॉइन की कीमत 1.3 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। फिर जून में एक सम्मेलन में, सैलर ने अपने टार्गेट प्राइस को संशोधित कर 2.1 करोड़ डॉलर कर दिया था। अगर सैलर का जून वाला अनुमान सही साबित होता है, तो आज बिटकॉइन खरीदने वाले निवेशक अगले 20 सालों में 18,800फीसदी का शानदार रिटर्न कमा सकते हैं यानी उनकी दौलत 188 गुना हो जाएगी, जिससे इस समय मात्र 53000 रुपए का निवेश एकए करोड़ रुपए का बन जाएगा। इसके लिए सैलर ने तर्क भी दिया है।

माइकल सैलर को लगता है कि दुनिया की हर एसेट आखिरकार ब्लॉकचेन पर टोकनाइज होगी, क्योंकि इससे पारदर्शिता और एफिशिएंसी बढ़ेगी। जैसे अमेरिका में रियल एस्टेट होल्डिंग्स का कोई सेंट्रलाइज्ड रजिस्टर नहीं है, यही एक कारण है कि घर खरीदने में महंगी कानूनी फीस और लंबी जांच-पड़ताल की प्रोसेस होती है। सैलर के मुताबिक हर रियल एस्टेट लेनदेन को ब्लॉकचेन पर रखने से पारदर्शिता में सुधार के साथ-साथ इन कॉस्ट में से कुछ को कम किया जा सकेगा।

रिपोर्ट में सैलर ने बताया कि हर देश की सरकार को इस नजरिए के लिए एक कानूनी ढांचा बनाने के लिए राजी करना मुश्किल होगा, लेकिन उनका मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के क्रिप्टो समर्थक प्रशासन की बदौलत अमेरिका इस दिशा में लीडर की भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए।

जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज बिल्कुल निष्प्रभावी रहे।

415 रन के लक्ष्य का सामना करने उतरी दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दक्षिण अफ्रीका 20.5 ओवर में महज 72 रन पर सिमट गई। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट इतिहास की यह सबसे बड़ी हार है। कॉर्बिन बोश 20 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष स्कोरर रहे।

आर्चर ने 9 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। आदिल रशीद ने 3 और ब्रायडन कार्स ने 2 विकेट लिए। टेंबा बवुमा ने बल्लेबाजी नहीं की। 3 वनडे मैचों की इस सीरीज की विजेता दक्षिण अफ्रीका रही। दक्षिण अफ्रीका ने पहले और दूसरे वनडे में इंग्लैंड को हराया था। 27 साल में यह पहला मौका है, जब दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को उसके घर में वनडे सीरीज में मात दी है। केशव महाराज प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे।

एशिया कप पर अय्यर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हकदार होने के बावजूद टीम से बाहर रहना निराशाजनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि यह चूक निराशाजनक थी। अय्यर ने कहा कि वह वापसी के लिए कड़ी मेहनत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अय्यर को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इसके बजाय वह इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैचों में भारत ए की अगुवाई करेंगे।अय्यर ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'यह तभी निराशाजनक होता है जब आपको पता होता है कि आप टीम में प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार हैं। उस समय यह निराशाजनक होता है। लेकिन साथ ही जब आपको पता होता है कि कोई टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है तो आप उसका समर्थन करते हैं। आखिरकार लक्ष्य टीम की जीत होती है और जब टीम जीत रही होती है, तो सभी खुश होते हैं।' हाल के वर्षों में अय्यर सभी प्रारूपों में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने के बाद उन्होंने 2025 में पंजाब किंग्स की ओर रुख किया और उन्हें फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि पंजाब किंग्स खिताब से चूक गई लेकिन अय्यर की कप्तानी की खासकर उनकी रणनीतिक सजगता और दबाव में धैर्य की व्यापक प्रशंसा हुई। अय्यर भारतीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए और कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित हैं। घरेलू सीजन और ऑस्ट्रेलिया के महत्वपूर्ण दौरे के साथ इस स्टाइलिश दाएं हाथ के बल्लेबाज के पास अपनी योग्यता साबित करने और सीनियर टीम में वापसी करने का एक और मौका है। अय्यर ने एक बल्लेबाज के रूप में काफी विकास किया है।

एशिया कप : भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिंगापुर को 12-0 से हराया, नवनीत और मुमताज ने 3-3 गोल दागे

बीजिंग (ईएमएस)। नवनीत कौर और मुमताज खान के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने चीन में खेले जा रहे एशिया कप महिला हॉकी टूर्नामेंट के अपने तीसरे मुकाबले में सिंगापुर को 12-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही पूल बी से भारतीय टीम का सुपर चार में पहुंचना तय हो गया है। भारत की और से नवनीत और मुमताज ने तीन-तीन गोल किये। मुमताज ने मैच के दूसरे ही मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद नवनीत ने मैच के 14वें, 18वें और 28वें मिनट में तीन गोल दाग दिये। वहीं मुमताज ने 32वें और 38वें मिनट में दो गोल और दाग दिये। वहीं लालरेम्सियामी ने 13वें, उदिता ने 29 वें जबकि शर्मिला देवी ने 45वें मिनट और ऋतुजा पिसल ने 52वें मिनट में गोल किये। नेहा ने 11वें और 38वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से हराया था जबकि जापान से उसका दूसरा मैच 2-2 से बराबरी पर रहा था। मैच में पूरी तरह से भारतीय टीम हावी रही। सिंगापुर की टीम केवल चौथे क्वार्टर में ही कुछ हद तक मुकाबला कर पायी।

टेबल टेनिस : अंडर-15 डबल्स में अनन्या-दिव्यांशी को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 6 पदक

नई दिल्ली। भारत की अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने उत्तरी मैसेडोनिया की राजधानी स्कोप्जे में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ स्टार कंटेंडर में अंडर-15 गर्ल्स डबल्स का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। एक रोमांचक और कड़े फाइनल मुकाबले में उन्होंने चीन की झाओ वांगकी और लियू ज़ीलिंग को 3-2 के स्कोर से हराया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही, भारत ने टूर्नामेंट में 1 स्वर्ण, 2 रजत और 3 कांस्य पदक सहित कुल 6 मेडल अपने नाम किए। यह फाइनल मैच भारतीय जोड़ी के धैर्य और दृढ़ता का एक बेहतरीन उदाहरण था। शुरुआती गेम जीतने के बाद, चीनी जोड़ी ने जबरदस्त वापसी की। लेकिन, निर्णायक गेम में अनन्या और दिव्यांशी ने शांत रहते हुए खेला और कई मैच पॉइंट बचाए। उन्होंने अंतत: 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 के स्कोर से जीत हासिल की, जिससे भारत को सबसे बड़ा सम्मान मिला। इससे पहले सेमीफाइनल में, इस जोड़ी ने अपने ही देश की खिलाड़ियों, रियाना भूटा और अंकौलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रियाना और अंकौलिका ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। भारत की पदक तालिका को पी.बी. अभिनंद (अंडर-19) और ऋत्विक गुप्ता (अंडर-15) ने अपने-अपने सिंगल्स मुकाबलों में रजत पदक जीतकर और मजबूत किया। डबल्स मुकाबलों में भी भारत के लिए और मेडल आए। पी.बी. अभिनंद और सिंड्रेला दास ने अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स में कांस्य पदक जीता, जबकि ऋत्विक गुप्ता और साहिल रावत ने अंडर-15 बॉयज़ डबल्स में भी कांस्य पदक हासिल किया। कुल मिलाकर, भारतीय टीम ने दक्षिण-पूर्वी यूरोप के देश उत्तरी मैसेडोनिया में आयोजित इस टूर्नामेंट में एक सराहनीय प्रदर्शन किया और भविष्य के लिए बड़ी उम्मीदें जगाईं।

दलीप ट्रॉफी : जगदीशन और पडिक्कल के जाने के बाद फाइनल में साउथ जोन में दो स्टार खिलाड़ी शामिल

आगामी दलीप ट्रॉफी फाइनल की तैयारी के लिए जगदीसन और पडिक्कल के भारत ए टीम में शामिल होने के बाद साउथ जोन की टीम ने दो होनहार बल्लेबाज कर्नाटक के रविचंद्रन स्मरण और तमिलनाडु के आंद्रे सिद्धार्थ को टीम में शामिल किया। दलीप ट्रॉफी के खिताबी मुकाबला में साउथ जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा। जो 11 सितंबर से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पर खेला जाएगा। एन जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज जगदीशन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 197 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम के 536 रनों के स्कोर में अहम योगदान दिया। इस प्रदर्शन की बदौलत साउथ जोन ने फाइनल में जगह बनाई। पडिक्कल ने भी दोनों पारियों में 57 और नाबाद 16 रन बनाकर महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ए टीम के दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों के लिए जगदीशन और पडिक्कल के चयन के बाद स्मरण और सिद्धार्थ को मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला 19 सितंबर से शुरू होगी।

दलीप ट्रॉफी फाइनल के लिए साउथ जोन की टीम- मोहम्मद अज़हरुद्दीन (कप्तान और विकेटकीपर), रिकी भुई (उप-कप्तान), रविचंद्रन स्मरण, काले एम, शेख रशीद, तन्मय अग्रवाल, सलमान निज़ार, आंद्रे सिद्धार्थ, तनय त्यागराजन, गुरजापनीत सिंह, एमडी निधिश, वासुकी कौशिक, अंकित शर्मा, टी विजय, बासिल एनपी।

रवि शास्त्री नहीं चाहते ओपनिंग जोड़ी में बदलाव, कहा- 'सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा खतरनाक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री टी20 एशिया कप में सलामी जोड़ी में बदलाव नहीं चाहते। शास्त्री चाहते हैं कि टीम प्रबंधन अभिषेक शर्मा के सलामी जोड़ीदार के रूप में संजू सैमसन को ही बरकरार रखे। अगर शुभमन गिल प्लेइंग इलेवन में जगह बनाते हैं तो शास्त्री का मानना हैं कि गिल किसी और की जगह बल्लेबाजी करने आए।

शास्त्री ने मीडिया से बातचीत दौरान कहा, 'सैमसन शीर्ष तीन में सबसे खतरनाक हैं। यही पर वह आपको मैच जिताते हैं। उन्हें वहीं छोड़ देना चाहिए। सैमसन की जगह गिल को लाना इतना आसान नहीं होगा। सैमसन का टी20 में भारत के लिए शीर्ष क्रम में अच्छा रिकॉर्ड है। गिल के लिए भी उन्हें हटाना मुश्किल होगा। गिल किसी और की जगह आ सकते हैं। लेकिन सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अकेला छोड़ देना चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'सैमसन को उसी तरह खेलना जारी रखना चाहिए जैसा उन्होंने टी20 में भारत के लिए खेला है। वह शीर्ष क्रम में लगातार बड़े रन और शतक बना रहे हैं।'

गौर है कि 30 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में पदोन्नत होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन किया है। अब तक उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सलामी बल्लेबाज के रूप में तीन शतक बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज के रूप में 17 मैचों में उन्होंने 31.76 की औसत और 178.76 के स्ट्राइक रेट से 520 रन बनाए। सैमसन ने हाल ही में हुई केरल क्रिकेट लीग 2025 में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए शानदार फॉर्म हासिल की। उन्होंने पांच पारियों में 73.60 की औसत और 186.80 के स्ट्राइक रेट से 368 रन बनाए। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक भी लगाए।

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

दुबई (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क- वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और %यूनिवर्स बॉस% के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है।

गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, %ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।%

गेल ने याद करते हुए कहा, %तो मुझे पता है कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है। आपका मानसिक स्वास्थ्य पैसे से ज्यादा महत्वपूर्ण है। मैंने अनिल (अनिल कुंबले) को फोन किया। मैंने एक-एक करके चर्चा की और कहा कि सुनो मैं जा रहा हूं क्योंकि उसी समय मेरे पास विश्व कप भी था और हम एक बुलबुले में थे। इसलिए आप बाहर नहीं आ सकते थे इसलिए आपका मानसिक संतुलन बस जा रहा था। यह वास्तव में बहुत ही हैरान करने वाला था और आपको नष्ट कर रहा था। मैं अंदर से टूट गया था और मुंबई के खिलाफ खेले गए आखिरी गेम के बाद मैं ऐसा था। मैं शांति पाने के बजाय खुद को और नुकसान पहुंचाने वाला हूं।'

गौर है कि गेल के नाम सबसे ज्यादा टी20 शतक और सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 463 मैचों में 36.22 की औसत से 14,562 रन बनाए हैं जिनमें 22 शतक और 88 अर्धशतक शामिल हैं। उनके पूर्व साथी पोलार्ड (14,145 रन) और इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (14,047 रन) भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं।

भारतीय टीम एशिया कप जीतेगी : गावस्कर

-शुभमन के भी एशिया कप में भी बेहतर प्रदर्शन का भरोसा जताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मनाना है कि भारतीय टीम एशिया कप में अपने मैच आसानी से जीत जाएगी। गावस्कर ने कहा, अगर भारतीय टीम अपने मैच आराम से नहीं जीत पाती है तो मुझे हैरानी होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का रहा है उससे वह अन्य टीमों से कहीं आगे हैं। भारतीय टीम को यहां पाकिस्तान के अलावा बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका से भी टक्कर मिलेगी। इसके बाद भी पिछले कुछ साल में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से शानदार प्रदर्शन किया है। उससे वह एशिया कप में खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। वहीं इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। गावस्कर के अनुसार शुभमन में टी20 में भी अच्छी बल्लेबाजी करने की क्षमताएं हैं। वहीं इससे पहले कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने कहा था टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर उनको टी20 टीम में शामिल करना ठीक नहीं है। वहीं गावस्कर का मानना है कि जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने इंग्लैंड के टेस्ट दौरे में किया था। उसके बाद से ही टी20 के लिए भी उनकी दावेदारी पक्की हो गयी थी। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने जिस तरह से टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की है जिसे देखते हुए किसी को भी उनकी क्षमताओं पर संदेह नहीं होना चाहिये। आईपीएल में टी20 फॉर्मेट में वह काफी सफल रहे है। उन्होंने गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए काफी रन बनाये हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब, बने नंबर 1

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की।

यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की।

अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

वर्कलोड मैनेजमेंट पर बोले शार्दुल ठाकुर, कोई यह नहीं पूछता हमारा शरीर कैसा महसूस करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने वर्कलोड मैनेजमेंट पर अपनी राय दी है। शार्दुल का मानना है कि खिलाड़ियों को हल्के में लिया जाता है। उन्हें शरीर को नियंत्रित रखने और उसे चोट से मुक्त रखने के लिए जरूरी लगातार ब्रेक नहीं मिलते।

हाल ही में वर्कलोड मैनेजमेंट एक तीखी बहस का हिस्सा रहा। कई पूर्व क्रिकेटरों ने जसप्रीत बुमराह द्वारा इंग्लैंड के खिलाफ पांच में से तीन टेस्ट मैचों के लिए खुद को उपलब्ध रखने की आलोचना की। वही शार्दुल का मानना है कि वर्कलोड मैनेजमेंट किया जाना चाहिए।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के आखिरी दिन वेस्ट जोन के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा, 'कई बार हमें हल्के में लिया जाता है और प्रबंधन उच्चतम स्तर का नहीं है। इतने महीनों तक खेलने के बाद कोई भी हमसे आकर यह नहीं पूछता कि हमारा शरीर कैसा महसूस कर रहा है। लेकिन हां मैं फिजियो और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के साथ अपने शरीर का प्रबंधन कर रहा हूं और लगातार काम कर रहा हूं।'

गौर है कि चोट से वापसी के बाद शार्दुल रणजी ट्रॉफी 2024-25, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए उनके प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में खेला। इसके बाद वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ बहु-दिवसीय मैचों के लिए भारत ए का हिस्सा थे। दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में खेलने से पहले उन्होंने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 में दो टेस्ट मैच खेले।

भारत ने चौथी बार जीता हॉकी एशिया कप, फाइनल में कोरिया को 4-1 से हराया

राजगीर (एजेंसी)। बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में खेले गए हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम चैंपियन रही है। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने कोरिया को 4-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने विश्व कप हॉकी का टिकट भी कटा लिया है। भारतीय टीम के लिए दिलप्रीत सिंह ने दो जबकि सुखजीत सिंह और अमित रोहिदास ने एक-एक गोल किया।

भारत ने मैच के पहले ही मिनट में गोल कर दिया। हरमनप्रीत सिंह ने कोरियाई डिफेंडर को छकाते हुए सुखजीत को पास दिया। उन्होंने टॉप कॉर्नर को बैकहैंडर से टॉमहॉक मारा। उनके शॉट का कोरियाई गोलकीपर के पास जवाब नहीं था और गेंद गोल पोस्ट में समा गई। पहले क्वार्टर की समाप्ति पर भारतीय टीम 1-0 से आगे रही। दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में भारत के लिए दिलप्रीत ने गोल दागा। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-0 से आगे रही।

दूसरे हाफ की शुरुआत में भारतीय टीम अटैक के साथ-साथ कोरियाई खिलाड़ियों को रोकने की रणनीति के तहत खेल रही थी। तीसरे क्वार्टर की समाप्ति से ठीक पहले भारत ने तीसरा गोल दागा। गोल दिलप्रीत ने मारा था। भारत की बढ़त 3-0 की हो गई। चौथे क्वार्टर में भारत के लिए चौथा गोल अमित रोहिदास ने किया। चौथे क्वार्टर के अंत में कोरिया की तरफ से एकमात्र गोल किया गया। समय समाप्ति की घोषणा के साथ ही भारतीय टीम कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ एशिया चैंपियन बन गई।

भारतीय हॉकी टीम 8 साल बाद एशिया कप चैंपियन बनी है। वहीं, चौथी बार हॉकी इंडिया ने इस खिताब पर कब्जा जमाया है। भारत ने सबसे पहले 2003 में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था, जब फाइनल में उन्होंने पाकिस्तान को 4-2 से हराया था। इसके बाद उन्होंने 2007 में चेन्नई में टूर्नामेंट जीता। भारत ने आखिरी बार 2017 में मनप्रीत सिंह की अगुवाई में एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था। पिछले संस्करण में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर रही थी।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप अपनी सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगें।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट

2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता

5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल

50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन

रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें। कुछ हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन

1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से साथ खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा, बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं क्योंकि खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा, डायबिटिज, हाई बीपी, स्ट्रोक, दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन, पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों से कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता है। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिकनेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिकनेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुंड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां-बाप चाहते है कि उनकी बेटियां पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बनें। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां-बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे है। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया है और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता-पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां-बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते है।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले में भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती है।

'परम सुंदरी' ने वीकेंड पर लगाई छलांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म ने 9वें दिन छाप डाले इतने करोड़

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज हुए 9 दिन हो गए है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इसने वीकेंड पर भी करोड़ों रुपये का कलेक्शन किया है। जानिए इसने 6 सितंबर, शनिवार को इसने कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। पढ़ें ये रिपोर्ट।

'परम सुंदरी' बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 9

दिल्ली का लड़का परम (सिद्धार्थ मल्होत्रा) और साउथ इंडियन लड़की सुंदरी (जान्हवी कपूर)। फिल्म का नाम 'परम सुंदरी'। तुषार जलोटा के डायरेक्शन में बनी ये मूवी 29 अगस्त 2025 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। ओपनिंग डे पर 7.25 करोड़ रुपये से खाता खोला और अब 9वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है, आइये जानते हैं। पहले बता दें कि 'परम सुंदरी' प्रोड्यूस किया है।

'परम सुंदरी' की कहानी

कहानी दिल्ली में रहने वाले एक लड़के की है, जो बिजनेस की दुनिया में नाम कमाना चाहता है, लेकिन सारे आइडिया फ्लॉप हो जाते हैं। फिर उसे एक ऐप के बारे में पता चलता है, जो आपको आपके सोलमेट से मिलवाती है। परम इस ऐप को ट्राई करने के लिए अपनी सोलमेट से मिलने जाता है, जो साउथ इंडिया में रहती है। जब दोनों के बीच कुछ-कुछ होने लगता है तो परम को पता चलता है कि वो ऐप और ऐप बनाने वाला दोनों फ्रॉड हैं। तो क्या वो अब सुंदरी को छोड़ देगा या फिर यही उसका सच्चा प्यार है, ये जानने के लिए आपको पूरी फिल्म देखनी पड़ेगी।

परिणीति के चेहरे पर नजर आया प्रेग्नेंसी ग्लो

बॉलीवुड अदाकारा परीणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी मां बनने के बाद अनाउंसमेंट के बाद से ही सुर्खियों में हैं। अपने फैंस के साथ उन्होंने जैसे ही इस खबर को बताया कि वो मां बनने वाली हैं तो सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। अब इस ऐलान के बाद वो पहली बार किसी पब्लिक इवेंट में नजर आई हैं। एक कार्यक्रम में पहुंचीं परीणीति पारंपरिक काले अनारकली सूट में नजर आईं। उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो दिख रहा था। जैसे ही उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए, फैन्स ने सोशल मीडिया पर जमकर प्यार लुटाया।

इंस्टाग्राम पोस्ट से किया ऐलान

बता दें अभिनेत्री और उनके पति राघव चड्ढा ने बीते 25 अगस्त को इंस्टाग्राम पर अपने नए सफर की घोषणा की थी। उन्होंने एक प्यारे कैप्शन के साथ बताया था कि उनकी छोटी सी खुशी आने वाली हैं। इसके बाद से ही प्रशंसकों, दोस्तों और बॉलीवुड से जुड़ी हस्तियों ने उन्हें शुभकामनाएं भेजनी शुरू कर दीं।

परीणीति और राघव की प्रेम कहानी

यह रिश्ता भी कम दिलचस्प नहीं रहा। लंबे समय से एक-दूसरे को जानने के बावजूद उनकी नजदीकियां लंदन में हुए एक एलुमनाई इवेंट से बढ़नी शुरू हुईं। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और आखिरकार मई 2023 में दोनों ने दिल्ली में सगाई की। कुछ ही महीनों बाद, सितंबर में उदयपुर की झीलों के बीच उन्होंने करीबी रिश्तेदारों और दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए। शादी के बाद साझा की गई तस्वीरों में दोनों ने लिखा था कि हमारी पहली मुलाकात से ही दिलों ने कह दिया था कि यह सफर हमेशा का होगा।

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार जीतने के बाद भावुक हुई अनुपर्णा

महिलाओं को अवॉर्ड किया समर्पित

भारतीय फिल्म निर्देश अनुपर्णा रॉय ने देश का परचम लहराया है। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई एकमात्र भारतीय फिल्म- च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए अनुपर्णा को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान दिया गहया। क्यों खास है अनुपर्णा की ये उपलब्धि? क्या है फिल्म की कहानी? जानिए सबकुछ।

इटली में आयोजित 82वें वेनिस फिल्मः फेस्टिवल में भारत का डंका बजा है। पूरे देश लिए गर्व के इन लम्हों को सहेजने का श्रेय फिल्ममेकर अनुपर्णा रॉय को जाता है। उनकी फिल्म च्सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए उन्हें ओरिज़ोंटी सेक्शन का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार की घोषणा ओरिज़ोंटी जूरी की अध्यक्ष, फ्रांसीसी फिल्मकार जूलिया ड्यूकुर्नो ने समापन समारोह के दौरान की। भारतीय सिनेमा के लिए यह उपलब्धि महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

अवॉर्ड जीतने के बाद क्या बोलीं अनुपर्णा रॉय?: इस खिताब को जीतने के बाद नम आंखों के साथ अनुपर्णा रॉय ने अवॉर्ड उन सभी महिलाओं को समर्पित किया जो अपने खिलाफ हो रहे अत्याचार के खिलाफ या किसी भी मुद्दे पर अपनी आवाज नहीं उठा पाती हैं। अनुपर्णा रॉय ने कहा, 'यह फिल्म उन हर महिलाओं को समर्पित है, जिनकी आवाज कभी दबा दी गई, जिन्हें नजरअंदाज किया गया या कम आंका गया। मेरी कामना है कि यह जीत और अधिक आवाजों और ज्यादा कहानियों और महिलाओं को सिनेमा ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में और अधिक ताकत देने की प्रेरणा बने।'

प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित है फिल्मः अनुपर्णा रॉय की इस फिल्म से अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं। खास बात ये भी रही कि इस वर्ष के ओरिज़ोंटी सेक्शन में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म-सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' ही रही। मुंबई में प्रवासी महिलाओं की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में आधी आबादी के अकेलेपन, संघर्ष और क्षणिक रिश्तों के बीच जीने का रास्ता तलाशने की जिजिविषा को दिखाया गया है।

कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभारः इटली के वेनिस शहर में अवॉर्ड लेने मंच पर सफेद साड़ी में पहुंचीं अनुपर्णा रॉय ने देश के परिधान को भी सात समंदर पार खास तौर पर स्थान दिलाया। उन्होंने इस सम्मान को 'सपना सच होने जैसा लम्हा' बताया। उन्होंने जूरी, अपनी टीम, कलाकारों और अनुराग कश्यप का विशेष आभार व्यक्त किया।

ईशा गुप्ता ने पूरी की धमाल 4 की शूटिंग

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावैगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है। ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं।

अभिनेत्री निकिता घाग और उसके साथियों पर फिल्म निर्माता से बंदूक की नोक पर 10 लाख ट्रांसफर कराने का आरोप

बॉलीवुड से जुड़े अंधेरी वेस्ट इलाके में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने आरोप लगाया है कि अभिनेत्री निकिता घाग और उसके सहयोगियों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक की नोक पर 10 लाख रुपए जबरन ट्रांसफर करवाए। इस घटना के बाद अंबोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। फिल्म निर्माता कृष्णकुमार वीरसिंह मीणा उर्फ के. कुमार (48) ने मामला दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की शाम निकिता घाग 10 से अधिक लोगों के साथ उनके स्टूडियो, चित्रलेखा हेरिटेज पहुंची।

गणपति विसर्जन के बाद अक्षय कुमार ने किया ऐसा काम, यूजर्स ने की जमकर तारीफ

अक्षय कुमार को रविवार सुबह मुंबई के जुहू बीच पर कई लोगों के साथ देखा गया। वह गणपति विजर्सन कार्यक्रम के समापन के बाद यहां पहुंचे थे। जुहू बीच पर एक्टर ने ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी वाहा-वाही हो रही है। अक्षय कुमार सोशल मैसेज वाली फिल्मों के जरिए तो लोगों को अवेयर करते हैं। साथ ही वह समय-समय पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी भी समाज और देश को लेकर निभाते हैं। हाल ही में गणपति विजर्सन समापन के बाद एक्टर ने जुहू बीच पर कुछ ऐसा काम किया कि सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ होने लगी।

यूजर्स ने की खिलाड़ी कुमार की तारीफ

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार के इस प्रयास की सराहाना हो रही है। एक यूजर ने लिखा, अक्षय कुमार हमेशा अच्छा काम करते हैं।' अन्य यूजर ने अक्षय के लिए हार्ट और फायर इमोजी सोशल मीडिया पर साझा किए और एक्टर की पहल को सराहा है।

सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह गणेश विसर्जन के बाद जुहू बीच पर फैले कचरे को साफ करते हुए दिखाई दिए। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने इस क्लिन अप ड्राइव को होस्ट किया है। अक्षय कुमार के साथ वायरल वीडियो में वह भी सफाई करती हुई नजर आईं।

'अयोध्या रामलीला' में सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स इंडिया मनिका

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली मनिका विश्वकर्मा 'अयोध्या रामायण' में माता जानकी का रोल अदा करेंगी। उन्होंने खुशी जताते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा से यह अवसर मिला है। 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' का खिताब जीतने वाली मनिका विश्वकर्मा आगामी वार्षिक नाट्य समारोह 'अयोध्या रामलीला' में हिस्सा ले रही हैं। इस रामलीला में वे माता सीता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मालूम हो कि 'अयोध्या रामलीला' को दुनिया की सबसे बड़ी रामलीला माना जाता है। यह मौका मिलने पर मनिका बेहद खुश हैं और इसे श्रीराम की कृपा बता रही हैं।

मनिका ने फैंस से किया अनुरोध

अयोध्या की रामलीला के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें मनिका बोलती दिख रही हैं, 'जय श्रीराम, मैं अयोध्या की रामलीला में माता सीता का किरदार अदा करने जा रही हूं। यह मेरे लिए एक सौभाग्य की बात है कि भगवान श्रीराम के आशीर्वाद, बजरंगबली के आशीर्वाद और अयोध्यावासियों के आशीर्वाद से यह किरदार अदा करूंगी।

'यूजर्स के निशाने पर आई साई पल्लवी, 'मां सीता के लिए कास्टिंग खराब है...

साउथ की फेमस एक्ट्रेस साई पल्लवी हाल ही में एक अवॉर्ड शो में नजर आईं। उनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कुछ उनकी सादगी की तारीफ कर रहे हैं तो किसी को 'रामायणम्' में माता सीता के लिए उनकी कास्टिंग पसंद नहीं आ रही है। उनके वीडियो पर सभी के मिले-जुले रिएक्शन आ रहे हैं। साई पल्लवी के वायरल वीडियो पर यूजर्स ने खूब रिएक्ट किया है। एक ने कहा, 'पुरानी रामायण बेस्ट है।' दूसरे ने कहा, 'मां सीता के लिए इससे बुरा कोई विकल्प नहीं हो सकता।' अन्य ने कहा, 'मां सीता के लिए बेजान चेहरा अच्छी पसंद नहीं है! कास्टिंग बहुत खराब है।' हालांकि, साई पल्लवी के फैंस उनके सपोर्ट में हैं। उनका कहना है कि वो बहुत प्यारी दिख रही हैं और 'रामायण' में मां सीता के रोल के लिए परफेक्ट हैं।

जैन समाज के कार्यक्रम से एक करोड़ रुपए का कलश चुराने वाला भूषण गिरफ्तार

–आरोपी ने बताया एक नहीं तीन कलश हुए थे चोरी, एक बरामद दो की तलाश जारी

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला परिसर से चोरी हुए एक करोड़ के कलश मामले में क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर कलश बरामद कर लिया है। पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस औपचारिक तौर पर इसका ऐलान कर सकती है। क्राइम ब्रांच के सूत्र के मुताबिक फुटेज के आधार पर यूपी के हापुड़ से यह गिरफ्तारी की गई। गिरफ्तार किए गए शख्?स का नाम भूषण वर्मा है। पूछताछ में ये खुलासा हुआ है कि मौके से एक नहीं बल्कि तीन कलश चोरी हुए थे। हालांकि फिलहाल एक कलश बरामद हुआ है। बाकी दो कलश को बरामद करने के लिए क्राइम ब्रांच गाजियाबाद सहित कुछ अन्य लोकेशन पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। सूत्र के मुताबिक इस मामले की तफ्तीश के दौरान दो और आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी भूषण वर्मा जैन समाज से नहीं है, लेकिन वह अपने को जैन धर्म से जुड़ा हुआ दिखाने के लिए उनके जैसे कपड़े उसी पूजा अनुष्ठान के मुताबिक तैयार करके उस कार्यक्रम में पहुंचा था। सीसीटीवी में दिख रहा है कि जिस तरह से धोती और चुन्नी पहनी थी वह जैन समुदाय के लोग अपने अनुष्ठान, पूजा करने के दौरान पहनते हैं। आरोपी भूषण ने बेहद प्लानिंग के साथ इस वारदात को अंजाम दिया था।

दरअसल, चोरी हुआ यह कलश 760 ग्राम शुद्ध सोने से बना है, जिसमें 150 ग्राम हीरे, माणिक्य और पन्ना जड़े हुए थे। चोरी का मामला बीते मंगलवार को सामने आया था, जब कारोबारी सुधीर जैन रोजाना की तरह पूजा के लिए कलश लेकर आए थे। इस दिन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला भी पहुंचे थे। उनके स्वागत के दौरान हुई अफरा-तफरी में कलश मंच से गायब हो गया। सुधीर जैन ने बताया कि कलश उनकी निजी संपत्ति थी और इसे धार्मिक भावना से बनवाया गया था।

दिल्ली पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक, लाल किला परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध की गतिविधियां रिकॉर्ड हुई हैं। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान कर ली थी। पुलिस टीम ने मौके पर फॉरेंसिक जांच और गवाहों से पूछताछ भी की थी। यह अनुष्ठान जैन समुदाय द्वारा लाल किला परिसर में 15 अगस्त को पार्क में आयोजित किया जा रहा है, जो 9 सितंबर तक चलेगा। चोरी की घटना से समुदाय में आक्रोश था और लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े आयोजन में सख्ती से निगरानी रखी जानी चाहिए थी।

यह कलश केवल सोने और रत्नों से जड़ा आभूषण नहीं था, बल्कि जैन समाज के धार्मिक आयोजनों में प्रतिदिन होने वाले पूजन का अहम

हिस्सा था। आयोजन समिति के सदस्य पुनीत जैन ने बताया था कि यह कलश लंबे समय से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल किया जा रहा था और हर दिन पूजा-पाठ के दौरान विशेष मंच पर स्थापित किया जाता था। मंच पर केवल परंपरागत परिधान पहने अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है।

संबित पात्रा ने विपक्ष पर साधा निशाना और बोले– घुसपैठिया बचाओ आंदोलन चला रहा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वे घुसपैठियों के समर्थन में भाजपा नेताओं को धमकियां दे रहे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि विपक्ष अब घुसपैठिया बचाओ आंदोलन चला रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी की जो यात्रा निकली है, वह अब घुसपैठिया बचाओ यात्रा बन चुकी है। बीजेपी प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि चुनाव आयोग की विशेष मतदाता पुनरीक्षण ड्राइव (स्पेशल इंटेंसिव ड्राइव) से विपक्ष, खासकर कांग्रेस और गांधी परिवार, हताशा में आ गए हैं। इसी के चलते नेताओं के भड़काऊ बयान सामने आ रहे हैं। पात्रा ने झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी के बयान का हवाला देते हुए कहा, जो घुसपैठियों की बात करेगा, जो बांग्लादेशी कहेगा, भारतीय जनता पार्टी की कब्र हम झारखंड में खोद देंगे।

लोकतंत्र और समाज के लिए खतरा

बीजेपी प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि यह बयान सिर्फ धमकी नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और समाज दोनों के लिए बेहद खतरनाक संकेत है। उन्होंने अपील की कि कोलकाता हाईकोर्ट को इस मामले का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे नेताओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाना चाहिए। पात्रा ने विपक्ष पर देश की सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा किसी भी हालत में घुसपैठियों और उनके संरक्षण की राजनीति बर्दाश्त नहीं करेगी।

दिल्ली में बच्चा चोरी गैंग का भंडाफोड़, 12 गिरफ्तार, 6 मासूम बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बच्चों की तस्करी करने वाले संगठित गिरोह का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 6 मासूम बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस इस मामले में विस्तृत जानकारी देने की तैयारी में है। पुलिस के शुरुआती इनपुट के अनुसार यह गिरोह बेहद संगठित और अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय है। इसका नेटवर्क दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और मध्य प्रदेश तक फैला हुआ है। गिरोह में महिलाओं और पुरुषों दोनों की अहम भूमिका पाई गई है। जांच में सामने आया है कि गैंग के अलग-अलग सदस्य अलग-अलग जिम्मेदारियां निभाते थे। कुछ सदस्य, खासतौर पर महिलाएं, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, रेलवे स्टेशनों और अस्पतालों से बच्चों को चुराने का काम करती थीं। अन्य सदस्य ग्राहकों से संपर्क कर बच्चों की बिक्री का सौदा तय करते थे। गिरोह में नकली दस्तावेज तैयार करने वाले और फर्जी डॉक्टर/वकील भी शामिल थे, जो सौदे को कानूनी रूप देने की कोशिश करते थे।

2-3 लाख में बिकते थे मासूम

सूत्रों के मुताबिक, चुराए गए बच्चों को 2 से 3 लाख रुपये में नि:संतान दंपतियों या अन्य जरूरतमंदों को बेचा जाता था। कई बार इस धंधे में बिचौलिए भी शामिल होते थे, जो ग्राहकों तक बच्चों को पहुंचाने का काम करते थे।

बिहार में दिवाली-छठ पर चलेंगी 12 हजार स्पेशल ट्रेनें, लोगों को मिलेगी सुविधा

पटना (एजेंसी)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व पर बिहार के लिए 12000 से ज्यादा विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। उन्होंने एक्स लिखा कि इस साल विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8591 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। उन्होंने पीएम मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने सीएम नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की तारीफ भी की।

चंद्रग्रहण में बनाई मछली, धार्मिक कट्टरपंथियों ने घर पर कर दिया हमला

- महिलाओं के फाड़े कपड़े, पुरुषों को जमकर पीटा, घर में की तोड़फोड़

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के लिंगराज थाना क्षेत्र के नागेश्वर टांगी इलाके में चंद्रग्रहण के दिन मांसाहारी भोजन करने पर एक परिवार को भारी कीमत चुकानी पड़ी। करीब युवकों की भीड़ ने घर में घुसकर परिवार पर हमला कर दिया, कपड़े फाड़े और बुरी तरह पीटा। पीड़ित परिवार का कहना है कि वे अपने घर में खाना बनाकर खा रहे थे, लेकिन उन्हें हेतुवादी या तर्कवादी कहकर निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार का कहना है कि उन्होंने चंद्रग्रहण को वैज्ञानिक और तार्किक नजरिए से देखा और रोज की तरह चिकन बिरयानी और मछली पका रहे थे। लेकिन इस बात से कुछ हिंदू धार्मिक कट्टरपंथी नाराज हो गए। कट्टरपंथियों का आरोप था कि परिवार हेतुवादी या तर्कवादी है यानी वे लोग जो धर्म और भगवान में विश्वास नहीं रखते। हमला करने वाले युवकों ने धार्मिक नारे भी लगाए और परिवार के सदस्यों से घसीट घसीट कर बुरा तरह पीटा। बताया गया कि भीड़ ने जबरन दरवाजा तोड़ दिया, खिड़कियों के शीशे चकनाचूर कर दिए और घर के अंदर घुसकर हमला किया। महिलाओं के कपड़े फाड़कर उनकी बेइज्जती की, पुरुषों को डंडों और लाठियों से पीटा। आस-पास के लोग डर से कुछ नहीं कर पाए। इस पूरी घटना से इलाके में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश की। हालांकि, तब तक परिवार के कई सदस्य घायल हो चुके थे और घर को काफी नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुलगाम में मुठभेड़ : सुरक्षा बलों ने एक आतंकी किया ढेर, एक जवान घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षा बलों ने आतंकियों को घेर लिया है। चारों तरफ से घिरे आतंकियों से हमारे बहादुर जवान लोहा ले रहे हैं। दोनों तरफ से हो रही फायरिंग में एक आतंकी ढेर हो गया है जबकि एक हमारा बहादुर जवान घायल हुआ है। यहां 3 से 4 आतंकी छिपे होने की सूचना है जिन्हे सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। दहशतगर्दों की ओर से गोलीबारी में सेना के तीन जवान घायल भी हुए हैं जिनमें एक अफसर रैंक के हैं। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती करा गया है। कश्मीर जोन पुलिस ने बताया कि कुलगाम के गुद्दर जंगल में दहशतगर्दों के होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके आधार पर सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो जंगल में छिपे आतंकी फायरिंग करने लगे। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई जिसका सेना की ओर से मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष कार्य बल (एसओजी), भारतीय सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन में शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में बीते दिनों सेना ने आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दी थी। घुसपैठ का यह प्रयास ऐसे समय में हुआ था, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बाढ़ के बाद हुई मौतों और तबाही का आकलन करने के लिए शीतकालीन राजधानी जम्मू के दौरे पर आए थे। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'तड़के करीब साढ़े पांच बजे बालाकोट के सामान्य इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध हलचल देखी गई।

दिल्ली की हवा में पारा सबसे ज़्यादा, किडनी और दिल के लिए खतरनाक

–छह साल की रिसर्च में हुआ खुलासा, धीरे-धीरे कम होने के संकेत भी मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित हो गई है कि सांस लेना अब और खतरनाक हो गया है। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट की छह साल की रिसर्च में पता चला है कि दिल्ली की हवा में पारा सबसे ज़्यादा है। पारा एक जहरीला धातु है जो तंत्रिका तंत्र, किडनी और हृदय के लिए बहुत ही नुकसानदेह है। रिसर्च में दिल्ली, अहमदाबाद और पुणे की हवा की तुलना की गई। इसके जो नतीजे आए वह हैरान करने वाले हैं।

रिसर्च ने बताया गया है कि दिल्ली में पारा का स्तर दक्षिण एशिया में अब भी सबसे ज्यादा है। दिल्ली की हवा में पारा का स्तर 6.9 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया है, जबकि अहमदाबाद में यह 2.1 और पुणे में 1.5 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है। दिल्ली का पारा स्तर वैश्विक स्तर से 13 गुना ज्यादा था। रिसर्च में बताया गया कि इन शहरों में पारा का 72 फीसदी से 92फीसदी हिस्सा मानव गतिविधियों जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योगों के कारण है। सर्दियों में और रात के समय पारा की मात्रा बढ़ जाती है, जो कोयला जलाने, पराली जलाने और स्थिर मौसम की वजह से होता है।

आईआईएससी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के चेयर प्रोफेसर गुफ़रान बीग ने कहा कि पारा डब्ल्यूएचओ के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 10 खतरनाक रसायनों में शामिल है। अगर छोटे मात्रा में भी 5-10 साल तक सांस के जरिए एक्सपोज़र होता रहे, तो यह खतरनाक साबति हो सकता है। लंबे समय तक पारा सांस लेने से तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र, इम्यून सिस्टम, किडनी और फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है।

दिल्ली की हवा में पारा का स्तर सबसे ज्यादा है, जबकि अहमदाबाद और पुणे में कम पाया गया। वैज्ञानिकों का दावा है कि हाल के वर्षों में धीरे-धीरे कमी का संकेत भी मिला है। दिल्ली की हवा में पारा बढ़ने का मुख्य कारण मानव गतिविधियां जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योग हैं। सर्दियों और रात के समय पारा का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग, किडनी, फेफड़े, हृदय और पाचन तंत्र पर गंभीर असर डाल सकता है।

चिदंबरम ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर उठाए सवाल, कहा- आयोग का काम हलफनामे या माफ़ी मांगने का अल्टीमेटम देकर चुनौती देना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार पर एक नया हमला बोला। उन्होंने तीन पूर्व चुनाव निगरानीकर्ताओं की दुर्लभ सार्वजनिक आलोचना का सहारा लिया, जिन्होंने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों से निपटने के तरीके को गलत बताया था। चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग का काम गंभीर शिकायतों की जाँच करना है, न कि विपक्ष के नेता को हलफनामे या माफ़ी मांगने का अल्टीमेटम देकर चुनौती देना। चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों द्वारा की गई कड़ी आलोचना का हवाला दिया। उनके अनुसार, पूर्व चुनाव अधिकारियों ने कुमार के रुख की कड़ी आलोचना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि अगर किसी नागरिक या हितधारक ने कोई ठोस शिकायत की है, तो

चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह शिकायतकर्ता को चुनौती देने के बजाय उसकी जाँच करे।

उनका यह ट्वीट ऐसे समय आया है जब तीन पूर्व चुनाव आयुक्तों ने कहा है कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का रवैया सही नहीं है। एसवाई कुरैशी और ओपी रावत और पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने जोर देकर कहा कि भारत के चुनाव 'काफी हद तक स्वतंत्र और निष्पक्ष' हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 'वोट चोरी' जैसे दावे राजनीतिक बयानबाजी हैं, जो हर चुनावी मौसम में सामने आते हैं। एसवाई कुरैशी ने कहा था कि वोटर लिस्ट को लेकर चिंताएं जायज हैं। मैंने हमेशा कहा है कि वोटर लिस्ट हमारी कमजोर रीढ़ हैं। ये भारत के चुनावों और उनकी विश्वसनीयता की नींव हैं। जब तक वोटर लिस्ट सटीक और साफ-सुथरी नहीं होंगी, चुनावों को भरोसेमंद नहीं माना जा सकता।

तीनों पूर्व चुनाव अधिकारियों ने वोटर लिस्ट की व्यवस्थित जांच (SIR) के कॉन्सेप्ट का बचाव किया था। लेकिन उन्होंने बिहार में इसकी टाइमिंग और प्रक्रिया पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में 'गलतियां होना स्वाभाविक है' और चुनाव से ठीक पहले इसे विवाद का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

बिहार विस चुनाव: विपक्षी गठबंधन में जेएमएम और लोजपा(पशुपति) के जुड़ने से बढ़ी चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी) जैसे-जैसे बिहार विधानसभा चुनाव नज़दीक आते जा रहे हैं, सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी महागठबंधन - दोनों खेमों में सीट बंटवारे की कवायद तेज हो गई है। एनडीए में जहां चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की मांगों से बातचीत कठिन हो रही है, वहीं विपक्षी महागठबंधन में अब दो और दल जुड़ गए हैं - झारखंड मुक्ति मोर्चा (हेमंत सोरेन) और लोजपा (पशुपति पारस गुट)। महागठबंधन में पहले से ही राजद, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले) और वीआईपी मौजूद थे। अब झामुमो और पारस गुट के जुड़ने से दलों की संख्या 8 हो गई है। यानी अब राज्य की 243 विधानसभा सीटों का बंटवारा आठ पार्टियों के बीच करना होगा, जो सहमति तक पहुँचना और भी कठिन बना देगा। वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने इस बार 50 सीटें और डिप्टी सीएम पद की मांग कर दी है। साथ ही उनकी इच्छा है कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और उन्हें उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया जाए। हालांकि सूत्रों का कहना है कि सहनी को 20-25 सीटों से ज़्यादा मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पिछली बार वे 11 सीटों पर लड़े थे और सिर्फ 4 जीत पाए थे। कांग्रेस को भी इस बार 70 की जगह 50-60 सीटों के अंदर संतोष करना पड़ सकता है, बशर्ते सीटें ÷विजयी संभावना÷ वाली हों। वहीं, भाकपा (माले) अपनी बेहतर जीत दर यानी पिछली बार बेहतर स्ट्राइक रेट को देखते हुए ज़्यादा सीटों की मांग कर रही है। महागठबंधन का कुनबा बढ़ा जरूर है, लेकिन सीटों के बंटवारे का गणित और कठिन हो गया है। तेजस्वी यादव के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती होगी - सभी दलों को साधकर चुनाव मैदान में उतरना। पशुपति पारस को उनके गढ़ खगड़िया अलौली और हाजीपुर सीटें दी जा सकती हैं। वे अलौली से कई बार विधायक रहे हैं।

कर्नाटक में फार्म-7 के जरिए वोट काटने का फर्जीवाड़ा उजागर, चुनाव आयोग पर उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रणाली पर टिकी है, लेकिन कर्नाटक से एक सनसनीखेज मामला चुनाव आयोग की गंभीर खामियों को उजागर करता है। जांच में पता चला है कि फार्म-7 का दुरुपयोग कर हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से फर्जी तरीके से हटाए गए। यह पूरा खेल महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबरों तथा गरुण एप सहित अन्य प्लेटफॉर्म्स के जरिए पोर्टल से मतदाताओं के नाम काट दिए गए।

कांग्रेस उम्मीदवार बी.आर. पाटिल ने 2018 में आनंद विधानसभा क्षेत्र से 697 वोटों से हार के बाद इस मामले को उठाया था। 2023 में दोबारा चुनाव के दौरान उन्होंने सीआईडी जांच की मांग की थी। जांच में सामने आया कि 6000 से अधिक फार्म-7 गरुण एप्लीकेशन के जरिये दाखिल किए गए, जिनमें से 5994 फर्जी पाए गए। यह फॉर्म राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल (NVSP), वोटर हेल्पलाइन और गरुण एप के माध्यम से भरे गए थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जिन लोगों के मोबाइल से फॉर्म भरे गए, उन्हें एप या प्रक्रिया की जानकारी तक नहीं थी। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के मोबाइल नंबरों से

लॉगिन कर कर्नाटक के मतदाताओं के नाम काटे गए। जिसके कारण वह मतदान से वंचित हो गए। इससे साफ हुआ कि चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली में न तो मल्टीफैक्टर ऑथेंटिकेशन था। नाहि आवेदकों की सही पहचान की कोई व्यवस्था।

जांच एजेंसियों ने चुनाव आयोग से आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी डाटा मांगा, लेकिन चुनाव आयोग से नहीं मिला। कई फॉर्म अधूरे होने के बावजूद चुनाव आयोग ने मंजूर किए, जिससे चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। चुनाव आयोग धोखाधड़ी करने वालों को क्यों बचाना चाहता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे को सार्वजनिक करने की कोशिश की, चुनाव आयोग ना जांच कर रहा है, नाहि डाटा दे रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के चुनावी तंत्र के लिए खतरे की घंटी है। जनता अब पूछ रही है कि क्या वोटरों की सुविधा के नाम पर बनाए गए एप और डिजिटल व्यवस्था वोट चोरी के फर्जीवाड़े का नया माध्यम बन रहे हैं? यदि समय रहते पारदर्शी और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है। संविधान और संबैधानिक संस्थाओं से लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा।

फिलहाल देशभर की निगाहें कर्नाटक सीआईडी, चुनाव आयोग और न्यायपालिका पर टिकी हैं, जो वोट काटने के इस रहस्यमय मामले की सच्चाई सामने लाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को फिर से विश्वसनीय और मजबूत बना सकती हैं। चुनाव आयोग द्वारा मामले की जॉच करने के स्थान पर जिस तरह से साइबर फ्राड को दबाने का काम किया जा रहा है। उससे राहुल गांधी और विपक्ष के वोट चोरी के आरोप में चुनाव आयोग की भूमिका भी संदिग्ध हो रही है।

बेंगलुरु की जेल में प्रज्वल रेवन्ना को मिला लाइब्रेरी क्लर्क का काम, रोजाना रू.522 मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हसन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में पुस्तकालय क्लर्क के रूप में नियुक्त किया गया है। कर्नाटक के एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाले रेवन्ना अब आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों के लिए जेल के अनिवार्य श्रम कार्यक्रम के तहत कैदियों को किताबें जारी करने और उधार लेने का रिकॉर्ड रखने की ज़िम्मेदारी संभालेंगे। जेल अधिकारियों के अनुसार, रेवन्ना ने प्रशासनिक कार्यों में रुचि दिखाई थी। हालाँकि, उनके कौशल का मूल्यांकन करने और जेल की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए, अधिकारियों ने उन्हें पुस्तकालय में नियुक्त कर दिया। उनकी दैनिक ज़िम्मेदारियों में पुस्तकों को सूचीबद्ध करना, जारी करना और उन पर नज़र रखना शामिल है, जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन 522 रुपये मिलते हैं।

एक जेल अधिकारी ने मीडिया को बताया कि आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों से जेल में काम करने की उम्मीद की जाती है। काम का आवंटन कौशल और इच्छा पर आधारित होता है। रेवन्ना पहले ही लाइब्रेरी में एक दिन की ड्यूटी पूरी कर चुके हैं। आमतौर पर, कैदियों से महीने में कम से कम 12 दिन काम करने की उम्मीद की जाती है, जो आमतौर पर हफ्ते में तीन दिन होता है। हालाँकि, लगातार अदालती चक्कर लगाने और कानूनी सलाह-मशविरे के कारण, रेवन्ना का काम अब तक हल्का रहा है।

प्रज्वल रेवन्ना को मई 2025 में एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज बलात्कार और यौन उत्पीड़न के कई मामलों में से एक में दोषी ठहराया था। इस दोषसिद्धि ने इस युवा राजनेता के लिए एक नाटकीय पतन का संकेत दिया, जिन्हें कभी जद(एस) पार्टी का उभरता हुआ चेहरा माना जाता था। रेवन्ना पर पूर्व कर्मचारियों और राजनीतिक सहयोगियों सहित कई महिलाओं द्वारा बलात्कार, यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के कई आरोप लगाए गए थे। 2024 की शुरुआत में कथित तौर पर उनसे जुड़े अश्लील वीडियो ऑनलाइन लीक होने के बाद इन मामलों ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जिससे कर्नाटक में भारी जन आक्रोश और राजनीतिक हंगामा मच गया।

अमेरिका जिस एफ-35 पर इतराता है उससे कई गुना हाईटैक है रूस का ये लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका अपने एफ-35 फाइटर जेट को लेकर खूब इतराता है। वो अपने 5वीं पीढ़ी के विमान को दुनिया में सबसे बेहतर होने का दावा करता है लेकिन रूस के पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एसयू 57 एम1ई को ग्लोबल मार्केट में हलचल मचा दी है। एसयू 57 एम1ई एक स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे वायु श्रेष्ठता और जमीनी हमलों दोनों के लिए डिजाइन किया गया है। यह मैक 2 यानी करीब 2,450 किमी/घंटा की रफ्तार से उड़ान भर सकता है और बिना रीफ्यूलिंग के 3,500 किमी तक का सफर तय करने में सक्षम है। इस जेट की सबसे बड़ी ताकत है इसका सुपर-क्रूज मोड यानी यह

बिना आफ्टरबर्नर के भी सुपरसोनिक उड़ान भर सकता है। इसमें एन036 बायल्का एईएसए रडार, थ्रस्ट-वेक्टरिंग इंजन और एल-बैंड रडार लगे हैं, जो इसे हवा में अदृश्य और बेहद घातक बनाते हैं। रूसी एसयू 57 एम1ई की वेपन क्षमता भी गजब की है। इसमें कुल 12 हार्डपॉइंट हैं, जिनमें से 6 अंदरूनी हैं। यानी यह विभिन्न मिसाइलों और बमों को अपने भीतर छिपाकर ले जा सकता है और स्टील्थ क्षमता को बनाए रखते हुए दुश्मन पर वार कर सकता है।

भारत के पास अभी कोई भी ऑपरेशनल पांचवीं पीढ़ी का जेट नहीं है। भारतीय वायुसेना फिलहाल एसयू-30एमकेआई और राफेल पर निर्भर है, जबकि स्वदेशी तेजस एमके-2 (4.5 पीढ़ी) विकसित हो रहा है। भविष्य के लिए भारत की सबसे बड़ी उम्मीद है एडवांस मीडियम कॉम्बेट एयरक्रॉफ्ट (एएमसीए), जो स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी का जेट होगा। हालांकि एएमसीए का प्रोटोटाइप 2035 तक ही उड़ान भरने की संभावना है। एसयू 57 एम1ई भारत के लिए एक अंतरिम समाधान साबित हो सकता है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या भारत रूस पर निर्भर रहकर अपनी जरूरत पूरी करेगा या फिर एएमसीए के जरिए स्वदेशी आसमान की ओर कदम बढ़ाएगा। खबर है कि इस साल के अंत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की योजना है। इस दौरान वो पीएम मोदी को यह विमान पूरी तरह टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के साथ बेचने का ऑफर कर सकते हैं। एफ -35 के मुकाबले रूसी एसयू 57 एम1ई सस्ता विकल्प है।

एसयू 57 एम1ई की कितनी है कीमत?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसयू 57 एम1ई की अनुमानित कीमत 35-40 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट है। भारतीय करेंसी में यह कीमत करीब 352 करोड़ से ज्यादा बैठती है, जो अमेरिकी एफ-35 की तुलना में लगभग आधी है। एक एफ-35 विमान की कीमत करीब 700 करोड़ बताई जाती है। यही नहीं, रूस ने भारत को इस जेट का सोर्स कोड और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर देने का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत अपने हिसाब से इसे कस्टमाइज कर सके।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)